संस्थापक- संपादक
स्व. आर. एस. शुक्ला

e-paper
dainandini.in

दैनिक दैनन्दिनी

वर्ष -17 ■ अंक-104 ■ रायपुर, शुक्रवार 11 सितंबर 2026 ■ रायपुर और बिलासपुर से एक साथ प्रकाशित ■ CHHHIN/2010/34274 पृष्ठ 8 ■ मूल्य-1.50 रुपये

आज का पंचांग

वारः शुक्रवार
तिथिः भाद्रपद कृष्ण अमावस्या
पक्षः कृष्ण पक्ष
मासः भाद्रपद (कृष्ण पक्ष)
ऋतुः वर्षा ऋतु
विक्रम संवतः 2083
शक संवतः 1948
नक्षत्र, योग और करण
नक्षत्रः पूर्वाफाल्गुनी
योगः साध्य शाम 05:02 तक, तत्पश्चात शुभ।
करणः नाग सुबह 08:56 तक, तत्पश्चात किंस्तुघ्न रात्रि 08 :17 तक।
चन्द्र राशिः सिंह राशि में
सूर्य राशिः सिंह राशि में
पंचकः आज पंचक नहीं है।
अभिजीत मुहूर्तः दोपहर 12:10 से 01:00 तक।
राहुकालः सुबह 11:03 से दोपहर 12:35 तक

फंदे पर लटकी मिली शिक्षिका की लाश

सूरजपुर। छत्तीसगढ़ के सूरजपुर जिले से एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। 26 वर्षीय महिला शिक्षिका ने अपने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच में जुट गई है। यह मामला प्रेमनगर थाना क्षेत्र का है। जानकारी के अनुसार, मृतका की पहचान सलका निवासी के रूप में हुई है। वह स्वामी आत्मानंद स्कूल में शिक्षिका के पद पर कार्यरत थी। बताया जा रहा है कि रात के समय उसने अपने घर के अंदर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना की जानकारी मिलते ही परिजनों और आसपास के लोगों में हड़कंप मच गया। वहीं सूचना मिलने पर प्रेमनगर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और पंचनामा कार्रवाई कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। शिक्षिका के आत्महत्या करने के पीछे की वजह सामने नहीं आई है। घटनास्थल से मिले साक्ष्यों और परिजनों के बयान के आधार पर आगे की कार्रवाई की जा रही है। पुलिस मामले से जुड़े सभी पहलुओं की जांच कर रही है।

हाउसकीपिंग वर्कर निकली 'ड्रग सप्लायर'

कानपुर। मादक पदार्थों की अवैध तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत कानपुर कमिश्नरेट पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। रेलबाजार थाना पुलिस ने चेकिंग के दौरान एक युवती को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 8 किलो 295 ग्राम गांजा बरामद करने का दावा किया है। पुलिस के मुताबिक, आरोपी युवती ओडिशा के भुवनेश्वर से गांजे की खेप लेकर कानपुर पहुंची थी। यहां उसे यह खेप एक अज्ञात व्यक्ति को डिलीवर करनी थी। पुलिस के मुताबिक, आरोपी युवती पहले भी ओडिशा से इस तरह की खेप लाने की बात कबूल कर चुकी है। पुलिस अब उसके मोबाइल फोन की फॉरेंसिक जांच और कॉल डिटेल के जरिए पूरे नेटवर्क की कड़ियां जोड़ने में जुटी है।

वहीं, आपको बता दें कि इस घटना से कुछ दिन पहले कानपुर में करीब 15 लाख के गांजे के साथ एक युवक को पकड़ा गया था। रेलबाजार थाना पुलिस के अनुसार, 10 सितंबर 2026 को थाना प्रभारी अमान सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम शिव नारायण टंडन पुल के पास संदिग्ध वाहनों और व्यक्तियों की चेकिंग कर रही थी।

मार्च 2028 तक सभी जल संरचनाओं को पूर्ण करने के निर्देश, गुणवत्ता और समयबद्धता पर विशेष जोर

जल संरक्षण और हर घर तक स्वच्छ पेयजल हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता : सीएम साय

रायपुर ■ दैनन्दिनी

जल संरक्षण केवल वर्तमान की आवश्यकता नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य से जुड़ा विषय है। प्रदेश में जल की प्रत्येक बूंद का संरक्षण हो और प्रत्येक परिवार को स्वच्छ पेयजल की सुविधा मिले, इस लक्ष्य के साथ राज्य सरकार जल संचय और जल जीवन मिशन के कार्यों को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने आज राजधानी रायपुर स्थित मुख्यमंत्री निवास कार्यालय में जल संसाधन विभाग और लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग की समीक्षा बैठक को संबोधित करते हुए यह बात कही।

मुख्यमंत्री श्री साय ने जल संचय जन भागीदारी अभियान की जिलेवार प्रगति की विस्तृत समीक्षा की। मुख्यमंत्री ने कहा कि जल संरक्षण के कार्यों की नियमित मॉनिटरिंग हो और निर्धारित लक्ष्यों की प्राप्ति के साथ भविष्य की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए दीर्घकालिक जल सुरक्षा की दिशा में काम किया जाए।

जनभागीदारी से मजबूत होगा जल संरक्षण अभियान

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि जल संरक्षण को केवल शासकीय कार्यक्रम तक सीमित न रखते हुए इसे जनभागीदारी का व्यापक अभियान बनाया जाना चाहिए। वर्ष 2025-26 में प्रदेश के अनेक जिलों ने जल संचय जन भागीदारी अभियान के अंतर्गत उल्लेखनीय कार्य किए हैं। अब सभी जिलों को अपने निर्धारित लक्ष्य से आगे बढ़कर बेहतर परिणाम के लिए प्रयास करना होगा। मुख्यमंत्री ने प्रेजेंटेशन के माध्यम से अभियान की जिलेवार प्रगति की जानकारी ली। उन्होंने कोरिया, धमतरी राजनांदगांव सहित अन्य जिलों में जल संरक्षण की दिशा में किए गए कार्यों की सराहना की। मुख्यमंत्री ने कहा कि बेहतर प्रदर्शन करने वाले जिलों के अनुभव और कार्यप्रणाली का लाभ अन्य जिलों को भी मिलना चाहिए, ताकि पूरे प्रदेश में जल संरक्षण के प्रयासों को समान गति मिल सके।

जल संसाधन विभाग के सचिव श्री राजेश कुमार टोप्पो ने बैठक में बताया कि जल संचय जन भागीदारी अभियान में छत्तीसगढ़ देश में अग्रणी है। उन्होंने बताया कि सभी जिलों को इस वर्ष निर्धारित लक्ष्य प्राप्त करने के साथ उससे बेहतर प्रदर्शन के लिए पूरी प्रतिबद्धता से कार्य करने के निर्देश दिए गए हैं।

छत्तीसगढ़ के जल संरक्षण मॉडल को राष्ट्रीय मंच पर मिली पहचान

मुख्यमंत्री ने कहा कि जल संरक्षण के प्रयास तभी दीर्घकालिक परिणाम देंगे, जब शासन के साथ समाज की सक्रिय भागीदारी भी सुनिश्चित होगी। जनभागीदारी की इसी शक्ति के माध्यम से छत्तीसगढ़ को जल संरक्षण के क्षेत्र में देश के अग्रणी राज्यों में स्थायी रूप से स्थापित करना है। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जल संचय जन भागीदारी अभियान के अंतर्गत सभी जिलों के नोटिफाइड नक्शे तैयार करने की प्रक्रिया को आगे बढ़ाया जाए। अभियान की मुख्य सचिव स्तर पर नियमित समीक्षा की जाएगी। उन्होंने कहा कि प्रत्येक जिले में जल संरक्षण से जुड़े कार्यों की सतत मॉनिटरिंग की जाए तथा जहां भी कमियां सामने आएं, उन्हें तत्काल दूर किया जाए। निर्माण कार्यों में गुणवत्ता से किसी प्रकार का समझौता न हो और सभी कार्य निर्धारित समय-सीमा में पूरे हों।

हर घर तक नल से स्वच्छ जल पहुंचाना हमारा लक्ष्य

मुख्यमंत्री श्री साय ने बैठक में जल जीवन मिशन की प्रगति की भी विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में जल जीवन मिशन का उद्देश्य प्रत्येक परिवार तक नल के माध्यम से स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराना है। प्रदेश के प्रत्येक घर तक पर्याप्त और स्वच्छ पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित करना राज्य सरकार की प्रमुख प्राथमिकता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि अब जल जीवन मिशन के शेष कार्यों को मिशन मोड में आगे बढ़ाया जाए। सभी कलेक्टर अपने-अपने जिलों में इसकी नियमित समीक्षा करें और जहां भी प्रशासनिक, तकनीकी अथवा क्रियान्वयन संबंधी बाधाएं आ रही हैं, उनका तत्काल समाधान करते हुए कार्यों को निर्धारित समय-सीमा में पूरा कराएं।

उन्होंने कहा कि केवल अधोसंरचना निर्माण ही लक्ष्य नहीं है, बल्कि यह सुनिश्चित करना भी आवश्यक है कि योजनाओं का वास्तविक लाभ परिवारों तक पहुंचे और लोगों को नियमित रूप से स्वच्छ पेयजल उपलब्ध हो। इसके लिए जिला प्रशासन और संबंधित विभागों के बीच बेहतर समन्वय के साथ कार्य किया जाए।

पूर्ण कार्यों के भुगतान में न हो अनावश्यक विलंब

मुख्यमंत्री श्री साय ने जल जीवन मिशन के अंतर्गत पूर्ण हो चुके कार्यों के भुगतान की स्थिति की भी समीक्षा की। उन्होंने निर्देश दिए कि जिन कार्यों को निर्धारित मापदंड और गुणवत्ता के अनुरूप पूर्ण किया जा चुका है, उनका भुगतान समय पर सुनिश्चित किया जाए।

उन्होंने कहा कि जिला स्तर पर मिशन की नियमित समीक्षा करते हुए प्रेजेंटेशन में सामने आई कमियों और समस्याओं का प्राथमिकता से निराकरण किया जाए। योजना से जुड़े सभी पक्षों के बीच बेहतर समन्वय से शेष कार्यों को गति दी जाए।

हर जिले की प्राथमिकता बने जल सुरक्षा

मुख्यमंत्री श्री साय ने सभी कलेक्टरों को निर्देशित किया कि वे अपने जिलों में जल संरक्षण और हर घर तक नल से पेयजल पहुंचाने के लक्ष्य को सर्वोच्च प्राथमिकता दें। स्थानीय परिस्थितियों और जल उपलब्धता को ध्यान में रखते हुए प्रभावी कार्ययोजना तैयार की जाए तथा जल संसाधन, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी एवं अन्य संबंधित विभागों के बीच समन्वय सुनिश्चित किया जाए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जल संचय जन भागीदारी अभियान और जल जीवन मिशन सीधे आम नागरिकों के जीवन से जुड़े हैं। इन प्रयासों के प्रभावी क्रियान्वयन से जहां वर्तमान में लोगों को बेहतर पेयजल सुविधा मिलेगी, वहीं भविष्य की पीढ़ियों के लिए जल सुरक्षा की मजबूत नींव भी तैयार होगी।

उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ के पास जल संरक्षण के क्षेत्र में देश के सामने एक उदाहरण प्रस्तुत करने का अवसर है। इसके लिए शासन-प्रशासन के साथ जनभागीदारी को और मजबूत करते हुए प्रत्येक जिले को अपनी पूरी क्षमता से कार्य करना होगा। हमारा लक्ष्य ऐसा छत्तीसगढ़ बनाना है, जहां जल का बेहतर संरक्षण हो, जल स्रोत सुरक्षित और समृद्ध हों तथा प्रत्येक परिवार को पर्याप्त और स्वच्छ पेयजल सहज रूप से उपलब्ध हो।

बैठक में मुख्य सचिव श्री विकासशील, मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव श्री सुबोध कुमार सिंह, मुख्यमंत्री के सचिव श्री पी. दयानंद, जल संसाधन विभाग के सचिव श्री आर. एस. टोप्पो, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के सचिव श्री अब्दुल कैसर हक, मुख्यमंत्री के विशेष सचिव श्री रजत बंसल, संयुक्त सचिव श्री प्रभात मलिक सहित संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

हाइवे पर पेट्रोल-डीजल टैंकर में लगी भीषण आग

कटघोरा (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले में आज उस वक्त हड़कंप मच गया, जब कटघोरा-अंबिकापुर नेशनल हाईवे-130 पर लोडेड पेट्रोल-डीजल टैंकर में भीषण आग लग गई। सूचना के बाद फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची और किसी तरह आग पर काबू पाया।

जानकारी के मुताबिक, टैंकर कोरबा से पेट्रोल लेकर वार्डफ़ नगर की ओर जा रहा था, जिसमें करीब 2 हजार लीटर पेट्रोल और 8 हजार लीटर डीजल लोड था। कटघोरा-अंबिकापुर नेशनल हाईवे-130 पर गुरसियां के पास टैंकर चालक खाना खाने के लिए रूके थे। खाना खाने के बाद जैसे ही टैंकर को स्टार्ट किया गया, उतने में उसमें आग लग गई, जिससे हड़कंप मच गया।

घटना के बाद आनन-फानन में चालक और कंडक्टर ने टैंकर से बाहर निकलकर अपनी जान बचाई। वही सूचना मिलते ही बांगो पुलिस और यातायात पुलिस के साथ फायर ब्रिगेड की गाड़ी भी मौके पर पहुंची।

टैंकर में विस्फोट की आशंका को लेकर रिहायसी इलाके को खाली कराया गया। इस दौरान हाईवे के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतार लग गई। फिलहाल आग पर काबू पा लिया गया है।

तहसीलदार की कुर्सी पर गिरा छत का प्लास्टर

दुर्ग ■ एजेंसी

जिले के पाटन तहसील कार्यालय में उस वक्त बड़ा हादसा टल गया, जब तहसीलदार की कुर्सी पर छत का बड़ा हिस्सा अचानक भरभराकर गिरा। छत का प्लास्टर टेबल और उस पर रखे कंप्यूटर सहित अन्य सामान पर गिरा। घटना रात के समय होने के कारण कार्यालय में अधिकारी-कर्मचारी मौजूद नहीं थे, जिससे किसी तरह की जनहानि नहीं हुई।

फिलहाल तहसील कार्यालय को अन्य कमरे में शिफ्ट किया गया है। घटना यदि कार्यालयीन समय में होती तो तहसीलदार सहित अधिकारी-कर्मचारियों के घायल होने की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता था। जिस स्थान पर छत का प्लास्टर गिरा है, वहां सामान्य दिनों में अधिकारी-कर्मचारियों की आवाजाही और कामकाज होता है। इस घटना ने तहसील कार्यालय भवन के रखरखाव और सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। आखिर जिस छत के नीचे बैठकर राजस्व विभाग का महत्वपूर्ण कामकाज होता है, उसकी समय रहते जांच और मरम्मत क्यों नहीं कराई गई? क्या जिम्मेदार अधिकारियों ने भवन की जर्जर स्थिति को गंभीरता से नहीं लिया? सबसे बड़ा सवाल यह है कि अगर यही छत दिन में अधिकारी-कर्मचारियों की मौजूदगी के दौरान गिरती तो इसकी जिम्मेदारी किसकी होती? हादसा टल गया, लेकिन घटना ने सरकारी कार्यालयों में कर्मचारियों और आम जनता की सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ा दी है।

टेबल-कंप्यूटर क्षतिग्रस्त

ऑक्सीजन सिलेंडर ब्लास्ट, एक की मौत

नई दिल्ली। दिल्ली के ओखला इलाके से बुधवार को सिलेंडर ब्लास्ट की घटना सामने आई है। ओखला फेज-1 के एक कम्युनिटी हॉल के पास हुए इस हादसे में एक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि चार लोगों के घायल होने की जानकारी सामने आई है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और राहत-बचाव टीम मौके पर पहुंची। घायलों को सीएटीएस (CATS) एंबुलेंस की मदद से नजदीकी अस्पताल पहुंचाया गया। जानिए क्या है पूरा मामला। दिल्ली के ओखला-1 इलाके में ऑक्सीजन सिलेंडर ब्लास्ट की घटना सामने आई है। दिल्ली फायर सर्विसेज के मुताबिक, बुधवार को करीब 11 बजकर 55 मिनट पर कम्युनिटी हॉल के पास सिलेंडर ब्लास्ट की सूचना मिली। सूचना मिलने के बाद चार फायर टेंडर मौके पर भेजे गए। हादसे में एक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं, घटना में चार लोग घायल बताए जा रहे हैं। घायलों को CATS एंबुलेंस की मदद से नजदीकी अस्पताल पहुंचाया गया। हादसे के बाद घटनास्थल पर पुलिस टीम भी पहुंची और स्थिति का जायजा लिया।

अस्थि विसर्जन कर लौट रहे तीन लोगों को तेज रफ्तार वाहन ने मारी टक्कर, एक की मौत, दो गंभीर

अभनपुर (एजेंसी)। अभनपुर-रायपुर मुख्य मार्ग पर आज दर्दनाक सड़क हादसा हुआ है, जहां अज्ञात वाहन ने एक्टिवा सवार तीन लोगों को टक्कर मार दी। इस हादसे में एक की मौके पर मौत हो गई और दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए, जिन्हें इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। यह हादसा अभनपुर थाना क्षेत्र में हुआ है। बताया जा रहा है कि तीनों लोग रायपुर से एक ही एक्टिवा में सवार होकर राजिम में अस्थि विसर्जन करने आए थे। लौटने के दौरान अभनपुर-रायपुर मुख्य मार्ग पर मोहन ढाबा के पास अज्ञात वाहन ने उन्हें टक्कर मार दी।

इस हादसे में हरिश्चंद्र वासुदेव की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लिया और उसे पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। इसके साथ ही अज्ञात वाहन की तलाश भी शुरु कर दी गई है।

कोयलीबेड़ा के 122 ग्रामीणों ने किया भाजपा प्रवेश, सीएम साय ने दिलाई सदस्यता

रायपुर ■ दैनन्दिनी

छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित कोयलीबेड़ा क्षेत्र में भारतीय जनता पार्टी को बड़ी राजनीतिक मजबूती मिली है। भाजपा प्रदेश कार्यालय में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की मौजूदगी में कोयलीबेड़ा मंडल क्षेत्र के 122 ग्रामीणों ने भाजपा की सदस्यता ग्रहण की। बताया जा रहा है कि पूर्व प्रदेश अध्यक्ष विक्रम उसेंडी के नेतृत्व में ग्रामीणों ने भाजपा में प्रवेश किया। इस दौरान मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने नए सदस्यों का पार्टी में स्वागत किया। भाजपा में शामिल होने वालों में कोयलीबेड़ा मंडल क्षेत्र के विभिन्न गांवों के ग्रामीण शामिल रहे। नक्सल प्रभावित इलाके में इतनी बड़ी संख्या में ग्रामीणों के भाजपा में शामिल होने को पार्टी के लिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है। पार्टी नेताओं ने कहा कि ग्रामीणों के जुड़ने से क्षेत्र में संगठन को और मजबूती मिलेगी। वहीं भाजपा प्रवेश कार्यक्रम के दौरान कार्यकर्ताओं और समर्थकों में उत्साह देखने को मिला।

इस मौके पर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने पोरा तिहार की बधाई देते हुए किसानों के खुशहाली की कामना की। भाजपा प्रवेश पर सीएम ने कहा, विक्रम मंडावी के विधानसभा क्षेत्र से 122 लोग पार्टी की रीति-नीति से प्रभावित होकर बीजेपी में प्रवेश किया।इसमें एक जनपद सदस्य और सरपंच, ग्राम पटेल शामिल हैं। सभी का भाजपा में स्वागत है। उन्होंने कहा, पहले क्षेत्र नक्सलवाद से पीड़ित था, अब बस्तर नक्सलवाद से मुक्त हो गया है। अब क्षेत्र में विकास पहुंचाने के लिए ग्रामीणों ने भाजपा प्रवेश किया है।

वंदे मातरम सियासत

कर्नाटक सरकार का आदेश- सरकारी कार्यक्रमों में बस दो छंद

मैसूर ■ एजेंसी

कांग्रेस और बीजेपी के बीच राष्ट्रीय गीत को लेकर चल रहे राजनीतिक विवाद के बीच, कांग्रेस के नेतृत्व वाली कर्नाटक सरकार ने आदेश जारी किया है कि सरकारी कार्यक्रमों में 'वंदे मातरम' के केवल शुरुआती दो पद ही गाए जाएं। हालांकि, आदेश में यह भी कहा गया है कि राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री या राज्यपाल की मौजूदगी वाले कार्यक्रमों और केंद्र सरकार के कार्यक्रमों में राष्ट्रीय गीत के सभी छह पद गाए जाएंगे।

यह आदेश केंद्र सरकार के उस निर्देश के बीच आया है जिसमें सरकारी कार्यक्रमों में 'वंदे मातरम' के सभी छह पद गाना अनिवार्य कर दिया गया है। राज्य सरकार के अन्य आधिकारिक कार्यक्रमों के लिए, कर्नाटक सरकार ने अधिकारियों को निर्देश दिया है कि वे गीत के केवल शुरुआती दो पदों को ही गाएं। जिस तरह सोनिया गांधी ने दिल्ली में कांग्रेस मुख्यालय में स्वतंत्रता दिवस समारोह के दौरान 'वंदे मातरम' के सभी छह पद गाए जाने पर आपत्ति जताई थी, ठीक उसी तरह उनके INDIA गठबंधन के सहयोगी, NC नेता फारूक अब्दुल्ला और जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला, श्रीनगर में आयोजित पहले इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में पूरा गाना बजने के दौरान खड़े रहे।

गृह मंत्रालय की नई गाइडलाइंस के मुताबिक, अब्दुल्ला परिवार के सदस्य गाने के पूरे तीन मिनट 10 सेकंड के दौरान खड़े रहे। राष्ट्रीय गीत को लेकर विवाद तब शुरू हुआ जब कांग्रेस नेता सोनिया गांधी ने इसके पूरे गायन पर आपत्ति जताई और साफ़ तौर पर नाराज़ दिखीं; जैसे ही उन्हें एहसास हुआ कि गायक पहले दो छंदों से आगे बढ़ गए हैं, उन्होंने इसे रोकने का इशारा किया। 1937 में कांग्रेस वर्किंग कमेटी के एक प्रस्ताव के बाद गीत के छोटे संस्करण को अपनाया गया था, और पार्टी का कहना था कि ऐसा सांप्रदायिक सद्भाव बनाए रखने के लिए किया गया था।

आईआरसीटीसी मनी लॉन्ड्रिंग मामले में लालू,राबड़ी और तेजस्वी पर चार्ज फ्रेम

नई दिल्ली ■ एजेंसी

दिल्ली की राउज़ एवेन्यू कोर्ट ने IRCTC घोटाले में लालू प्रसाद यादव, राबड़ी देवी और तेजस्वी यादव सहित नौ आरोपियों के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग के आरोप तय करने का आदेश दिया है। अदालत ने जांच को राजनीतिक बदले की भावना से प्रेरित होने की दलील खारिज करते हुए कहा कि उनके खिलाफ भ्रष्टाचार के अपराध का प्रथम दृष्टया मजबूत संदेह है। यह मामला रेल मंत्री रहते हुए लालू प्रसाद द्वारा रेलवे होटलों के आवंटन में कथित अनियमितताओं और जमीन के बदले कॉन्ट्रैक्ट से जुड़ा है।

दिल्ली की एक अदालत ने गुरुवार को पूर्व रेल मंत्री लालू प्रसाद यादव, उनकी पत्नी राबड़ी देवी, बेटे तेजस्वी प्रसाद यादव और चार अन्य लोगों के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग के आरोप तय करने का आदेश दिया। यह मामला दो IRCTC होटलों के आवंटन में कथित अनियमितताओं से जुड़ा है। राउज़ एवेन्यू कोर्ट के स्पेशल जज विशाल गोगने ने कहा कि आरोपियों के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग के अपराध का मजबूत संदेह है।

परिणीति चोपड़ा की 'शकः ट्रस्ट नो वन' का ट्रेलर रिलीज, बेटी की तलाश में उलझेगी कहानी, रहस्य-रोमांच से होगी भरपूर

मुंबई (एजेंसी)। परिणीति चोपड़ा नेटफ्लिक्स की नई सीरीज 'शकः ट्रस्ट नो वन' से ओटीटी की दुनिया में कदम रखने जा रही है, जो 24 सितंबर को रिलीज होगी। सीरीज 'शकः ट्रस्ट नो वन' का ट्रेलर अब रिलीज हो चुका है, जिसमें बॉलीवुड एक्ट्रेस परिणीति एक ऐसी मां के किरदार में नजर आने वाली हैं जो नौ साल से अपनी लापता बेटी को ढूंढ रही है। दर्शक परिणीति चोपड़ा को इस डेब्यू सीरीज में देखने के लिए काफी एक्साइटेड नजर आ रहे हैं। इस मिस्ट्री थ्रिलर सीरीज में जेनिफर विंगेट, सोनी राजदान, ताहिर राज भसीन, हरलीन सेठी, अनूप सोनी, ध्रुव चौधरी और सुमित व्यास जैसे कई बेहतरीन कलाकार भी हैं।

'शकः ट्रस्ट नो वन' का ट्रेलर एक ऐसी कहानी दिखाता है, जो लंबे समय से लापता एक बच्चे और उससे जुड़े सवालों के इर्द-गिर्द घूमती है। जैसे-जैसे मां जवाब ढूंढती है। उसे अपने सबसे करीबी लोगों पर भी शक होने लगता है।

मुख्य रहस्य सिर्फ लापता बच्चे को ढूंढने का नहीं है, बल्कि यह पता लगाने का भी है कि वह किस पर भरोसा कर सकती है। 'शकः ट्रस्ट नो वन' परिणीति चोपड़ा की पहली सीरीज है। इसमें वह एक ऐसी मां का किरदार निभा रही हैं, जो सालों तक कोई जवाब न मिलने के बावजूद अपने बच्चे को ढूंढने की हिम्मत नहीं हारतीं। ट्रेलर में परिणीति चोपड़ा एक नई मां के रोल में हैं, जिनकी नवजात बच्ची को अस्पताल से अगवा कर लिया जाता है। ट्रेलर में आगे

दिखाया जाएगा कि नौ साल बाद किडनैपर बच्ची की तस्वीरें भेजकर माता-पिता को परेशान करता है।

यह सीरीज दिखाती है कि जब कोई गायब हो जाता है तो उसके आस-पास के रिश्तों पर क्या असर पड़ता है। ट्रेलर में दिखाए गए किरदारों की अपनी-अपनी कहानी और मकसद हैं, जिससे मुख्य किरदार को यह सोचने पर मजबूर होना पड़ता है कि क्या आस-पास के लोग उसकी मदद कर रहे हैं या कुछ छिपा रहे हैं।

'शकः ट्रस्ट नो वन' को रेन्सिल डी'सिल्वा और सिद्धार्थ पी. मल्होत्रा ने बनाया है। इस सीरीज के डायरेक्टर रेन्सिल डी'सिल्वा हैं। सपना मल्होत्रा और सिद्धार्थ पी. मल्होत्रा ने इस सीरीज को प्रोड्यूस किया है। एल्केमी फिल्म्स ने इसे सपोर्ट किया है। मेकर्स ने कहानी के ज्यादातर हिस्से को राज ही रखा है। ट्रेलर में मां की खोज और उसके आस-पास के लोगों पर बढ़ते शक पर फोकस किया गया है। कहानी निजी रिश्तों और बच्चे के साथ क्या हुआ, इस बड़े रहस्य के बीच आगे बढ़ती हुई लगती है। ये सीरीज नेटफ्लिक्स पर 24 सितंबर को रिलीज होने वाली है।

बिपाशा बसु को न्यूट्रिशन प्रोडक्ट में मिले छोटे कीड़े, तुकाराम मुंढे को टैग कर बोलीं- 'आप आखिरी उम्मीद हैं'

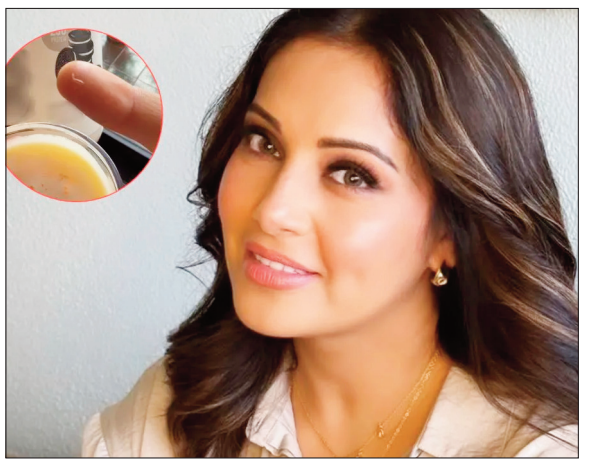

मुंबई (एजेंसी)। बिपाशा बसु ने एक न्यूट्रिशन प्रोडक्ट से जुड़ी फूड-सेफ्टी की समस्या पर चिंता जताई है। उन्होंने गुरुवार, 10 सितंबर को अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक वीडियो शेयर किया, जिसमें उन्होंने दावा किया कि उन्हें एक प्रोडक्ट के अंदर छोटे-छोटे कीड़े मिले। उन्होंने इस वीडियो में महाराष्ट्र फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन (FDA) के कमिश्नर तुकाराम मुंढे को टैग भी किया है और उनसे अपील की कि इस तरह के मिलावट के मामले में वे मदद करें। एक्ट्रेस ने तुकाराम मुंढे से मिलावटी और खराब प्रोडक्ट्स के खिलाफ सख्त कदम उठाने की मांग की। इसके पहले श्वेता तिवारी के ऑनलाइन ऑर्डर किए गए ड्रिंक से एक कॉकरोच निकला था और उन्होंने भी महाराष्ट्र एफडीए कमिश्नर से इस लापरवाही पर कार्रवाई करने की अपील की थी।

बिपाशा बसु को न्यूट्रिशन प्रोडक्ट में मिला कीड़ा

वीडियो में बिपाशा बसु ने कंटेनर के अंदर की चीजों को जूम करके दिखाया और बताया कि ये छोट-छोटे कीड़े हैं। वीडियो में बिपाशा को यह कहते हुए सुना जा सकता है, 'इस न्यूट्रिशन प्रोडक्ट में कीड़े भरे हुए हैं... बहुत छोटे-छोटे कीड़े। हमने जो नया डिब्बा खोला है, वह कीड़ों से भरा हुआ है।' इस क्लिप के साथ बिपाशा ने तुकाराम मुंढे को टैग किया और लिखा, '@tukaram_ias आप ही हमारी आखिरी उम्मीद हैं... ताकि हम जो भी खरीदें, उसमें हमें खराब या मिलावटी सामान न मिले।'

जब बिपाशा बसु को 'जिस्म' साइन करने पर मिली चेतावनी

एक्ट्रेस बिपाशा बसु ने Elle India से बातचीत में बताया कि जब उन्होंने 'जिस्म' साइन करने का फैसला किया तो उन्हें पता था कि वह बहुत बड़ा रिस्क ले रही हैं। एक्ट्रेस ने बताया कि उस वक्त इंडस्ट्री में कई लोगों ने उन्हें ये फिल्म नहीं करने की सलाह दी थी, क्योंकि उन्होंने चिंता थी कि बोल्ड सीन करना बिपाशा के करियर के लिए नुकसानदायक हो सकता है। इसी बातचीत में बिपाशा ने बेटी देवी के जन्म के बाद बढ़े वजन को लेकर हुई ट्रोलिंग पर भी बात की।

बिपाशा बसु का वर्क फ्रंट

प्रोफेशनल लाइफ की बात करें तो एक्ट्रेस बिपाशा ने अभी किसी फिल्म की घोषणा नहीं की है। हाल के सालों में लाइमलाइट से दूर रहीं इस एक्ट्रेस को आखिरी बार 2020 की वेब सीरीज 'डेंजरस' में देखा गया था। उनके फैंस बड़े पर्दे पर उनकी वापसी का इंतजार कर रहे हैं।

7 पार्ट में बनेगी 'श्रीमद्भागवत', पहला पार्ट 'विष्णुरत' का ऐलान

मुंबई (एजेंसी)। भारतीय पौराणिक कथाओं और आध्यात्मिक परंपरा से जुड़ी श्रीमद्भागवत अब बड़े पर्दे पर एक बेहद अलग अंदाज में नजर आने वाली है। सागर पिक्चर्स एंटरटेनमेंट ने इस पवित्र ग्रंथ पर आधारित एक विशाल लाइव-एक्शन फिल्म फ्रेंचाइजी का ऐलान किया है। खास बात यह है कि मेकर्स पूरी कथा को एक बॉलीवुड फिल्म में समेटने के बजाय इसे सात अलग-अलग फिल्मों के जरिए दर्शकों तक पहुंचाने की तैयारी कर रहे हैं। इस सात भागों वाली सीरीज की शुरुआत 'श्रीमद्भागवत पार्ट 1: विष्णुरत' से होगी। मेकर्स ने फिल्म का पहला टीजर पोस्टर भी जारी कर दिया है। इसके साथ ही इस महत्वाकांक्षी सिनेमाई सफर की आधिकारिक शुरुआत हो गई है। फिल्म को दुनियाभर के सिनेमाघरों में 2027 में रिलीज करने की योजना है और इसे प्रीमियम लार्ज फॉर्मेट में भी दिखाया जाएगा।

फ्रेंचाइजी की पहली फिल्म का नाम 'विष्णुरत' रखा गया है। यह नाम भगवान विष्णु की संरक्षण प्राप्त करने वाले व्यक्ति के अर्थ को दर्शाता है। फिल्म का शीर्षक ही इस बात का संकेत देता है कि कहानी भारतीय आध्यात्मिक परंपरा और भगवान विष्णु से जुड़े व्यापक आख्यानों की ओर ले जाएगी। मेकर्स ने फिलहाल कहानी के विस्तृत हिस्से को सामने नहीं रखा है। हालांकि सात फिल्मों की घोषणा से इतना स्पष्ट है कि दर्शकों को श्रीमद्भागवत की कथा का विस्तृत सिनेमाई अनुभव देने की तैयारी है। अलग-अलग अध्यायों को पर्याप्त समय और स्पेस देने की वजह से फिल्मकार इसके पात्रों, घटनाओं और आध्यात्मिक प्रसंगों को विस्तार से दिखा सकेंगे।

श्रीमद्भागवत की कथा बेहद विस्तृत मानी जाती है। ऐसे में इसे सिर्फ एक फिल्म में प्रस्तुत करने के बजाय सात हिस्सों में बांटने का फैसला इसे एक लंबी सिनेमाई यात्रा में बदल देता है। 'विष्णुरत' इस यात्रा का पहला पड़ाव होगा और आगे आने वाली फिल्में इस महागाथा को अलग-अलग चरणों में आगे बढ़ाएंगी। इस फ्रेंचाइजी के जरिए मेकर्स का उद्देश्य केवल पौराणिक घटनाओं को पर्दे पर उतारना नहीं, बल्कि एक ऐसा सिनेमाई संसार तैयार करना है, जिसमें कहानी को बड़े स्तर पर विकसित किया जा सके। आने वाले समय में हर पार्ट से जुड़ी कहानी और किरदारों को लेकर ज्यादा जानकारी सामने आने की उम्मीद है।

यामी गौतम बनीं रहस्यमयी दुल्हन, शादी के बाद शुरू हुआ अजीबोगरीब खेल

मुंबई (एजेंसी)। बॉलीवुड एक्ट्रेस यामी गौतम धर इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म 'नय्यी नवेली' को लेकर चर्चा में हैं। फिल्म का टीजर मेकर्स ने रिलीज कर दिया है और इसे देखकर कहानी को लेकर दर्शकों की उत्सुकता बढ़ गई है। टीजर में यामी एक नई-नवेली दुल्हन के किरदार में नजर आ रही हैं, लेकिन उनका किरदार जितना सामान्य दिखाई देता है, कहानी उतनी ही रहस्यमयी लगती है। उनके शादी के बाद घर में कदम रखते ही कुछ ऐसी घटनाएं शुरू होती हैं, जो धीरे-धीरे पूरे माहौल को अजीब और मजेदार बना देती हैं। फिल्म को फैंटेसी, कॉमेडी और एडवेंचर का दिलचस्प मिश्रण बताया जा रहा

है। 'नय्यी नवेली' के टीजर की सबसे खास बात यामी गौतम का किरदार है। पहली झलक में वह एक बिल्कुल साधारण नई दुल्हन की तरह नजर आती हैं, लेकिन कहानी आगे बढ़ते ही उनके आसपास होने वाली घटनाएं कई सवाल खड़े करती हैं। ऐसा लगता है कि उनके किरदार में कोई ऐसा राज छिपा है, जिसका खुलासा फिल्म में धीरे-धीरे होगा। मेकर्स ने टीजर में कहानी की ज्यादा जानकारी देने से परहेज किया है। इसके बजाय दर्शकों को उन परिस्थितियों की झलक दिखाई गई है, जिनके बीच फिल्म के किरदार फंसते नजर आते हैं।

सेहत

खाना खाने के कितनी देर के बाद पानी पीना चाहिए?

कुछ लोग खाना खाने से पहले पानी पीते हैं, तो वहीं कुछ लोग खाना खाते-खाते पानी पी लेते हैं और कुछ लोग खाना खाने के तुरंत बाद पानी पीते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि खाना खाते-खाते या फिर खाना खाने के तुरंत बाद पानी पीने की वजह से आपको सेहत से जुड़ी कई समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है? आइए जानकारी हासिल करते हैं कि आखिर आपको खाना खाने के कितनी देर बाद पानी पीना चाहिए।

30 मिनट के बाद पिएं पानी

आयुर्वेद के मुताबिक आपको खाना खाने के कम से कम 20-30 मिनट के बाद ही पानी पीना चाहिए। अगर आप खाना खाने के आधे घंटे बाद पानी पीते हैं, तो आपके डाइजेस्टिव सिस्टम पर बुरा असर नहीं पड़ता है। यानी अगर आप अपने डाइजेस्टिव सिस्टम को डिस्टर्ब नहीं करना चाहते, तो आपको खाना खाने के

तुरंत बाद पानी पीने से बचना चाहिए।

खाने के तुरंत बाद पानी पीने से क्या होता है?

खाने के तुरंत बाद पानी पीने से आपकी गट हेल्थ बुरी तरह से प्रभावित हो सकती है। आपकी इस आदत की वजह से आपको पेट से जुड़ी समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। खाने के एकदम बाद पानी पीने से डाइजेशन प्रोसेस धीमा हो जाता है। यही वजह है कि आयुर्वेद में खाने के तुरंत बाद पानी पीने से मना किया जाता है।

गौर करने वाली बात

आयुर्वेद के मुताबिक खाने को अच्छी तरह से चबाकर खाना चाहिए। अगर आप बड़ी-बड़ी बाइट्स बिना चबाए निगल जाएंगे, तो आपकी गट हेल्थ पर नेगेटिव असर पड़ सकता है और आप पेट से जुड़ी समस्याओं का शिकार बन सकते हैं। इसके अलावा अगर आप चाहते हैं कि आपका खाना अच्छी तरह से डाइजेस्ट हो पाए, तो आपको खाने और सोने के बीच में भी कम से कम दो से तीन घंटे का गैप रखना चाहिए। **(एजेंसी)।**

जरूर खाएं पोषक तत्वों से भरपूर आड़ू

गर्मियों के मौसम में हेल्थ एक्सपर्ट्स अक्सर आड़ू खाने की सलाह देते हैं। ये मीठा और रसीला फल आपकी सेहत के लिए वरदान साबित हो सकता है। आपकी जानकारी के लिए बता दें कि आड़ू में विटामिन ए, विटामिन सी, विटामिन ई, विटामिन के, फाइबर, पोटैशियम, मैग्नीशियम और फॉस्फोरस जैसे कई पोषक तत्वों की अच्छी खासी मात्रा पाई जाती है।

गट हेल्थ के लिए फायदेमंद

सही मात्रा में और सही तरीके से आड़ू का सेवन कर आप अपनी गट हेल्थ को काफी हद तक सुधार सकते हैं। पेट से जुड़ी समस्याओं से छुटकारा पाने के लिए आप इस फल को कंज्यूम कर सकते हैं। इसके अलावा गर्मियों में डिहाइड्रेशन के खतरे

को कम करने के लिए भी आड़ू का सेवन किया जा सकता है। लू से बचने के लिए भी इस फल को कंज्यूम किया जा सकता है।

ब्रूस्ट करे इम्यून सिस्टम

क्या आप कमजोर इम्यून सिस्टम की वजह से बार-बार बीमार पड़ जाते हैं? अगर हां, तो आपको आड़ू का सेवन करना शुरू कर देना चाहिए। आड़ू में पाए जाने वाले तमाम पोषक तत्व आपके इम्यून सिस्टम को बूस्ट करने में कारगर साबित हो सकते हैं। जोड़ों के दर्द से राहत पाने के लिए भी इस फल को डाइट प्लान में शामिल किया जा सकता है।

हार्ट हेल्थ के लिए फायदेमंद

आपकी जानकारी के लिए बता दें कि आड़ू में पाए जाने वाले तत्व आपकी हार्ट हेल्थ को मजबूत बनाए रखने में असरदार साबित हो सकते हैं। सही मात्रा में और सही तरीके से आड़ू को कंज्यूम कर आप दिल से जुड़ी गंभीर और जानलेवा बीमारियों के खतरे को कम कर सकते हैं। इसके अलावा अपनी वेट लॉस जर्नी को आसान बनाने के लिए भी इस फल को डाइट प्लान का हिस्सा बनाया जा सकता है। कुल मिलाकर पोषक तत्वों से भरपूर ये फल आपकी ओवरऑल हेल्थ के लिए फायदेमंद साबित हो सकता है। **(एजेंसी)।**

सुबह जल्दी उठने के हैं अनगिनत फायदे

सुबह जल्दी उठना मनुष्य को स्वस्थ, धनी और बुद्धिमान बनाता है। स्वस्थ रहने के लिए सुबह जल्दी उठने की आदत डालें। यह दिमाग, शरीर और आत्मा को तरोताजा करने के साथ इम्यून सिस्टम को भी मजबूत करता है। सूर्योदय से पहले उठने से शरीर और दिमाग फ्रेश रहता है और कब्ज व अपच की समस्या भी नहीं होती। सुबह जल्दी उठने से और भी अनेक फायदे हैं या फिर यह कहे कि अनगिनत फायदे हैं। सुबह उठने से हमारा शरीर स्वस्थ और फिट रहता है।

सूरज निकलने से पहले उठना बॉडी, माइंड और स्पिरिट के लिए बहुत फायदेमंद होता है। इस वक्त उठने से माइंड और बॉडी में ब्लड सर्कुलेशन पॉजिटिव रहता है। जबकि सूरज निकलने के बाद उठना नेगेटिव ब्लड सर्कुलेशन का कारण बनता है। सूर्योदय से पहले उठने से शरीर और दिमाग फ्रेश रहता है और कब्ज व अपच की समस्या भी नहीं होती। फिर पूरा दिन आपका मूड फ्रेश रहता है। इससे आपकी पावर व कपैसिटी बढ़ती है, याददाश्त तेज होती है और नजर भी कमजोर नहीं होती। अगर आप जल्दी उठेंगे तो सोएंगे भी जल्दी ही, जो सेहत के लिए और बेहतर है। **(एजेंसी)।**

पथरी पिघलाने में मददगार है नारियल पानी

किडनी में पथरी की समस्या लंबे समय तक परेशान कर सकती है। इतना ही नहीं ये समय के साथ गंभीर हो सकती है। दरअसल, किडनी का काम शरीर में खून को फिल्टर करना है और मूत्र के माध्यम से इन टॉक्सिन को बाहर निकालना है।

पर कभी-कभी पेशाब में सॉल्ट और अन्य खनिज बहुत ज्यादा हो जाते हैं और ठीक से फिल्टर नहीं हो पाते हैं। यही जब इक_ा होने लगते हैं तो,पथरी बनने लगते हैं। ऐसे में जरूरी है कि आप समय-समय पर इन टॉक्सिन को बाहर निकालें चाकि ये जमा होकर पथरी का रूप न लें और इसी काम में मददगार है नारियल पानी।

डायूरेटिक है नारियल पानी

नारियल पानी की खास बात ये है कि ये डायूरेटिक गुणों से भरपूर है। यानी कि ये किडनी के अंदर फिल्ट्रेशन के प्रोसेस को तेज करता है और फिर मूत्र के माध्यम से गंदगी को डिटॉक्स करता है। इसके अलावा ये पेशाब को खुलकर होने में मदद करता है और इसकी मात्रा बढ़ाता है जिससे किडनी फ्लश

ऑउट हो पाती है और सारे टॉक्सिन शरीर से बाहर निकल पाते हैं।

लैक्सेटिव गुणों से भरपूर

लैक्सेटिव गुणों का मतलब है कि जो किडनी में जमा क्लोरीन और साइट्रेट सॉल्ट से चिपक कर इसे शरीर से बाहर निकालने में मदद करे। यही काम नारियल पानी का खास गुण है और इसका सेवन क्रिएटिनिन लेवल को कम करता है और शरीर को अंदर से डिटॉक्सीफाई करने में मदद करता है।

पथरी पिघलाने में मददगार

किडनी में जमा पथरी को पिघलाने में नारियल पानी इसका अल्कलाइन गुण पथरी को तोडऩे लगता है और फिर इसे पिघलाकर बाहर निकालने में मदद करता है।

इसके अलावा इसमें विटामिन सी की प्रचुर मात्रा होती है क्रिएटिनिन स्तर को कम करके गुर्दे की पथरी को कम करने में मदद करता है। इसके अलावा, नारियल पानी, जिसमें कि पोटेशियम ज्यादा है, किडनी में ब्लड सर्कुलेशन को सही करता है, उसकी कार्यप्रणाली में सुधार करता है और पथरी बनने से रोकता है। साथ ही ये किडनी को स्वस्थ रखने में भी मददगार है। **(एजेंसी)।**

संस्थापक- संपादक
स्व. आर. एस. शुक्ला

e-paper
dainandini.in

दैनिक
दैनन्दिनी.

शुक्रवार 11 सितंबर 2026 ■ रायपुर और बिलासपुर से एक साथ प्रकाशित

योगेश वर्मा होंगे जनपद पंचायत बोड़ला के नए सीईओ

कवर्धा (दैनंदिनी ब्यूरो)। प्रशासनिक व्यवस्था के तहत आकाश सिंह सहायक परियोजना अधिकारी एवं प्रभारी मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत बोड़ला को आगामी आदेश तक जिला पंचायत कबीरधाम में कार्य करने हेतु आदेशित किया गया है। उनके स्थान पर योगेश वर्मा प्रभारी सहायक परियोजना अधिकारी जिला पंचायत कबीरधाम को अस्थाई रूप से मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत बोड़ला का समस्त प्रभार कलेक्टर कबीरधाम द्वारा सौपा गया है। इस संबंध में प्राप्त जानकारी अनुसार जनपद पंचायत बोड़ला क्षेत्र में कार्य के सुचारू संचालन हेतु प्रशासनिक व्यवस्था के तहत अधिकारियों के मध्य कार्य दायित्व हेतु नई जिम्मेदारियां सौपी गई है। इस संबंध में आदेश जारी करते हुए इसे तत्काल प्रभाव से लागू किया गया है।

नेशनल लोक अदालत 12 को

मुंगेली। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण मुंगेली के तत्वावधान में 12 सितंबर को नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा। लोक अदालत के माध्यम से विभिन्न प्रकार के प्रकरणों का आपसी सहमति एवं सुलह-समझौते के आधार पर त्वरित निराकरण किया जाएगा। नेशनल लोक अदालत को लेकर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा व्यापक स्तर पर तैयारियां शुरू कर दी गई है। लोक अदालत का उद्देश्य पक्षकारों को आपसी सहमति से विवादों का समाधान करने के लिए सरल एवं प्रभावी अवसर उपलब्ध कराना है, जिससे समय और संसाधनों की बचत के साथ प्रकरणों का शीघ्र निराकरण सुनिश्चित किया जा सके। लोक अदालत के माध्यम से ऐसे प्रकरणों में पक्षकारों के बीच संवाद एवं सहमति के आधार पर समाधान की दिशा में प्रयास किया जाएगा। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा नागरिकों एवं पक्षकारों से नेशनल लोक अदालत का अधिक से अधिक लाभ उठाने तथा आपसी सुलह-समझौते के माध्यम से विवादों के समाधान की दिशा में आगे आने समझाइश दी गई है।

पटाखा लायसेंस हेतु ऑनलाइन आवेदन 15 तक

कोरबा । दीपावली पर्व की दृष्टि से अस्थाई पटाखा लायसेंस बनवाने हेतु इच्छुक आवेदकों से 15 सितंबर तक आवेदन एलएसडीए माडुल (ऑनलाइन) के माध्यम से स्वीकार किये जायेंगे। प्राप्त जानकारी के अनुसार अस्थाई पटाखा लायसेंस बनवाने हेतु ऑनलाइन आवेदन पश्चात ऑनलाइन की पावती सहित आवेदक को आवेदन के साथ साईट मैप, जीएसटी पंजीयन प्रमाण पत्र और स्वयं का पासपोर्ट आकार का कलर फोटो दो नग एवं फोटो युक्त परिचय पत्र सहित दस्तावेज 03 प्रतियों में कलेक्टर कार्यालय कोरबा के लायसेंस शाखा में जमा कराना अनिवार्य है।

मुख्यमंत्री ने सभी कलेक्टर-एसपी को दिए स्पष्ट निर्देश

जोखिमपूर्ण भवनों की जांच में होगी लापरवाही, तो तय होगी जवाबदेही : साय

घटना होने का इंतजार नहीं, संभावित जोखिमों की पहचान कर समय रहते करें कार्रवाई

रायपुर ■ दैनन्दिनी

विद्यार्थियों और नागरिकों के जीवन की सुरक्षा शासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। प्रशासन की जिम्मेदारी केवल किसी घटना के बाद कार्रवाई करने तक सीमित नहीं है, बल्कि संभावित खतरों की पहले से पहचान कर उन्हें दूर करना भी हमारी जिम्मेदारी है।मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने आज राजधानी रायपुर स्थित मुख्यमंत्री निवास कार्यालय से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से प्रदेश के सभी संभागायुक्तों, पुलिस महानिरीक्षकों, कलेक्टरों, पुलिस अधीक्षकों तथा वरिष्ठ प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारियों की उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक को संबोधित करते हुए यह बात कही। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने सभी जिलों में हॉस्टल, पीजी, कोचिंग सेंटर, स्कूल तथा बड़े शैक्षणिक भवनों का तत्काल निरीक्षण एवं सेफ्टी ऑडिट कराने के निर्देश देते हुए कहा कि जहां भी सुरक्षा संबंधी कमियां सामने आएं, वहां समय-सीमा निर्धारित कर आवश्यक सुधार सुनिश्चित कराया जाए। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने कलेक्टरों और पुलिस अधीक्षकों से कहा कि वे अपने-अपने जिलों में स्वयं इसकी नियमित निगरानी करें और यह सुनिश्चित करें कि शासन के निर्देशों का प्रभावी क्रियान्वयन जमीनी स्तर पर दिखाई दे। मुख्यमंत्री श्री साय ने स्कूलों, पुस्तकालयों, छात्रावासों तथा अन्य सार्वजनिक स्थलों पर स्थित पुराने एवं जर्जर भवनों की वास्तविक स्थिति का आकलन करने के भी निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि ऐसे भवन, जिनकी स्थिति जोखिमपूर्ण है अथवा जिनसे किसी प्रकार की जनहानि की आशंका हो सकती है, उनकी पहचान कर तत्काल आवश्यक कार्रवाई की जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रशासनिक व्यवस्था ऐसी होनी चाहिए जिसमें संभावित जोखिमों की समय रहते पहचान हो और दुर्घटना की आशंका को पहले ही समाप्त कर दिया जाए। विशेष रूप से बच्चों और विद्यार्थियों से जुड़े संस्थानों में सुरक्षा मानकों के पालन को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए।

उन्होंने अधिकारियों से कहा कि जिलों में सुरक्षा से संबंधित निरीक्षण की प्रभावी व्यवस्था विकसित की जाए। केवल शिकायत अथवा दुर्घटना सामने आने के बाद कार्रवाई करने की प्रवृत्ति के स्थान पर सतत निगरानी और समय रहते सुधार की कार्यसंस्कृति विकसित करनी होगी।

मुख्यमंत्री श्री साय ने अधिकारियों को अवैध एवं मिलावटी शराब के निर्माण, बिक्री, भंडारण और परिवहन के विरुद्ध कठोर कार्रवाई करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने आबकारी विभाग, पुलिस और जिला प्रशासन को आपसी समन्वय के साथ विशेष अभियान चलाने के निर्देश दिए। जिन क्षेत्रों अथवा स्थानों पर अवैध शराब के निर्माण, भंडारण, बिक्री या मिलावट की आशंका हो, वहां संयुक्त टीमों के माध्यम से छापेमारी की जाए। उन्होंने पुलिस और आबकारी विभाग को सूचनाओं का नियमित आदान-प्रदान करते हुए संयुक्त रूप से कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अवैध शराब के निर्माण अथवा मिलावट में संलिप्त पाए जाने वाले व्यक्तियों के विरुद्ध कठोरतम वैधानिक कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि शासन द्वारा दिए गए निर्देशों के पालन में किसी भी स्तर पर लापरवाही अथवा उदासीनता सामने आने पर संबंधित अधिकारियों की जवाबदेही तय की जाएगी और उनके विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी। मुख्यमंत्री ने सभी कलेक्टरों और पुलिस अधीक्षकों को निर्देशित किया कि बैठक में दिए गए निर्देशों पर तत्काल अमल शुरू किया जाए तथा जिलों में की गई कार्रवाई की नियमित समीक्षा भी सुनिश्चित की जाए।

काम नहीं करने वाले 6 ठेकेदार ब्लैकलिस्टेड, दो के पंजीयन निरस्त

रायपुर ■ दैनन्दिनी

लोक निर्माण विभाग ने सड़कों और पुलों के निर्माण कार्यों में अत्यंत धीमी प्रगति और कार्य पूर्ण करने में रूचि नहीं लेने वाले 6 ठेकेदारों पर कड़ी कार्रवाई की है। विभाग द्वारा अनुबंध के अनुसार कार्य नहीं होने पर बार-बार नोटिस जारी करने, अनुबंध अवधि बढ़ाने, ठेकेदारों द्वारा स्वयं शपथ पत्र देने के बावजूद काम नहीं करने और काम पूर्ण करने में रूचि नहीं लेने वाले ठेकेदारों को ब्लैकलिस्ट कर उनके पंजीयन के नवीनीकरण पर रोक लगा दी है। इसके अलावा दो ठेकेदारों के पंजीयन भी निरस्त किए गए हैं।

राज्य शासन ने बस्तर की महत्वाकांक्षी सड़कों के निर्माण की धीमी गति और विलंब को देखते हुए व्यापक समीक्षा के बाद वहां निर्माणाधीन कार्यों को पूरा करने में रूचि नहीं दिखाने वाले ठेकेदारों को ब्लैकलिस्ट करने की कार्रवाई की है। ये ठेकेदार बार-बार नोटिस जारी करने तथा स्वयं शपथ पत्र देने के बावजूद काम नहीं कर रहे थे। इनके द्वारा निर्माणाधीन सड़कों और पुलों को पूर्ण करने में रूचि नहीं ली जा रही थे। राज्य शासन ने इन कार्रवाईयों को लेकर बिलासपुर उच्च न्यायालय में कैविएट भी दायर की है। लोक निर्माण विभाग के प्रमुख अभियंता कार्यालय ने सड़कों और पुलों के निर्माण में कोताही, लापरवाही और अनुबंधों के उल्लंघन पर ठेकेदार के. मोहन रेड्डी, मेसर्स शांति विजय कन्सट्रक्शन, मेसर्स ट्रांसाफ्ट इंफ्रा., मेसर्स राघवा कन्सट्रक्शन, मेसर्स बालाजी इन्फ्रास्ट्रक्चर और मेसर्स पंकज हालदार के पंजीयन अ-नवीनीकरण (Non-Renewal) के आदेश जारी किए हैं। विभाग ने सार्वजनिक आवागमन और जनसुविधा के कार्यों में हीला-हवाला को गंभीरता से लेते हुए ठेकेदार के. मोहन रेड्डी और मेसर्स ट्रांसाफ्ट इंफ्रा. के पंजीयन को भी निरस्त कर दिया है।

लोक निर्माण विभाग ने सुकमा जिले में चिंतलनार-मरियागुड़म मार्ग और कोंटा-गोलापल्ली मार्ग का काम कर रहे मेसर्स राघवा कंस्ट्रक्शन के पंजीयन को आगामी 5 वर्षों तक अ-नवीनीकरण की कार्रवाई की है। नारायणपुर जिले में नारायणपुर-सोनपुर-मरोड़ा का निर्माण कर रहे मेसर्स शांति विजय कन्सट्रक्शन के पंजीयन के नवीनीकरण पर भी आगामी 5 वर्षों तक रोक लगाई गई है। विभाग द्वारा चिंतलनार-मरियागुड़म मार्ग का काम कर रहे मेसर्स ट्रांसाफ्ट इंफ्रा. के पंजीयन को निरस्त करते हुए आदेश दिनांक से आगामी 5 वर्षों तक अनवीनीकरण के आदेश जारी किए गए हैं।

कलेक्टर ने डीसीएस गिरदावरी सर्वे का किया स्थल निरीक्षण

बिलासपुर (दैनंदिनी ब्यूरो)। कलेक्टर संजय अग्रवाल ने जिले में जारी डिजिटल क्रॉप सर्वे (डीसीएस) गिरदावरी कार्य का मैदानी निरीक्षण किया। उन्होंने ग्राम निपनिया एवं धौराभाटा, तहसील बिल्हा तथा ग्राम बोदरी, तहसील बोदरी में पहुंचकर प्राइवेट सर्वेयरों द्वारा किए जा रहे सर्वे कार्य की मौके पर स्थिति देखी। इस दौरान अपर कलेक्टर श्री शिव कुमार बनर्जी भी उपस्थित रहे। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर श्री अग्रवाल ने सर्वे कार्य की प्रगति, दर्ज की जा रही जानकारी तथा मौके पर किए जा रहे

भौतिक सत्यापन की प्रक्रिया की जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों और सर्वेयरों को निर्देशित किया कि डीसीएस गिरदावरी का कार्य निर्धारित समय-सीमा में शत-प्रतिशत पूर्ण करते हुए त्रुटिरहित सर्वे सुनिश्चित करें तथा सर्वे किए गए प्लॉटों का अप्रूवल भी समय पर पूरा करें। उन्होंने कहा कि सर्वे कार्य में गुणवत्ता और शुद्धता का विशेष ध्यान रखा जाए, ताकि किसानों एवं खातेदारों को भविष्य में किसी प्रकार की परेशानी न हो। इस दौरान अधीक्षक भू-अभिलेख, तहसीलदार, नायब तहसीलदार, हल्का पटवारी, प्राइवेट सर्वेयर, संबंधित खातेदार एवं ग्रामवासी मौके पर उपस्थित रहे।

जिले में डीसीएस गिरदावरी का कार्य 17 अगस्त से प्रारंभ किया गया है। जिले में कुल 5,85,228 प्लॉट का सर्वे किया जाना है, जिसमें से अब तक 3,72,882 प्लॉटों का सर्वे, यानी लगभग 64 प्रतिशत कार्य पूर्ण किया जा चुका है।

सेवा संकल्प अभियान को लेकर कलेक्टर ने जनप्रतिनिधियों के साथ की बैठक

बिलासपुर (दैनंदिनी ब्यूरो)। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन में सेवा के 25 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक माहभर चलने वाले सेवा संकल्प अभियान को लेकर कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल ने आज जनप्रतिनिधियों के साथ बैठक की। उन्होंने अभियान के उद्देश्यों, 12 प्रकार के सेवा प्रकल्पों तथा प्रस्तावित गतिविधियों की विस्तृत जानकारी दी और अभियान में जनप्रतिनिधियों से सक्रिय सहभागिता का आह्वान किया।

कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने सार्वजनिक जीवन में सेवा, समर्पण और जनकल्याण को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। उनके सार्वजनिक जीवन के 25 वर्ष पूर्ण होने का यह अवसर सेवा और समाज के प्रति दायित्व को और मजबूत करने का अवसर है। उन्होंने कहा कि सेवा संकल्प अभियान को व्यापक जनभागीदारी के साथ सफल बनाया जाए।

अभियान के दौरान प्रस्तावित सभी गतिविधियों को योजनाबद्ध तरीके से संचालित करते हुए अधिक से अधिक लोगों को इससे जोड़ा जाए।

मतदाता जागरूकता को लेकर ईएलसी 2.0 के तहत नोडल अधिकारियों का प्रशिक्षण

बिलासपुर (दैनंदिनी ब्यूरो)। जिले में मतदाताओं को मतदान के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से आज उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्री शिवकुमार बनर्जी की अध्यक्षता में ईएलसी 2.0 की कार्ययोजना के तहत जिला स्तरीय नोडल अधिकारियों एवं विधानसभा स्तरीय को-ऑर्डिनेटरों का एक दिवसीय प्रशिक्षण आयोजित किया गया। कार्यक्रम में पर्यवेक्षक श्री अंकित तिवारी एवं सहायक निर्वाचन पर्यवेक्षक श्री ब्रजेश पाण्डेय उपस्थित रहे। प्रशिक्षण में जिला स्तरीय मास्टर ट्रेनर्स श्री मिथिलेश मिश्रा, श्री

राजेश कुमार सोनी एवं श्री राजीव शर्मा ने विद्यालयों, महाविद्यालयों एवं विश्वविद्यालयों के नोडल अधिकारियों को प्रशिक्षण दिया। उन्हें ईसीआईनेट एप, मतदाता सूची में नाम दर्ज कराने, नाम विलोपन, संशोधन एवं स्थानांतरण की प्रक्रिया तथा भारत निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित अर्हता तिथियों की जानकारी दी गई।प्रशिक्षण के दौरान मतदाता सूची के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण (एसएसआर) एवं विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर), ईवीएम-वीवीपैट से मतदान, संविधान एवं लोकतांत्रिक मूल्यों, नैतिक एवं सूचित मतदान तथा निर्वाचन संबंधी गलत सूचनाओं एवं फर्जी खबरों से बचाव के संबंध में भी जानकारी दी गई। विद्यालय एवं महाविद्यालय स्तर पर क्विज, वर्ग पहेली एवं शब्द खोज जैसी गतिविधियों के माध्यम से विद्यार्थियों को मतदाता जागरूकता से जोड़ने तथा ईएलसी के प्रभावी संचालन के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए गए।

इंजीनियर डे की तैयारी तेज, निष्क्रिय पदाधिकारियों पर संगठन ने कसा शिकंजा

कवर्धा (दैनंदिनी ब्यूरो)। छत्तीसगढ़ जर्नलिस्ट यूनियन जिला कबीरधाम ने इंजीनियर डे कार्यक्रम को लेकर तैयारियां तेज कर दी हैं। कार्यक्रम की रूपरेखा तय करने के लिए आयोजित बैठक में संगठन की आगामी गतिविधियों से लेकर निष्क्रिय पदाधिकारियों और सदस्यों की भूमिका तक पर गंभीरता से चर्चा हुई। बैठक में प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष भुवन पटेल, प्रदेश सचिव विकास शुक्ला सहित ब्लॉक अध्यक्ष, पदाधिकारी और सदस्य मौजूद रहे।

बैठक में इंजीनियर डे कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए जिम्मेदारियां भी तय की गईं। संगठन ने पीडी मानिकपुरी को कार्यक्रम का संयोजक तथा रविन्द्र शुक्ला को कोषाध्यक्ष मनोनीत किया। दोनों को कार्यक्रम की तैयारियों और व्यवस्थाओं को लेकर आवश्यक समन्वय की जिम्मेदारी सौंपी गई है। संगठन ने स्पष्ट किया कि कार्यक्रम को केवल औपचारिक आयोजन तक सीमित नहीं रखा जाएगा, बल्कि जिले में बेहतर कार्य करने वाले इंजीनियरों को सम्मान देकर उनके योगदान को सामने लाया जाएगा।

पारंपरिक तिहारों के चलते बदली कार्यक्रम की तारीख

इंजीनियर डे 15 सितंबर को मनाया जाता है, लेकिन इस वर्ष छत्तीसगढ़ के पारंपरिक तिहार पोला, तीज और गणेश चतुर्थी को देखते हुए कार्यक्रम की तारीख आगे बढ़ाने का निर्णय लिया गया है। बैठक में 25 से 30 सितंबर के बीच कार्यक्रम आयोजित करने पर सहमति बनी। आयोजन की अंतिम तिथि, स्थान और अन्य व्यवस्थाओं को लेकर आगामी तैयारी के दौरान निर्णय लिया जाएगा।

उत्कृष्ट इंजीनियरों का होगा सम्मान

कार्यक्रम में कबीरधाम जिले में उल्लेखनीय और उत्कृष्ट कार्य करने वाले इंजीनियरों को सम्मानित किया जाएगा। चयन प्रक्रिया में उनके कार्य, योगदान और जिले के विकास में निभाई गई भूमिका को प्राथमिकता देने की बात कही गई। संगठन का उद्देश्य तकनीकी क्षेत्र में बेहतर काम करने वाले अधिकारियों और इंजीनियरों को सम्मानित कर उनके कार्यों को सार्वजनिक मंच देना है।

निष्क्रियता पर नोटिस, नए चेहरों को संगठन में मौका

बैठक में संगठन की आंतरिक सक्रियता को लेकर भी अहम निर्णय लिया गया। संगठन की गतिविधियों और निर्धारित कार्यक्रमों में लगातार सहयोग नहीं करने वाले कुछ निष्क्रिय सदस्यों एवं पदाधिकारियों को नोटिस जारी करने का निर्णय लिया गया। वहीं संगठन को मजबूत बनाने के लिए सक्रिय और जिम्मेदार पत्रकारों को नए सदस्य के रूप में जोड़ने की प्रक्रिया शुरू करने पर भी सहमति बनी।

पदाधिकारियों ने माना कि किसी भी संगठन की मजबूती उसके सदस्यों की सक्रिय भागीदारी से होती है। लिहाजा जिम्मेदारी से दूरी बनाने वालों पर संगठनात्मक स्तर पर कार्रवाई और सक्रिय पत्रकारों को जोड़ने की दिशा में कदम बढ़ाया जाएगा।

प्रदेशभर के पत्रकार होंगे शामिल

इंजीनियर डे कार्यक्रम को व्यापक स्वरूप देने की तैयारी है। आयोजन में प्रदेश अध्यक्ष ईश्वर दुबे सहित प्रदेशभर के पत्रकार साथियों के शामिल होने की संभावना है। बैठक में उपस्थित पदाधिकारियों ने कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए सभी सदस्यों को सक्रिय भूमिका निभाने और सौंपी गई जिम्मेदारियों का गंभीरता से निर्वहन करने पर जोर दिया। संगठन ने कार्यक्रम को जिले में पत्रकारों और इंजीनियरिंग क्षेत्र के बीच संवाद और सम्मान का प्रभावी मंच बनाने की तैयारी शुरू कर दी है।

नकली नोट मामले का फरार आरोपी दीपक गिरफ्तार

इससे पूर्व इस मामले में 3 आरोपियों की पहले ही गिरफ्तारी हो चुकी है

कवर्धा (दैनंदिनी ब्यूरो)। कबीरधाम पुलिस ने नकली नोट तैयार कर उन्हें असली मुद्रा के रूप में चलाने वाले गिरोह के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए आज एक और फरार आरोपी को गिरफ्तार किया है। इस प्रकरण में पूर्व में तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है। आज की गिरफ्तारी के बाद इस मामले में गिरफ्तार आरोपियों की संख्या चार हो गई है। पुलिस अधीक्षक कबीरधाम जितेन्द्र कुमार यादव (IPS) के निर्देशन में एवम अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक हेमसागर सिदार के मार्गदर्शन में चौकी पोड़ी पुलिस एवं साइबर टीम द्वारा लगातार कार्रवाई की जा रही है।

उधारी की रकम लौटाने के नाम पर दिए गए नकली नोट

मामला ग्राम कमराखोल निवासी दिनेश कुमार यादव की शिकायत से सामने आया। प्रार्थी ने बताया कि उसने अप्रैल 2026 में 3,75,000 रुपये घुरवा राम को उधार दिए थे।

रकम वापस मांगने पर 09 अक्तूबर को उसे ग्राम पोड़ी स्थित शराब भट्ठी के पास बुलाया गया। वहां सतीश कुमार एवं उसके साथी द्वारा काले रंग के बैग में रकम दी गई। बैग में रखे नोटों की जांच करने पर वे संदिग्ध पाए गए। जांच करने पर उसमें 500-500 रुपये के कुल 4,50,000 रुपये के नकली नोट मिले। प्रार्थी की रिपोर्ट पर चौकी पोड़ी में अपराध क्रमांक 101/2026 दर्ज कर पुलिस ने जांच शुरू की।

जांच में सामने आया नकली नोट बनाने का गिरोह

पुलिस की जांच एवं पूछताछ में सामने आया कि कुछ आरोपियों द्वारा जुलाई 2026 से नया बस स्टैंड के पास किराये के मकान में कलर प्रिंटर की सहायता से नकली नोट तैयार किए जा रहे थे। तैयार नकली नोटों को अलग-अलग स्थानों पर असली रकम के रूप में चलाने की योजना बनाई गई थी। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए पहले तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया तथा उनके कब्जे से नकली नोट, प्रिंटर, मोबाइल एवं घटना में प्रयुक्त वाहन बरामद किया। अब तक इस प्रकरण में कुल 12,50,000 रुपये के नकली नोट बरामद किए जा चुके हैं।

आज चौथे आरोपी की हुई गिरफ्तारी

प्रकरण की जांच के दौरान सामने आए तथ्यों एवं पूछताछ के आधार पर चौकी पोडी पुलिस ने आज दीपक सतनामी उर्फ दीपक घोसले, पिता मुक्तावन घोसले, उम्र 46 वर्ष, निवासी वार्ड क्रमांक 05 जेवड़न खुर्द, थाना कवर्धा, जिला कबीरधाम को गिरफ्तार किया है।

पूछताछ में आरोपी की भूमिका सामने आई कि वह नकली नोट तैयार करने वाले अन्य आरोपियों के साथ किराये के मकान में रहता था। तैयार किए गए नकली नोटों की कटिंग करने तथा उन्हें अलग-अलग बंडलों में रखने का काम भी उसके द्वारा किया जाता था।

:- संपादकीय :-

नीति में उचित बदलाव लाए

पेट्रोल में इथेनॉल की मात्रा बढ़ाने की नीति के गंभीर परिणाम सामने होने के बावजूद सरकार में इस नीति पर पुनर्विचार के संकेत नहीं हैं। जबकि उचित यह होगा कि वह इसे प्रतिष्ठा का प्रश्न ना बनाए।केंद्र के इस दावे पर यकीन करना कठिन है कि चीनी आयात के फैसले का पेट्रोल में इथेनॉल की मिलावट से कोई संबंध नहीं है। अभी हाल तक अच्छी फसल वाले साल में भारत 70 लाख टन तक चीनी का निर्यात करता था। अब दस लाख टन चीनी आयात करने की नौबत आई है। गणित सीधा है। खबरों के मुताबिक 28 फीसदी इथेनॉल का उत्पादन गन्ने से हो रहा है। अनुमान है कि जितना गन्ना इसमें लगा, उससे 30 लाख टन चीनी बन सकती थी। ऐसा होता, तो देश में मांग की तुलना लगभग 20 लाख टन अतिरिक्त चीनी उपलब्ध रहती।इसलिए इस धारणा में दम है कि वाहनों में ईंधन के रूप इथेनॉल के इस्तेमाल को बढ़ावा देने की गुमराह नीति विदेशी मुद्रा की किल्लत के दौर में चीनी जैसी सामान्य वस्तु के आयात के लिए जिम्मेदार है। लेकिन बात यहीं तक नहीं है। चावल जैसे आम अनाज का भी इथेनॉल उत्पादन में इस्तेमाल बढ़ रहा है। खबरों के मुताबिक बीते अप्रैल-जुलाई के बीच भारतीय खाद्य निगम ने इस मकसद से 23.42 लाख टन चावल बेचा। वित्त वर्ष 2025-26 में इससे दो गुना चावल इसके लिए बेचा गया था। इस रुझान में किस तेजी से वृद्धि हुई है, इसे जानने के लिए इस पर गौर करना पर्याप्त होगा कि 2023-24 तक महज 8.96 लाख टन चावल का इथेनॉल उत्पादन में इस्तेमाल हुआ था। इस उद्देश्य के लिए मक्के का उपयोग भी बढ़ा है।संभवतः ऐसी ही सूचनाओं से चिंतित होकार कुछ रोज पहले नरेंद्र सरकार के मुख्य आर्थिक सलाहकार वी. अनंत नागश्वेरन ने एक अखबार में लेख लिख कर अपनी चिंता जताई थी। उन्होंने इथेनॉल उत्पादन में बड़े पैमाने पर पानी के इस्तेमाल को लेकर भी आगाह किया था। तब तक चीनी आयात का फैसला सामने नहीं आया था। अब चूंकि इथेनॉल का यह परिणाम सामने है, तो बाकी चिंताएं भी अधिक गंभीर हो गई हैं। मगर सरकार के अंदर पेट्रोल में इथेनॉल की मात्रा बढ़ाने की नीति पर पुनर्विचार के संकेत नहीं हैं। जबकि उचित यह होगा कि बिना प्रतिष्ठा का प्रश्न बनाए वह तुरंत इस नीति में उचित बदलाव लाए।

राशिफल

मेष राशि : आज आपका दिन बेहतरीन रहने वाला है, आज आप जो भी काम शुरू करेंगे उसमें आपको सफलता जरूर मिलेगी। जो लोग सरकारी नौकरी से जुड़े हैं उनके लिए आज का दिन उत्तम रहने वाला है। लंबे समय से प्रमोशन में आ रही रुकावट आज दूर होगी। जिनकी जॉब अभी नई-नई शुरू हुई है उनको ऑफिस में कलीग का सहयोग मिलेगा।

वृष राशि : आज आपका दिन बढि?ा रहने वाला है। आज परिवार के लोगों से आपको भरपूर सहयोग प्राप्त होगा, खासकर आपके प्रति बड़ों का प्यार बना रहेगा। साथ ही बच्चे भी आपसे खुश रहेंगे। आज आप किसी नये बिजनेस को शुरू करने का विचार कर सकते हैं। आज किसी भी कार्य में सफलता आपके हाथ जरूर लगेगी।

मिथुन राशि : आज आपका दिन सामान्य रहने वाला है। आज आपकी मेहनत के मुताबिक ही आपको फल मिलेगा, इसलिए मेहनत जारी रखे। प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे छात्रों के लिए दोगुनी मेहनत करने का दिन है। एक निर्धारित टाइम टेबल बनाकर पढ़ाई करेंगे तो आपकी सफलता के चांस बढ़ जायेंगे। जिन लोगों की जल्द ही शादी हुई है, वे आज एक दूसरे को अच्छे से समझेंगे।

कर्क राशि : आज का दिन आपके लिए फायदेमंद रहने वाला है। आज आपको आय के नए-नए स्त्रोत मिलेंगे, जिससे आपको अच्छी इनकम होगी। आज ऑफिस में किसी सीनियर का सहयोग मिलने से काम में आसानी होगी। आज आपके दांपत्य जीवन में मधुरता आयेगी।

सिंह राशि : आज का दिन मिली-जुली प्रतिक्रिया देने वाला रहेगा। कोई भी बड़ा काम शुरू करने से पहले उस क्षेत्र से जुड़े लोगों की राय जरूर ले लें। आज आपके व्यापार की गति अच्छी बनी रहेगी। आज आपको आपको अपने स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहने की जरूरत है, बदलते मौसम का असर हो सकता है।

कन्या राशि :आज का दिन आपके लिए खुशियों से भरा रहेगा। आज आप कोई ऐसी चीज हासिल कर पायेंगे, जिसकी आपको बहुत कम उम्मीद थी। आज आपके मन में नए-नए क्रिएटिव आइडियाज आयेंगे, जिनका आप बखूबी इस्तेमाल भी करेंगे। ऑफिस में हर कोई आपके काम से खुश रहेगा।

तुला राशि : आज आपका दिन पहले से बेहतर रहेगा। आज किसी पर भी तुरंत भरोसा ना करें, ये आपके लिये थोड़ा परेशानी भरा हो सकता है। बिजनेस में लेन-देन का ख्याल रखें, कोई भी बड़ी डील करने से पहले सब कुछ अच्छे से जांच परख कर लें। जो महिलाएं गृह उद्योग शुरू करना चाहती हैं, उनको परिवार से पूरा सहयोग मिलेगा। आज माता के स्वास्थ्य के प्रति आपको थोड़ा सतर्क रहना चाहिए।

वृश्चिक राशिः आज आपका दिन बेहतर रहेगा। आज आपके घर पर कोई रिश्तेदार आ सकते है, घर में अच्छा माहौल बना रहेगा। अगर मन में कोई बात आपको परेशान कर रही है, तो अपने दोस्तों से इस बारे में बात करें आपको अच्छा समाधान मिल सकता है।

धनु राशि : आज आपका दिन अच्छा रहने वाला है। आज आपकी धार्मिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। आज आप किसी विशेष काम का हिस्सा बन सकते हैं। कई दिनों से रुका हुआ पैसा आज आपको वापस मिल सकता है। जो लोग स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़े हैं, उनके लिए आज का दिन उत्तम रहेगा।

मकर राशि : आज का दिन आपके लिए बढि?ा रहने वाला है। आज आपके अंदर कॉन्फिडेंस बना रहेगा। आज कारोबार से जुड़े कुछ जरूरी काम पूरे होंगे, आप नए काम पर पूरा फोकस करेंगे। आज आप बच्चों से कोई नई बात सीख सकते हैं। साथ ही जीवनसाथी की अपेक्षाओं पर खरा उतरेंगे। हर जगह से आपको काम के लिये ऑफर मिलते दिखायी देंगे।

कुंभ राशि : आज आपका दिन लाभदायक रहने वाला है। लंबे समय से चल रही कोई योजना आज पूरी हो जायेगी। आज आपका दिन पहले से ज्यादा बेहतर रहने वाला है। कोई नया काम शुरू करने के बारे में भी सोच सकते हैं, दिन आपके लिये अच्छा है। जो लोग कला या संगीत के क्षेत्र से जुड़े हैं, उनके लिये आज का दिन उत्तम रहने वाला है।

मीन राशि : आज आपका दिन बढि?ा रहने वाला है। आज आप अपने विवेक का इस्तेमाल करके रुके हुए कार्यों को पूरा करने में सफल होंगे। पिता का सहयोग मिलने से काम समय से पूरा हो जायेगा। आपका कोई विरोधी आपको परेशान करने की प्लानिंग बना सकता है। आपको आस-पास की चीजों पर ध्यान रखना चाहिए। इस राशि के प्रोफेशर्स के लिए आज का दिन अच्छा रहेगा।

सू- दोकू क्र.155

		3					7	
9				6		3		8
	7		9		5		6	
						1		9
3		8		7			5	
	1		3		9			7
		2		8		7		
	8				2		4	3
			1					

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक र सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.154 का हल

5	2	4	9	6	7	8	1	3
3	6	7	4	1	8	2	9	5
8	1	9	3	2	5	4	6	7
6	3	5	1	9	4	7	2	8
7	9	8	5	3	2	6	4	1
2	4	1	7	8	6	5	3	9
4	5	3	6	7	9	1	8	2
9	8	6	2	5	1	3	7	4
1	7	2	8	4	3	9	5	6

एआई युग में नौकरी मिलने-खोने के यक्ष प्रश्न

हरिशंकर व्यास

यहां एआई को अकेला दोषी मानना भी उचित नहीं होगा। वैश्विक मांग, आईटी उद्योग का पुनर्गठन, लागत नियंत्रण और ऑटोमेशन जैसे कई कारक इस बदलाव के पीछे हैं। लेकिन एआई ने इस परिवर्तन की गति निश्चित रूप से बढ़ा दी है।लेकिन अगर एआई नई नौकरियां बना रहा है तो वे नौकरियां किसके लिए हैं? एआई मॉडल विकसित करने वाले इंजीनियर, डेटा विशेषज्ञ, मशीन लर्निंग विशेषज्ञ, एआई ट्रेनर, डेटा एनोटेटर, भाषा विशेषज्ञ, साइबर सुरक्षा विशेषज्ञ और एआई सिस्टम को व्यवसाय से जोड़ने वाले पेशेवरों की मांग बढ़ रही है। नोमुरा के एशियाई अध्ययन में एआई से संबंधित नई नौकरियों का 90 प्रतिशत से अधिक हिस्सा टेक्नोलॉजी क्षेत्र में केंद्रित था। इसका अर्थ यह है कि भारत के सामने अब केवल ह्यकितनी नौकरियां? का सवाल नहीं है। महत्वपूर्ण प्रश्न है–किस कौशल वाली कितनी नौकरियां?आने वाले वर्षों में एआई का असली मुकाबला उन कर्मचारियों के बीच होगा जो एआई का इस्तेमाल करना जानते हैं और उन कर्मचारियों के बीच जो इसे केवल अपने रोजगार के लिए खतरा मानते हैं। एक अकाउंटेंट जो एआई आधारित विश्लेषण, ऑटोमेशन और डेटा टूल का उपयोग कर सकता है, उसकी उपयोगिता उस अकाउंटेंट से अधिक हो सकती है

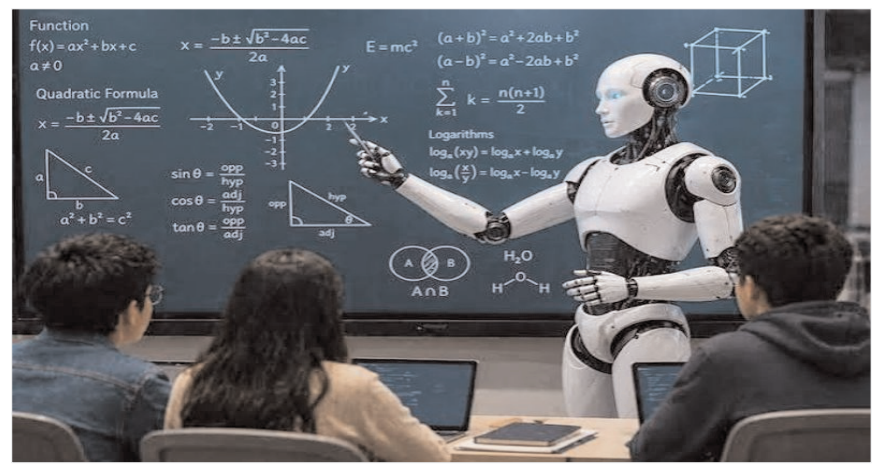

वैश्विक वित्तीय संस्था नोमुरा की रिपोर्ट के अनुसार, 2022 से अगस्त, 2026 के बीच भारत में एआई से संबंधित करीब 83,100 नौकरियां पैदा हुईं, जबकि एआई से जुड़ी 31,921 नौकरियां प्रभावित हुईं। मगर यह निष्कर्ष निकालना खतरनाक होगा कि एआई सिर्फ रोजगार बढ़ा रहा है।एआई को लेकर में सबसे बड़ा डर यही रहा है कि मशीनें इंसानों की नौकरियां छीन लेंगी। चैटबॉट से लेकर जनरेटिव एआई तक, तकनीक जिस तेजी से विकसित हुई है, उसने इस आशंका को और गहरा किया है।वैश्विक वित्तीय संस्था नोमुरा की हालिया रिपोर्ट के अनुसार, 2022 से अगस्त, 2026 के बीच भारत में एआई से संबंधित करीब 83,100 नौकरियां पैदा हुईं, जबकि एआई से जुड़ी 31,921 नौकरियां छंटनी या कर्मचारियों की कमी के रूप में प्रभावित हुईं। अर्थात, हर एक प्रभावित नौकरी के मुकाबले लगभग 2.6 नई एआई-संबंधित नौकरियां बनीं। मगर यह निष्कर्ष निकालना खतरनाक होगा कि एआई रोजगार की समस्या समाप्त कर रहा है। एआई नई नौकरियां जरूर बना रहा है, लेकिन जरूरी नहीं कि जिन लोगों की पुरानी नौकरियां जा रही हैं, वही लोग नई नौकरियों में प्रवेश कर पा रहे हों। यही भारत के सामने उभरती सबसे बड़ी रोजगार चुनौती है। नोमुरा के अनुसार, भारत में एआई अपनाने से एक ह्यदो-स्तरीय रोजगार बाजारह्ल उभर रहा है। एक तरफ अनुभवी कर्मचारियों की मांग बनी हुई है, वहीं दूसरी तरफ फ्रेशर्स के लिए अवसर अपेक्षाकृत कम हो रहे हैं। भारतीय आईटी क्षेत्र की 651 कंपनियों पर किए गए आईसीआरआईईआर के सर्वेक्षण में 55 प्रतिशत कंपनियों ने बताया कि उनकी एंट्री-लेवल भर्ती में कमी आई है। इसके मुकाबले मिड-लेवल भर्ती में कमी बताने वाली कंपनियों का अनुपात 25 प्रतिशत और वरिष्ठ स्तर पर केवल 14 प्रतिशत था।भारत की आर्थिक ताकत का एक बड़ा आधार हर वर्ष कॉलेजों और विश्वविद्यालयों से निकलने वाली विशाल युवा आबादी है। यदि कंपनियां पहले की तरह बड़ी संख्या में फ्रेशर्स को नियुक्त नहीं करतीं तो समस्या केवल बेरोजगारी की नहीं होगी, बल्कि करिअर की पहली सीढ़ी के कमजोर पड़ने की होगी। दरअसल, पारंपरिक कॉर्पोरेट व्यवस्था में एक युवा कर्मचारी सामान्य काम से शुरूआत करता था। वह डेटा तैयार करता था, रिपोर्ट बनाता था, बेसिक कोड लिखता था, गुणवत्ता जांच करता था, ग्राहक सेवा संभालता था और धीरे-धीरे अनुभव हासिल करके जिम्मेदार पदों तक पहुंचता था। एआई इन शुरूआती कार्यों का एक बड़ा हिस्सा तेजी से करने लगा है।

नोमुरा ने स्टाफिंग फर्म स्फेनो के आंकड़ों का हवाला देते हुए बताया कि भारतीय आईटी कंपनियों की नेट हायरिंग वित्त वर्ष 2021-22 में लगभग छह लाख थी, जो वित्त वर्ष 2025-26 में घटकर करीब 1.40 लाख रह गई। कंपनियां बड़े पैमाने पर कैंपस भर्ती करने के बजाय कम, लेकिन कुशल कर्मियों को प्राथमिकता दे रही हैं।यहां एआई को अकेला दोषी मानना भी उचित नहीं होगा। वैश्विक मांग, आईटी उद्योग का पुनर्गठन, लागत नियंत्रण और ऑटोमेशन जैसे कई कारक इस बदलाव के पीछे हैं। लेकिन एआई ने इस परिवर्तन की गति निश्चित रूप से बढ़ा दी है।लेकिन अगर एआई नई नौकरियां बना रहा है तो वे नौकरियां किसके लिए हैं? एआई मॉडल विकसित करने वाले इंजीनियर, डेटा विशेषज्ञ, मशीन लर्निंग विशेषज्ञ, एआई ट्रेनर, डेटा एनोटेटर, भाषा विशेषज्ञ, साइबर सुरक्षा विशेषज्ञ और एआई सिस्टम को व्यवसाय से जोड़ने वाले पेशेवरों की मांग बढ़ रही है। नोमुरा के एशियाई अध्ययन में एआई से संबंधित नई नौकरियों का 90 प्रतिशत से अधिक हिस्सा टेक्नोलॉजी क्षेत्र में केंद्रित था। इसका अर्थ यह है कि भारत के सामने अब केवल ह्यकितनी नौकरियां? का सवाल नहीं है। महत्वपूर्ण प्रश्न है–किस कौशल वाली कितनी नौकरियां?आने वाले वर्षों में एआई का असली मुकाबला उन कर्मचारियों के बीच होगा जो एआई का इस्तेमाल करना जानते हैं और उन कर्मचारियों के बीच जो इसे केवल अपने रोजगार के लिए खतरा मानते हैं। एक अकाउंटेंट जो एआई आधारित विश्लेषण, ऑटोमेशन और डेटा टूल का उपयोग कर सकता है, उसकी उपयोगिता उस अकाउंटेंट से अधिक हो सकती है

जो केवल पारंपरिक तरीके से काम करता है। इसी तरह एक पत्रकार जो शोध, डेटा विश्लेषण और प्रारंभिक ड्राफ्टिंग के लिए एआई का प्रभावी इस्तेमाल कर सकता है, वह तकनीक से प्रतिस्थापित होने के बजाय तकनीक की उत्पादकता बढ़ाने वाला पेशेवर बन सकता है। इसलिए भारत को ह्यएआई के साथ रोजगारह्ल की रणनीति बनानी होगी।निस्संदेह, एआई युग में रोजगार का स्वरूप बदलने जा रहा है। संभव है कि भविष्य में एक कर्मचारी वही काम करे जो आज तीन लोग करते हैं, लेकिन साथ ही ऐसे नए काम भी पैदा हों जिनकी आज कल्पना तक नहीं की गई है। आज देश के पास विशाल युवा आबादी, मजबूत आईटी उद्योग, अंग्रेजी सहित अनेक भाषाओं की क्षमता और दुनिया के लिए डिजिटल सेवाएं देने का अनुभव है। यदि इन ताकतों को एआई कौशल के साथ जोड़ा जाए तो भारत एआई-आधारित रोजगार का वैश्विक केंद्र बन सकता है।

लेखक टीएसएससी, परियोजना प्रबंधक हैं।

नजरिया | डॉ. सौरभ गर्ग

विकास के आंकड़ों की जांच-परख

अभिषेक आनंद, जोश फेल्मन और अरविंद सुब्रमण्यन ने यह पूछा है कि जिस तिमाही में ऊर्जा के क्षेत्र में जोरदार झटके लगे हों, उसमें भारत की विकास दर आखिर 7.8 प्रतिशत कैसे हो सकती है। बेशक, यह एक उचित सवाल है। इसका एक जवाब भी है और वह जवाब पिछले कुछ वर्षों से सबके सामने ही है। समय से ही शुरूआत करते हैं। इस तिमाही की अवधि अप्रैल से जून 2026 तक थी। इससे ठीक पहले ईरान और संयुक्त राज्य अमेरिका एवं इजराइल के बीच का संघर्ष चरम पर पहुंच गया था। तेल की कीमतों में जोरदार उछाल आया और भारत ने इसका असर महसूस किया। हालांकि मार्च और अप्रैल के शुरूआती दिनों में इस जबरदस्त व्यवधान में कमी आई। मई आते-आते दबाव के बदल छंट गए। जून तक, मुश्किल दौर बीत चुका था। तीन महीने वाली तिमाही की शुरूआत के कुछ मुश्किल हफ्ते उस तिमाही के आंकड़ों को मनगढ़ंत नहीं बना देते।

उन महीनों के सबूत एक ही दिशा की ओर इशारा करते हैं। ऑटोमोबाइल की बिक्री में निरंतर बढ़ोतरी हुई। एक प्रतिस्पर्धी मुद्रा की मदद से बैंक ऋण और निर्यात में बढ़ोतरी हुई। जीएसटी की दरों में कटौती के बावजूद, इसका संग्रह मजबूत बना रहा और हाल ही समाप्त हुए वित्तीय वर्ष में इसमें 8.3 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई। 2025-26 तक के तीन वर्षों में, जीएसटी के सकल संग्रह में 32 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जबकि 'नॉमिनल जीडीपीइ में 31.9 प्रतिशत की वृद्धि हुई। ये दोनों आंकड़े बिल्कुल अलग-अलग क्षेत्रों से आए हैं और दोनों ही लगभग एक-दूसरे से मेल खाते हैं। जीएसटी रिटर्न कंपनियां दाखिल करती हैं। ऋण संबंधी आंकड़े बैंकों से आते हैं। व्यापार के आंकड़े बंदरगाहों से आते हैं। इनमें से कोई भी आंकड़ा सांख्यिकी मंत्रालय द्वारा तैयार नहीं किया जाता है।अर्थव्यवस्था आखिर टिकी क्यों रही? क्योंकि कई सुधारों को एक साथ अपनाया गया। वर्ष 2022-23 के बाद से केन्द्र सरकार का पूंजीगत व्यय 65 प्रतिशत बढ़ा है और इस वर्ष इसमें 11.5 प्रतिशत और बढ़ोतरी का बजट रखा गया है। एक दशक में बनाई गई सड़कें, बंदरगाहें और बिजली संयंत्र तेल के महंगे होने पर ठप्प नहीं पड़े। डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचे ने अनौपचारिक गतिविधियों के एक बड़े हिस्से को औपचारिक बनाया और उन्हें मापी जा सकने वाली अर्थव्यवस्था में शामिल किया है। दिवाला संहिता ने डूबे हुए कर्ज (बैड डेट) से निपटने के बैंकों और कंपनियों के तौर-तरीकों को बदल दिया। रियल एस्टेट कानून ने उस सेक्टर को साफ-सुथरा बनाया, जो कभी अटकी हुई परियोजनाओं और पैसे के अपारदर्शी लेन-देन के लिए जाना जाता था। 'द इकोनॉमिस्टइ ने 2023 में उस सफाई अभियान का उल्लेख किया था। उसने नई दिल्ली पर कोई मेहरबानी नहीं की थी।इसके बाद, तेल की कीमतों में अचानक आए उछाल से निपटने के लिए सरकार ने जो कुछ किया, वह भी सामने है। उसने कीमतों में हुई बढ़ोतरी का बोझ आम परिवारों और कंपनियों पर नहीं डाला। उसने इसकी लागत खुद वहन की। राजकोषीय गुंजाइश (फिस्कल स्पेस) का उद्देश्य ही यही है और भारत ने इसे तैयार किया है। इसका सबूत 2 सितंबर को मिला। जापान की क्रेडिट रेटिंग एजेंसी ने भारत की रेटिंग को बीबीबी+ से बढ़ाकर ए- कर दिया और इसके साथ ही स्थिर संभावना भी जताई। इसके अलावा, देश की रेटिंग सीमा (कंट्री सीलिंग) को भी ए कर दिया। भारत को तीन दशकों से अधिक समय से 'एइ रेटिंग नहीं मिली है। एजेंसी ने डिजिटल सार्वजनिक ढांचे, जीएसटी, दिवाला संहिता और सकल गैर-निष्पादित ऋण अनुपात (ग्रॉस नॉन-परफॉर्मिंग लोन रेश्यो) के 1.8 प्रतिशत तक कम होने का उल्लेख किया। उसने यह भी कहा कि केन्द्र सरकार ने उच्च पूंजीगत व्यय को जारी रखते हुए भी अपने राजकोषीय घाटे को वित्तीय वर्ष 2025 में जीडीपी के 4.7 प्रतिशत से घटाकर वित्तीय 2026 में 4.4 प्रतिशत कर लिया।

विचार

कभी न खत्म होने वाले युद्धों के निहितार्थ

किर्गिस्तान की राजधानी बिश्केक में हाल ही में संपन्न हुआ शंघाई सहयोग संगठन (एस.सी.ओ.) शिखर सम्मेलन बहुत ही दिलचस्प किरदारों को एक साथ लेकर आया। औपचारिक बिश्केक घोषणापत्र और इसके द्वारा अपनाए गए 27 अन्य दस्तावेजों में शामिल घिसे-पिटे बयानों और उपदेशों से परे, इसने किरदारों के एक दिलचस्प समूह को इकट्ठा किया, जिनमें से कुछ भौतिक और तकनीकी युद्धों के माध्यम से चीजों की एक नई व्यवस्था बनाने में बहुत सक्रिय रूप से लगे हुए हैं। सामूहिक रूप से, इन प्रवृत्तियों का 21वीं सदी के शेष 74 वर्षों पर गहरा प्रभाव पड़ेगा। सबसे पहले और सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि रूस और उसके राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने पिछले 7 वर्षों में यूक्रेन के लुहान्स्क, डोनेट्स्क के तीन-चौथाई हिस्से और क्रीमिया क्षेत्रों पर कब्जा करने के बाद, फरवरी 2022 में संप्रभु यूक्रेनी क्षेत्र में एक अनावश्यक आक्रमण शुरू किया। रूस आज यूक्रेनी क्षेत्र के लगभग 20 प्रतिशत हिस्से पर कब्जा किए हुए है, जो कि 1,26,000 वर्ग किलोमीटर के भूमि क्षेत्र के बराबर है।हालांकि, असममित युद्ध के तत्वों पर यूक्रेनी महारत ने आक्रमण के पहले वर्ष में शुरूआती बढ़त के बाद रूसी अग्रिम को प्रभावी ढंग से रोक दिया है। सीमारेखा केवल कुछ मीटर के क्षेत्र के आदान-प्रदान से आगे नहीं बढ़ी है, जिसमें रूसी और यूक्रेनी दोनों एक ऐसे थकाऊ युद्ध में फंस गए हैं, जो प्रथम विश्व युद्ध के खूनी खाई युद्ध की याद दिलाता है। इस यूक्रेनी दुस्साहस में हताहतों की दर रूस के लिए एक गंभीर वास्तविकता है।1 जुलाई, 2026 को जारी सैंटर ऑफ स्ट्रैटेजिक एंड इंटरनैशनल स्टडीज के एक अनुमान के अनुसार, रूस की युद्धक्षेत्र की लागत लगातार बढ़ रही है।

अब बैग नहीं, लाइफ जैकेट लेकर चला कीजिए

बारिश कहती है, मेरा काम तो एक घंटे का था। पानी कहता है, मैंने नौकरी छोड़ दी है, अब यहीं रहूंगा। शहर की सड़कें पूछती हैं, ह्यहम सड़क हैं या स्विमिंग पूल? नाले कहते हैं, हमें नाला मत समझिए। हम आधुनिक शहरी जल-संग्रहण केंद्र हैं।देश तरक्की कर रहा है। इतनी तेजी से कर रहा है कि अब विकास को पकड़ने के लिए सड़क पर चलना जरूरी नहीं है। सड़क खुद पानी में चली गई है।एक घंटे बारिश होती है। फिर पानी पांच दिन तक रहता है।एक घंटे की बारिश के बाद पांच दिन तक जलभराव हो जाए तो आदमी को मौसम विभाग से नहीं, अपनी किस्मत से डर लगने लगता है। बच्चा स्कूल जाने के लिए बैग नहीं, लाइफ जैकेट मांगता है। ऑफिस जाने वाला आदमी गूगल मैप पर रास्ता नहीं देखता। वह देखता है कि कहां पानी कम है।

उधर पाकिस्तान का क्रिकेट भी अपने किस्म के जलभराव में फंसा हुआ है। वहां मैच शुरू होता है तो उम्मीदें सूखी सड़क की तरह दिखाई देती हैं। फिर कुछ ओवर बाद विकेट गिरते हैं और उम्मीदों में पानी भर जाता है।

कप्तान बदलो।कोच बदलो।

चयनकर्ता बदलो।रणनीति बदलो।

कभी-कभी तो लगता है कि पाकिस्तान क्रिकेट में सबसे स्थायी चीज अगर कोई है, तो वह है अस्थिरता।

फैन पूछता है, इस बार टीम जीतेगी?

जवाब मिलता है, क्रिकेट अनिश्चितताओं का खेल है।

यह वाक्य अब क्रिकेट का नियम कम और पाकिस्तान क्रिकेट का डिस्क्लेमर ज्यादा लगता है।भारत के खिलाफ मैच हो तो मामला और दिलचस्प हो जाता है।टीम मैदान पर होती है, लेकिन तनाव टीवी स्क्रीन के बाहर बैठे लोगों में ज्यादा होता है।एक तरफ भारत रन बना रहा होता है। दूसरी तरफ पाकिस्तान में लोग एआई से पूछ रहे होते हैं–अगर इतने रन चाहिए, इतने विकेट गिर चुके हैं, और इतने ओवर बचे हैं... तो क्या अब भी चमत्कार संभव है?

शब्द सामर्थ्य -155

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. आय व्यय का लेखा-जोखा, गणित, एकाउंट 3. विनती, अदब 6. दृष्टांत, सुपुर्दगी, उदाहरण 7. मूल्यवान, बहुमूल्य 8. अच्छे ढंग में गाया जाने वाला सुंदर गीत 10. बराबर, सम 12. मुख, चेहरा 14. अनुकृति, अनुकरण, असल का विलोम 17. दिमाग, मस्तिष्क 18. मनोहर, सुंदर, इच्छित, प्यारा 19. गर्मी, ताप 21. रसिया, प्रेमी, रसपान करने वाला 23. दबाव, भार 24. भीख 25. काम से जी चुराने वाला, आलसी।

ऊपर से नीचे

1. साहस, वीरता, बहादुरी 2. बहिन, प्रवाहित होना 3. प्रणय क्रीडा, सुखोपभोग, हावभाव 4. विश्वास, प्रतीति 5. इंतजार 9. खाने-पीने का सामान, रसद 11. नशीला, मदभरा 12. घायल, जख्मी 13. झुकना, प्रणाम, नमस्कार 14. दृष्टि, निगाह 15. तीव्रइच्छा 16. अर्थ, अभिप्राय, स्वार्थ 20. इम्तिहान, योग्यता आदि को परखना 22. जुल्म, अन्याय 23. पत्नी, बीवी, एक प्रत्यय।

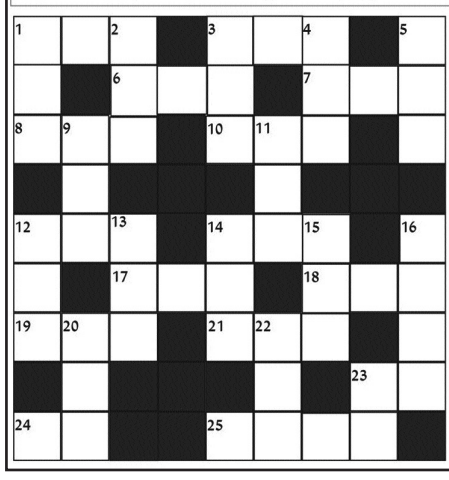

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 154 का हल

दा	ढ़ी		की		खा	सो	आ	म
वा		त	म	न्ना			जा	
न	जा	क	त		बा	अ	द	ब
ल		ली		वि	ला	प		हा
	अ	फ	सा	ना		मा	हि	र
दा	ब			श	गु	न		
न		उ	प	का	र		शि	
व		त्स		र		त	क	ला
	सा	व	न		गु	रु	वा	र

वन एवं पुलिस विभाग की तत्परता से तेंदुए का हुआ सफल रेस्क्यू

ग्राम सिंघनपुरी के ग्रामीणों ने ली राहत की सांस

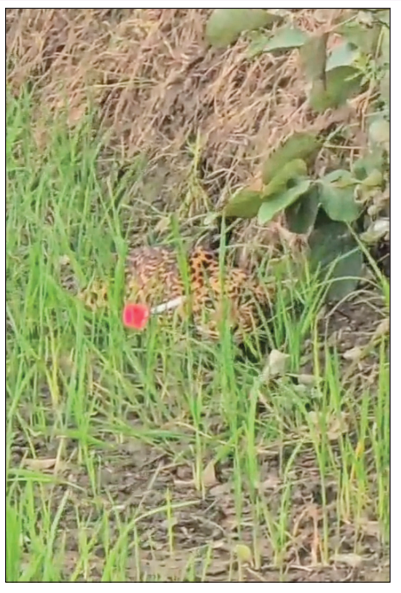

कवर्धा (दैनंदिनी ब्यूरो)। बार बार अपनी जगह बदल कर विभाग को छकाने वाला तेंदुवा को आखिकार वन मंडल कवर्धा के अंतर्गत ग्राम सिंघनपुरी में गुरुवार प्रातः खेतों के बीच स्थित मार्ग के समीप तेंदुआ दिखाई देने की सूचना मिलते ही वन मंडला अधिकारी निखिल अग्रवाल के मार्गदर्शन में वन विभाग ने त्वरित कार्रवाई करते हुए पुलिस विभाग के सहयोग से सफल एवं सुरक्षित रेस्क्यू अभियान संचालित किया।

वन मंडल अधिकारी निखिल अग्रवाल के मार्गदर्शन में उप वन मंडल अधिकारी कवर्धा, परिक्षेत्र अधिकारी कवर्धा एवं भोरमदेव अभयारण्य, थाना प्रभारी कवर्धा एवं राजनवागांव तथा वन एवं पुलिस विभाग की संयुक्त टीम तत्काल घटनास्थल पर पहुँची। टीम ने सबसे पहले ग्रामीणों को आवश्यक समझाइश देकर भीड़ को नियंत्रित किया और क्षेत्र की घेराबंदी कर मानव एवं वन्यप्राणी दोनों की सुरक्षा सुनिश्चित की।

तेंदुए के सुरक्षित रेस्क्यू के लिए रायपुर से विशेषज्ञों एवं वन्यप्राणी चिकित्सकों की टीम को बुलाया गया। विशेषज्ञ दल के घटनास्थल पहुँचने के बाद परिस्थितियों का सावधानीपूर्वक आकलन किया गया और दोपहर 1:42 बजे ट्रैंक्विलाइजर डार्ट की सहायता से तेंदुए का सफलतापूर्वक रेस्क्यू किया गया।

प्रारंभिक परीक्षण में तेंदुए की आयु लगभग 8 वर्ष आंकी गई है। वन्यप्राणी चिकित्सकों द्वारा उसका स्वास्थ्य परीक्षण एवं आवश्यक उपचार किया गया। इसके बाद उसे आगामी उपचार एवं निगरानी के लिए भोरमदेव वन्यजीव अभयारण्य ले जाया गया है। पूर्णतः स्वस्थ पाए जाने पर उसे नियमानुसार सुरक्षित प्राकृतिक आवास में पुनः छोड़ा जाएगा।

वन मंडला अधिकारी निखिल अग्रवाल ने इस सफल रेस्क्यू अभियान में ग्रामीणों के सहयोग की सराहना करते हुए नागरिकों से अपील की है कि वन्यप्राणी दिखाई देने पर उसके निकट न जाएँ, भीड़ एकत्रित न करें तथा तत्काल वन विभाग या पुलिस विभाग को सूचना दें। वन विभाग मानव-वन्यजीव सहअस्तित्व एवं वन्यजीव संरक्षण के प्रति निरंतर प्रतिबद्ध है।

मुंगेली पुलिस ने हत्या करने के प्रयास करने वाले आरोपियों को पकड़ने में मिली सफलता

मुंगेली (दैनंदिनी ब्यूरो)। मुंगेली पुलिस अधीक्षक भोजराम पटेल (भा.पु.से.) द्वारा जिले से समस्त थाना/चौकी प्रभारियों को महिला एवं बच्चो, संपत्ति संबंधी अपराध एवं असामाजिक तत्वों पर त्वरित वैधानिक कार्यवाही करने निर्देशित किया गया है। दिनांक 07.09.2026 को प्रार्थी भवानी सिंह ठाकुर पिता बलराम सिंह ठाकुर उम्र 37 साल निवासी औराबाधा थाना सिटी कोतवाली मुंगेली जिला मुंगेली द्वारा थाना सिटी कोतवाली मुंगेली उपस्थित होकर रिपोर्ट दर्ज कराया कि दिनांक 07.09.2026 के सुबह करीबन 6.00 बजे अपने घर में था उसी समय गांव का अभिषेक सिंह ठाकुर आकर बताया कि चाचा हरिवंश सिंह ठाकुर खेत तरफ जा रहा था और राजू मरकाम के घर के पास ही पहुंचा था तभी राजू मरकाम द्वारा पुरानी रंजीश (रूपये पैसे की विवाद) को लेकर संतोष मरकाम एवं राजू मरकाम दोनों एक राय होकर हत्या करने के नियत से चाचा हरिवश सिंह ठाकुर के कुदरी को छीनकर प्राणघातक हमलाकर मारपीट किया की सूचना मिलने पर मै जाकर देखा तो चाचा बेहोश था और चेहरा खून से लथपथ होने कि रिपोर्ट पर थाना सिटी कोतवाली मुंगेली में अपराध क्रमांक 281/2026 धारा 296,115(2),351(3) 109,3 (5) बीएनएस पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

विवेचना के दौरान अतिरिक्त पुलिस मुंगेली सुश्री नवनीत छाबड़ा, अति. पुलिस अधीक्षक मुंगेली प्रशांत शुक्ला एवं अनुविभागीय अधिकारी पुलिस मुंगेली आशीष अरोरा के कुशल मार्गदर्शन पर घटनास्थल का निरीक्षण किये व वैज्ञानिक अधिकारी सीन ऑफ क्राईम मोबाईल युनिट जिला मुंगेली द्वारा घटना स्थल का निरीक्षण किया जाकर त्वरित कार्यवाही करते हुए प्रकरण के आरोपियों का पता तलाश कर अभिरक्षा में लेकर थाना लाये जिनसे बारिकी से पूछताछ करने पर आरोपियों द्वारा घटना कारित करना स्वीकार किये जाने पर आरोपी राजू मरकाम से 01 नग कुदरी को जप्त किया जाकर आरोपीगण राजू मरकाम पिता शिवलाल मरकाम उम्र 36 वर्ष जाति गोड एवं संतोष मरकाम पिता शिवलाल मरकाम उम्र 38 वर्ष जाति गोड दोनों निवासी औराबांधा थाना सिटी कोतवाली मुंगेली जिला मुंगेली को दिनांक 08.09.2026 को विधिवत् गिरफ्तार कर न्यायिक रिमाण्ड पर जेल भेजा गया।

संपूर्ण कार्यवाही में निरीक्षक कार्तिकेश्वर जांगड़े, थाना प्रभारी सिटी कोतवाली मुंगेली, सीमा, मनोज ठाकुर, बाली ध्रुव, अरूण साहू, अजय चंद्राकर, संजय यादव, रवि श्रीवास एवं मनोज टंडन की सराहनीय भूमिका रही।

सड़कों से मवेशियों को हटाने का अभियान तेज, दुर्घटनाएं रोकने पालिका का कड़ा एक्शन

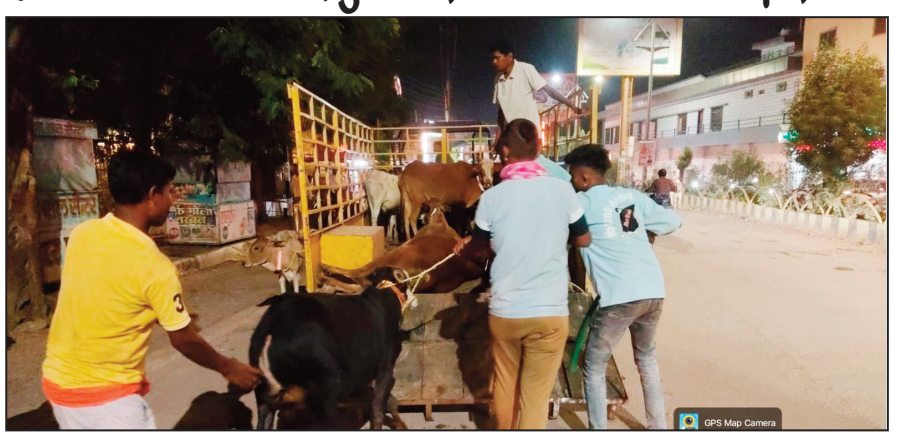

कवर्धा (दैनंदिनी ब्यूरो)। शहर के प्रमुख मार्गों पर बैठे एवं घूम रहे मवेशियों के कारण होने वाली सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के लिए नगर पालिका परिषद कवर्धा द्वारा लगातार अभियान चलाया जा रहा है। पालिका की टीम प्रतिदिन शाम को मुख्य मार्गों, चौक-चौराहों एवं व्यस्त क्षेत्रों में पहुंचकर सड़कों पर बैठे गोवंश को हटाने की कार्रवाई कर रही है।

नगर पालिका द्वारा काउ कैचर वाहनों की मदद से सड़कों पर बैठे मवेशियों को पकड़कर लोहारा मार्ग स्थित गौधाम में भेजा जा रहा है। शहर में यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने के साथ ही वाहन चालकों, राहगीरों और गोवंश को सड़क दुर्घटनाओं से बचाने के लिए नगर पालिका द्वारा प्रतिदिन यह अभियान चलाया जा रहा है। मुख्य नगर पालिका अधिकारी नारायण साहू ने बताया कि शहर की मुख्य सड़कों पर मवेशियों का जमावड़ा रहता है सड़क पर बैठे मवेशियों के कारण दुर्घटना होने की आशंका बनी रहती है और आम नागरिकों की जान को भी खतरा रहता है। उन्होंने कहा कि नगर पालिका की टीम नियमित रूप से राजस्व एवं स्वास्थ्य टीम एक साथ कार्यवाही कर रही है लेकिन पशुपालकों की भी जिम्मेदारी है कि वे अपने मवेशियों को खुले में न छोड़ें।

उन्होंने बताया कि पशुपालक अपने मवेशियों को खुले में छोड़ते हैं जिससे मवेशी मुख्य मार्गों पर घुमते, बैठे रहते है संबंधित पशुपालक के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करते हुए नियमानुसार आर्थिक जुर्माना लगाने की कार्यवाही की जावेगी। रात्रि में मवेशियों के कारण दुर्घटना ना हो इसका भी ध्यान रखते हुए मवेशियों के गले में रेडियम पट्टा लगाया जा रहा है। नगर पालिका प्रशासन ने नागरिकों एवं पशुपालकों से अपील की है कि वे अपने मवेशियों को सड़कों पर खुला न छोड़ें और शहर की यातायात व्यवस्था को बेहतर बनाने में नगर पालिका का सहयोग करें। सड़क सुरक्षा को लेकर माननीय न्यायालय द्वारा भी सार्वजनिक मार्गों एवं राजमार्गों पर आवारा पशुओं की समस्या के संबंध में सख्त निर्देश दिए गए हैं।

जुर्माने के साथ वैधानिक कार्रवाई भी

नगर पालिका प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि मुख्य मार्गों, चौक-चौराहों एवं सार्वजनिक स्थलों पर अपने मवेशियों को खुला छोड़ने वाले पशुपालकों के विरुद्ध सख्ती से कार्रवाई की जाएगी। पशुपालक के विरुद्ध नियमानुसार आर्थिक जुर्माने की कार्रवाई की जाएगी। साथ ही, पशु क्रूरता अधिनियम, 1961 के तहत भी वैधानिक कार्रवाई भी प्रस्तावित की जाएगी। पालिका ने कहा है कि सड़क सुरक्षा और आम नागरिकों की सुरक्षा के साथ किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। विगत 2 दिवस में पालिका टीम द्वारा यह अभियान चलाया जाकर 130 मवेशियों को पकड़कर गौधाम में रखा गया है।

विकसित भारत यंग लीडर्स डायलॉग से जशपुर के युवाओं को मिलेगा राष्ट्रीय मंच

जशपुर (दैनंदिनी ब्यूरो)। भारत सरकार के युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय की पहल 'विकसित भारत यंग लीडर्स डायलॉग' के माध्यम से जशपुर जिले के युवाओं को अपनी प्रतिभा, नवाचार और नेतृत्व क्षमता को राष्ट्रीय मंच पर प्रदर्शित करने का अवसर मिलेगा। राष्ट्र निर्माण की प्रक्रिया में युवाओं की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने के उद्देश्य से आयोजित इस पहल में युवाओं को विकसित भारत के निर्माण को लेकर अपने विचार और दृष्टिकोण साझा करने का अवसर प्रदान किया जा रहा है।

जशपुर जिले में भी मेरा युवा भारत (MY Bharat) के माध्यम से युवाओं को इस अभियान से जोड़ने के लिए विभिन्न जागरूकता एवं सहभागिता गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं। जिले के युवा 25 सितंबर 2026 तक आयोजित क्विज में भाग लेकर इस महत्वपूर्ण पहल का हिस्सा बन सकते हैं।

इस पहल की प्रक्रिया क्विज से प्रारंभ होकर जिला, राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर तक पहुंचेगी। विभिन्न चरणों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले युवाओं को अपनी प्रतिभा, विचारों और नेतृत्व क्षमता को व्यापक मंच पर प्रस्तुत करने का अवसर मिलेगा।

युवा होंगे राष्ट्र निर्माण के सक्रिय भागीदार

विकसित भारत यंग लीडर्स डायलॉग का उद्देश्य युवाओं को केवल कार्यक्रमों में सहभागी बनाने तक सीमित नहीं है, बल्कि उन्हें नीति निर्माण, नवाचार और राष्ट्र विकास के सक्रिय भागीदार के रूप में तैयार करना है। शिक्षा, कौशल विकास, रोजगार, उद्यमिता, प्रौद्योगिकी, पर्यावरण और सामाजिक विकास जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर युवाओं के विचारों एवं सुझावों को इस पहल के माध्यम से प्रोत्साहित किया जाएगा।

मेरा युवा भारत, जशपुर ने जिले के सभी पात्र युवाओं, युवा संगठनों, महाविद्यालयों एवं शैक्षणिक संस्थानों से जुड़े युवाओं से अपील की है कि वे निर्धारित अंतिम तिथि 25 सितंबर 2026 से पहले अधिक से अधिक संख्या में क्विज में भाग लें।

मुख्यमंत्री की संवेदनशील पहल से शशिकांत को मिली उपचार की नई उम्मीद,एम्स रायपुर में उपचार शुरू

मुख्यमंत्री ने चार लाख रुपए की स्वेच्छा अनुदान राशि स्वीकृत की

धमतरी (वीएनएस)। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की संवेदनशील पहल से धमतरी जिले के देवपुर निवासी शशिकांत भरत को बेहतर उपचार की नई उम्मीद मिली है।

सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो के माध्यम से शशिकांत की स्वास्थ्य संबंधी परेशानी की जानकारी मुख्यमंत्री साय तक पहुंची। मुख्यमंत्री ने मामले का तत्काल संज्ञान लेते हुए स्वयं शशिकांत से दूरभाष पर बातचीत की और उनके स्वास्थ्य की जानकारी ली। उन्होंने शशिकांत को बेहतर उपचार उपलब्ध कराने के साथ हरसंभव सहयोग का भरोसा दिलाया। मुख्यमंत्री ने चार लाख रुपए की स्वेच्छा अनुदान राशि स्वीकृत की है।

मुख्यमंत्री के निर्देश पर जिला प्रशासन द्वारा आवश्यक चिकित्सकीय परीक्षण एवं विशेषज्ञ चिकित्सकों से परामर्श के बाद शशिकांत को बेहतर उपचार के लिए 9 सितंबर की शाम रायपुर स्थित अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) में भर्ती कराया गया है। यहां विशेषज्ञ चिकित्सकों की निगरानी में उनका उपचार प्रारंभ हो गया है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने शशिकांत के उपचार के लिए चार लाख रुपए की सहायता राशि भी स्वीकृत की है।

मुख्यमंत्री से बातचीत के दौरान शशिकांत ने भावुक होकर उनका आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि लंबे समय से स्वास्थ्य संबंधी कठिनाइयों से जूझ रहे उनके लिए मुख्यमंत्री द्वारा स्वयं फोन कर हालचाल पूछना और उपचार की व्यवस्था कराने का प्रयास बेहद महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा, "मुख्यमंत्री जी ने मेरी परेशानी को अपनी चिंता समझकर जिस संवेदनशीलता के साथ पहल की है, उसके लिए मैं उनका हृदय से आभार व्यक्त करता हूं। एम्स में उपचार की व्यवस्था और चार लाख रुपए स्वेच्छा राशि की सहायता से मुझे और मेरे परिवार को नई उम्मीद मिली है।"

शशिकांत वर्ष 2016 में भटगांव आईटीआई में अध्ययनरत थे। इसी दौरान दुगली के पास हुई सड़क दुर्घटना में उन्हें गंभीर चोटें आईं। दुर्घटना के बाद उनके स्वास्थ्य पर गंभीर असर पड़ा और लंबे समय से वे उपचाराधीन हैं। परिवार द्वारा अपनी क्षमता के अनुसार विभिन्न स्थानों पर उनका उपचार कराया जाता रहा है।

मुख्यमंत्री की पहल के बाद शशिकांत का एम्स रायपुर में उपचार प्रारंभ होना उनके परिवार के लिए राहत और उम्मीद का विषय है। जिला प्रशासन द्वारा भी उनके उपचार के संबंध में आवश्यक समन्वय एवं सहयोग सुनिश्चित किया जा रहा है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय द्वारा सोशल मीडिया के माध्यम से सामने आई एक जरूरतमंद नागरिक की पीड़ा का संज्ञान लेकर सीधे संवाद करना और उपचार के लिए सहायता उपलब्ध कराना सुशासन में संवेदनशीलता, मानवीय सरोकार और अंतिम व्यक्ति तक शासन की पहुंच का सशक्त उदाहरण है।

नेत्रदान के प्रति बढ़ी जागरूकता

महासमुंद। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन अंतर्गत राष्ट्रीय अंधत्व एवं अल्पदृष्टि नियंत्रण कार्यक्रम के तहत जिले में नेत्रदान के प्रति जनजागरूकता लगातार बढ़ रही है।

लोगों में यह समझ विकसित हो रही है कि मृत्यु के पश्चात नेत्रदान कर दो दृष्टिहीन व्यक्तियों के जीवन में रोशनी लाई जा सकती है। जिले में 25 अगस्त से 08 सितंबर 2026 तक आयोजित नेत्रदान पखवाड़े के दौरान लोगों को नेत्रदान के महत्व की जानकारी दी गई तथा नेत्रदान हेतु संकल्प पत्र भरने के लिए प्रेरित किया गया।

इसी क्रम में सरायपाली विकासखंड के ग्राम कोलतापारा, बलौदा निवासी सैरेन्दी स्वाइ/कविराज ने 03 सितंबर को नेत्रदान का घोषणा पत्र भरकर नेत्रदान का संकल्प लिया। इस अवसर पर सुदाम भोई एवं उनके पुत्र संगमलाल स्वाई उपस्थित रहे।

367 ग्राम पंचायतों में एक साथ वृहद साइबर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

मुंगेली (दैनंदिनी ब्यूरो)। छत्तीसगढ़ पुलिस मुख्यालय के दिशा-निर्देशन, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जिला मुंगेली भोजराम पटेल (भा.पु.से.) के कुशल नेतृत्व एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी (CEO) गोकुल राम रावटे के विशेष सहयोग व समन्वय से जिले को साइबर अपराध मुक्त बनाने के उद्देश्य से व्यापक स्तर पर "साइबर जागृति अभियान" चलाया जा रहा है। इसी क्रम में आज जिले के पथरिया, मुंगेली एवं लोरमी विकासखंडों की कुल 367 ग्राम पंचायतों में एक साथ साइबर जन-जागरूकता कार्यक्रमों का सफल आयोजन किया गया।

इस दौरान विकास खंड पथरिया की 96 ग्राम पंचायतों में 1838, मुंगेली विकासखंड की 124 ग्राम पंचायतों में 4057 तथा लोरमी विकासखंड की 127 ग्राम पंचायतों में 2595, इस प्रकार कुल 367 ग्राम पंचायतों के 8489 ग्रामीणों, युवाओं एवं महिलाओं ने सहभागिता की तथा सामूहिक रूप से "साइबर जागृति शपथ" ली।

कार्यक्रम के दौरान वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक भोजराम पटेल एवं जिला पंचायत सीईओ गोकुल रावटे द्वारा साइबर अपराध एवं ऑनलाइन ठगी के बढ़ते मामलों के प्रति आमजन को जागरूक करते हुए "जागरूक गांव, सुरक्षित समाज" का संदेश दिया गया। उपस्थित लोगों ने दाहिना हाथ ऊपर कर शपथ लेते हुए संकल्प किया कि वे अपने बैंक खाते, एटीएम कार्ड, आधार एवं यूपीआई से संबंधित OTP तथा गुप्त PIN किसी अनजान व्यक्ति को साझा नहीं करेंगे।

साथ ही मोबाइल पर प्राप्त होने वाले फर्जी मैसेज, लॉटरी ऑफर एवं अनजान लिंक पर क्लिक नहीं करने तथा किसी के कहने पर अपने मोबाइल में अज्ञात ऐप अथवा APK फाइल डाउनलोड नहीं करने के संबंध में जागरूक किया गया।

ग्रामीणों को अपने घर के बुजुर्गों, महिलाओं एवं बच्चों को मोबाइल ठगी से सावधान रखने, अनजान वीडियो कॉल अथवा ऑनलाइन ब्लैकमेलिंग से भयभीत न होकर समझदारी से कार्य करने की समझाइश दी गई। साइबर अपराध की स्थिति में तत्काल राष्ट्रीय साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 पर कॉल करने अथवा नजदीकी पुलिस थाना/साइबर सेल में सूचना देने के लिए प्रेरित किया गया।

एसएसपी श्री पटेल ने विशेष रूप से रेखांकित किया कि साइबर वित्तीय धोखाधड़ी का शिकार होने पर प्रारंभिक समय (गोल्डन ऑवर) बेहद महत्वपूर्ण होता है।

घटना घटित होते ही बिना देर किए राष्ट्रीय साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 पर कॉल करें अथवा नजदीकी पुलिस थाने/साइबर सेल में रिपोर्ट दर्ज कराएं, ताकि ठगी की राशि को होल्ड कराने एवं आवश्यक कार्रवाई के लिए समय रहते प्रयास किया जा सके।

कार्यालय पुलिस अधीक्षक जिला-बलरामपुर-रामानुजगंज (छ0ग0) // संक्षिप्त निविदा आमंत्रण सूचना क्रं0 01//

क्र./पुअ/बल/एसी-1/निविदा/एम/2520/2026 **दिनांक 07.09.2026**

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल की ओर से भण्डार क्रय नियम 2002 छ0ग0 शासन के नियमानुसार पुलिस अधीक्षक कार्यालय बलरामपुर के नाम पर खुली निविदा दर के आधार पर निविदा आमंत्रित की जाती है। कोरे भाव पत्रक पुलिस अधीक्षक कार्यालय बलरामपुर से आवेदन प्रस्तुत कर (आयकर/वाणिज्य कर/चुकता एवं अधिकृत विक्रेता प्रमाण पत्र सहित) कोरे निविदा प्रपत्र की राशि 0055 पुलिस, 800 अन्य प्राप्तियां के अंतर्गत चालान के माध्यम से जमा कर कार्यालयीन दिवसों में प्राप्त किये जा सकते है। अमानत राशि एफ.डी.आर. के रूप में स्वीकार की जावेगी।

1. निविदा प्रपत्र ब्रिकी दिनांक - दिनांक 17.09.2026 के कार्यालयीन समय तक।
2. निविदा प्रपत्र जमा करने का दिनांक - दिनांक 18.09.2026 को सायं 3.00 बजे तक।
3. निविदा प्रपत्र खोलने का दिनांक- दिनांक 18.09.2026 को सायं 4.00 बजे तक।

क्र0	स्थान का नाम	कार्य का नाम	प्राप्त बजट आवंटन राशि
1	थाना रामानुजगंज	थाना परिसर रामानुजगंज में 01 नग बैरक निर्माण कार्य।	9.00 लाख/-

नोट :-

1. कार्य के लिये अमानत राशि सारणी अनुसार उक्त कार्य के लिए 27000/- रूपये का एफडीआर जमा करना होगा। निविदा प्रपत्र का मूल्य 750.00, कार्यावधि 90 दिवस वर्षाकाल सहित है एवं निविदाकर वर्ग डी एवं उससे अधिक का होना अनिवार्य है। निविदा प्रपत्र भारतीय स्टेट बैंक के शाखा में 0055 पुलिस हेड (मिसलेनियस) में चालान कटा होने पर विक्रय किया जावेगा।
2. निविदाएं सीलबंद लिफाफा में प्रस्तुत करना होगा, जिसके भीतर प्रथम लिफाफा में अमानत राशि, द्वितीय लिफाफा में भावपत्र रहेगा।
3. शर्तें एवं जानकारी इस कार्यालय में उपस्थित होकर प्राप्त करें।
4. किसी भी प्रकार के वाद की स्थिति में पुलिस अधीक्षक का निर्णय अंतिम एवं मान्य होगा।

पुलिस अधीक्षक
बलरामपुर-रामानुजगंज

जी- 262703197/2

जहीर खान बने टीम के मालिक, कनाडा सुपर 60 में वैंकूवर एंकर्स टीम से जुड़े

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट के पूर्व तेज गेंदबाज जहीर खान एक नई भूमिका में नजर आने वाले हैं। जहीर कनाडा सुपर 60 में वैंकूवर एंकर्स के को-ऑनर यानी सह-मालिक बन गए हैं। खास बात यह है कि इस फ्रेंचाइजी के मालिकाना समूह में उनके पूर्व भारतीय साथी युवराज सिंह भी शामिल हैं। दोनों ने 2011 ODI वर्ल्ड कप में भारत की ऐतिहासिक खिताबी जीत में अहम भूमिका निभाई थी। जहीर खान ने नागेंद्र नागा सिद्दौतम और स्टॉकहोम स्थित एंकर स्पोर्ट्स एबी के साथ वैंकूवर एंकर्स के स्वामित्व समूह में जगह बनाई है। फ्रेंचाइजी कनाडा सुपर 60 में पुरुष और महिला दोनों प्रतियोगिताओं में हिस्सा लेती है। टीम अपने घरेलू मुकाबले वैंकूवर के बीसी प्लेस स्टेडियम में खेलेगी। नई भूमिका को लेकर जहीर ने कहा कि कनाडा सुपर 60 एक शानदार लीग है और दुनिया के प्रतिष्ठित स्टेडियमों में से एक में इसका आयोजन इसे खास बनाता है। उन्होंने युवराज के लीग के मालिकाना समूह का हिस्सा होने पर भी खुशी जताई। जहीर ने कहा कहा कि कनाडा सुपर 60 एक फर्स्ट क्लास प्रोडक्ट है, जिसका आयोजन दुनिया के सबसे प्रतिष्ठित मैदानों में से एक में अपनी अलग पहचान और आकर्षण वाले शहर में किया जा रहा है। उन्होंने आगे कहा कि युवराज को जानने और इतने सालों तक उनके दोस्त और साथी खिलाड़ी रहने के नाते लीग के मालिकाना हक में उनका शामिल होना उन्हें इसकी दिशा को लेकर काफी भरोसा देता है। क्रिकेट के विकास का अगला चरण वैश्विक होना चाहिए।

जहीर ने एसोसिएट देशों के खिलाड़ियों और महिला क्रिकेटरों के लिए मौके पैदा करने वाली लीगों को समर्थन देने की जरूरत पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि पूर्व खिलाड़ियों के तौर पर उनकी जिम्मेदारी है कि वे ऐसी विश्वसनीय लीग का समर्थन करें जो क्रिकेटरों को आगे बढ़ने के वास्तविक मौका दे।

युवराज सिंह ने भी जहीर के फ्रेंचाइजी से जुड़ने का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि जैक और मैंने अपने करियर के कुछ सबसे बड़े पल साथ साझा किए हैं और इस नए अध्याय के लिए फिर साथ आना खास एहसास है। कनाडा सुपर 60 का दूसरा सीजन 29 सितंबर से 4 अक्टूबर तक वैंकूवर के बीसी प्लेस में खेला जाएगा।

ईशान किशन ने खत्म किया 13 साल का सूखा, साउथ जोन का पटककर ईस्ट जोन बनी दलीप ट्रॉफी की चैंपियन

नई दिल्ली (एजेंसी)। ईशान किशन ने आखिर वो काम कर दिखाया, जिसका इंतजार करीब 13 साल से किया जा रहा था। दलीप ट्रॉफी के फाइनल में साउथ जोन को हराकर ईस्ट जोन की टीम ने खिताब पर कब्जा कर लिया। हालांकि फाइनल मुकाबला ड्रॉ रहा, लेकिन पहली पारी के आधार पर ईस्ट जोन को विजेता घोषित कर दिया गया। इस फाइनल की जीत में कप्तान ईशान किशन का सबसे बड़ा योगदान रहा। ना केवल बल्ले से उन्होंने जबरदस्त पारियां खेली, बल्कि कप्तानी में भी अहम मौकों पर सही फैसले लिए, जिसका नतीजा जीत के रूप में सामने आया है।

ईस्ट जोन ने साउथ जोन को हराकर दलीप ट्रॉफी को अपने नाम करने में कामयाबी हासिल की है। इससे पहले ईशान ने सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी भी साल 2025 में जीती थी। तब वे झारखंड के कप्तान थे और झारखंड ने पहली बार इस खिताब को अपने नाम किया था। ईस्ट जोन की टीम पिछले 13 साल से दलीप ट्रॉफी का इंतजार कर रही थी, जो अब जाकर खत्म हुआ है। ईशान को सैयद मुश्ताक अली के फाइनल में भी प्लेयर ऑफ द मैच का अवार्ड मिला था, इस बार भी उन्होंने ये पुरस्कार जीता है, जबकि ये दोनों टूर्नामेंट अलग अलग फॉर्मेट पर खेले जाते हैं।

सबसे अहम और खास बात ये है कि ईशान किशन ने अब तक 16 प्रथम श्रेणी मैचों में टीम की कप्तानी की है और उसमें से आठ में वे जीते हैं और आठ मैच ड्रॉ रहे हैं। यानी एक भी मैच उनकी कप्तानी में टीम हारी नहीं है। ये आपने आप में गजब कारनामा है। इस बीच साउथ जोन के कप्तान तिलक वर्मा रहे, उन्होंने फाइनल में 99 रन की पारी जरूर खेली, लेकिन वो इस मुकाबले के लिए नाकाफी रही और टीम हार गई।

फाइनल में पहले बैटिंग करने उतरी ईस्ट जोन की टीम ने पहली पारी में 708 रनों का बड़ा स्कोर खड़ा कर दिया था। इसमें कप्तान ईशान किशन के 270 रन भी शामिल रहे।

इसके बाद जब साउथ जोन की टीम बैटिंग के लिए आई तो 336 रन पर ही पूरी टीम पवेलियन लौट गई। ईशान चाहते तो साउथ जोन को फॉलोआन दे सकते थे और साउथ जोन का फिर से बैटिंग के लिए आना पड़ता, लेकिन उन्होंने खुद बैटिंग का फैसला किया। ईस्ट जोन ने अपनी दूसरी पारी में सात विकेट पर 388 रन बना लिए थे, तभी मैच ड्रॉ घोषित किया गया और पहली पारी की बढ़त के आधार पर ईस्ट जोन की टीम चैंपियन बन गई।

स्मृति मंधाना 69 रन बनाते ही हासिल करेंगी नंबर-1 की कुर्सी

बांग्लादेश के खिलाफ सेमीफाइनल मैच में इतिहास रचने का मौका

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय महिला क्रिकेट टीम जो अभी दुबई में चल रहे महिला टी20 एशिया कप में हिस्सा ले रही है वह 10 सितंबर को टूर्नामेंट के पहले सेमीफाइनल मुकाबले में बांग्लादेश की महिला टीम का सामना करेगी। भारतीय महिला टीम का अभी तक टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन देखने को मिला है, जिसमें उन्होंने ग्रुप स्टेज के तीनों मुकाबलों को जीतने के साथ सेमीफाइनल के लिए अपनी जगह को पक्का किया है, जिसमें सबसे अहम योगदान टीम इंडिया की स्टार ओपनिंग बल्लेबाज स्मृति मंधाना के बल्ले से देखने को मिला, जो अब तक कुल 152 रन इस बार टूर्नामेंट में बना चुकी हैं। स्मृति मंधाना जिनके बल्ले से शतकीय पारी भी देखने को मिली है उनके पास बांग्लादेश के खिलाफ मुकाबले में एक बड़ी उपलब्धि हासिल करने का मौका रहने वाला है।

स्मृति मंधाना जिनके बल्ले से ग्रुप स्टेज में हांगकांग महिला टीम के खिलाफ मुकाबले में 124 रनों की ऐतिहासिक शतकीय पारी देखने को मिली थी, उनके पास अब बांग्लादेश के खिलाफ सेमीफाइनल मैच में महिला टी20 इंटरनेशनल में सबसे ज्यादा रन बनाने की नंबर-1 पोजीशन को हासिल करने का मौका रहने वाला है। स्मृति मंधाना को नंबर-1 पर पहुंचने के लिए बांग्लादेश के खिलाफ मैच में 69 रन बनाने होंगे जिसमें वह न्यूजीलैंड की दिग्गज महिला खिलाड़ी सूजी बेट्स को पीछे छोड़ देंगी जो अभी 4758 रनों के साथ पहले नंबर पर काबिज हैं। स्मृति मंधाना ने अब तक महिला टी20 इंटरनेशनल में 174 मैचों में खेलते हुए 30.65 के औसत से 4690 रन बनाए हैं। स्मृति मंधाना इससे पहले महिला इंटरनेशनल में तीनों फॉर्मेट मिलाकर सबसे ज्यादा रन बनाने के रिकॉर्ड को अपने नाम कर चुकी हैं।

महिला टी20 इंटरनेशनल में सबसे ज्यादा रन बनाने वाली खिलाड़ी

सूजी बेट्स (न्यूजीलैंड) - 4758 रन
स्मृति मंधाना (भारत) - 4690 रन
हरमनप्रीत कौर (भारत) - 4249 रन
चमारी अटापट्टू (श्रीलंका) - 4095 रन
सोफी डिवाइन (न्यूजीलैंड) - 3817 रन

प्लेयर ऑफ द मंथ के लिए श्रीलंका और इंग्लैंड के खिलाड़ी के बीच टक्कर

ICC का बड़ा ऐलान

नई दिल्ली (एजेंसी)। ICC ने बड़ा ऐलान किया है। ICC ने प्लेयर ऑफ द मंथ के लिए नॉमिनेट हुए खिलाड़ियों के नाम पर से पर्दा उठा दिया है। अगस्त महीने के लिए नॉमिनेट हुए 3 खिलाड़ियों में एक भी भारतीय नहीं हैं। ICC प्लेयर ऑफ द मंथ के लिए जिन 3 खिलाड़ियों को नॉमिनेट किया गया है, उनमें श्रीलंका के युवा स्टार बल्लेबाज सोनल दिनुशा, इंग्लैंड के तेज गेंदबाज ओली रॉबिन्सन और बांग्लादेश के तेज गेंदबाज हसन महमूद शामिल हैं। इन तीनों ही खिलाड़ियों ने अगस्त महीने में अपने खेल से सभी को प्रभावित किया था।

श्रीलंका के युवा बल्लेबाज सोनल दिनुशा अगस्त में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज रहे। भारत के खिलाफ दो टेस्ट मैचों में उन्होंने 420 रन बनाए और उनका औसत 140 रहा। गॉल में खेले गए पहले टेस्ट में दिनुशा ने पहली पारी में शतक जड़ा और दूसरी पारी में 84 रन बनाए। इसके बाद दूसरे टेस्ट में उन्होंने पहली पारी में 103 रन और दूसरी पारी में नाबाद 133 रन की पारी खेली। 2 मैचों की टेस्ट सीरीज में 3 शतक ठोकते हुए उन्होंने कई बड़े रिकॉर्ड अपने नाम किए। इस शानदार प्रदर्शन के दम पर अब उन्होंने प्लेयर ऑफ द मंथ अवॉर्ड के लिए अपनी मजबूत दावेदारी पेश की है।

इंग्लैंड के तेज गेंदबाज ओली रॉबिन्सन के लिए भी अगस्त का महीना शानदार बीता। पाकिस्तान के खिलाफ दो टेस्ट मैचों में उन्होंने कुल 16 विकेट अपने नाम किए। पहले टेस्ट में रॉबिन्सन ने 80 रन देकर 8 विकेट झटके, जबकि दूसरे टेस्ट में 35 रन देकर 8 विकेट हासिल किए। इस दौरान उनका गेंदबाजी औसत महज 7.18 रहा। इंग्लैंड ने दोनों मुकाबले जीतकर सीरीज में 2-0 की बढ़त भी बनाई।

ओली रॉबिन्सन के अलावा बांग्लादेश के तेज गेंदबाज हसन महमूद भी पिछले महीने महफिल लूटने में कामयाब रहे। बांग्लादेश के तेज गेंदबाज हसन महमूद ने ऑस्ट्रेलिया की धरती पर डार्विन टेस्ट में मैच जिताऊ प्रदर्शन किया। उन्होंने पहली पारी में 55 रन देकर 6 विकेट लिए, जबकि दूसरी पारी में 56 रन देकर 3 विकेट झटके। इस प्रदर्शन की बदौलत बांग्लादेश ने ऑस्ट्रेलियाई जमीन पर पहली बार टेस्ट मैच जीतने का कारनामा किया।

व्यापार

शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव के बीच सेंसेक्स 138 अंक चढ़ा, निफ्टी 23,450 के पार बंद

मुंबई (एजेंसी)। भारतीय शेयर बाजार में 10 सितंबर को काफी उतार-चढ़ाव देखने को मिला। दिनभर के उतार-चढ़ाव भरे कारोबार के अंत में घरेलू शेयर बाजार बढ़त के साथ बंद होने में सफल रहे।

कारोबार खत्म होने पर बीएसई सेंसेक्स 138.36 अंक की तेजी के साथ 74,902.59 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं, एनएसई का निफ्टी 50 सूचकांक 46.30 अंक चढ़कर 23,477.80 के स्तर पर बंद हुआ। बाजार की चौड़ाई की बात करें तो मिला-जुला रुझान देखने को मिला। करीब 1,872 शेयरों में तेजी रही, जबकि 2,272 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। वहीं 155 शेयरों के भाव में कोई बदलाव नहीं हुआ।

टॉप गेनर्स और लूजर्स का हाल

निफ्टी 50 के शेयरों में एचडीएफसी लाइफ, पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन, ओएनजीसी, भारती एयरटेल और टेक महिंद्रा प्रमुख बढ़त बनाने वाले शेयरों में शामिल रहे।दूसरी ओर, एचसीएल टेक्नोलॉजीज, हिंडाल्को इंडस्ट्रीज, टाटा स्टील, अडानी एंटरप्राइजेज और महिंद्रा एंड महिंद्रा में सबसे ज्यादा गिरावट दर्ज की गई।

सेक्टरों की बात करें तो मीडिया, पीएसयू बैंक और प्राइवेट बैंक इंडेक्स हरे निशान में बंद होने में कामयाब रहे। दूसरी तरफ मेटल, ऑटो और फार्मा सेक्टर्स दबाव में रहे और इनमें 0.5 फीसदी तक की गिरावट दर्ज की गई। ब्रॉडर मार्केट में निफ्टी मिडकैप इंडेक्स 0.4 फीसदी टूटकर बंद हुआ, जबकि स्मॉलकैप इंडेक्स लगभग सपाट (बिना किसी बदलाव के) बंद हुआ।

बाजार पर दबाव के प्रमुख कारण

कच्चे तेल की कीमतों में उछाल: मिडिल ईस्ट में तनाव बढ़ने से कच्चे तेल की कीमतें 102 डॉलर प्रति बैरल के पार पहुंच गईं। अमेरिका द्वारा ईरान के पांच तेल टैंकरों को डुबोने के बाद ईरान ने होर्मुज जलडमरूमध्य के पास 10 जहाजों पर हमला करने का दावा किया। भारत अपनी जरूरत का ज्यादातर तेल आयात करता है, इसलिए कच्चे तेल की बढ़ती कीमतें देश के आयात बिल और महंगाई के लिए बड़ी चिंता का विषय हैं।

एफआईआई की बिकवाली: विदेशी संस्थागत निवेशकों (FIIs) की ओर से बिकवाली का सिलसिला जारी रहा। 9 सितंबर को एफआईआई ने 583 करोड़ रुपये के शेयर बेचे, जबकि घरेलू संस्थागत निवेशकों (DIIs) ने 1,509 करोड़ रुपये की खरीदारी की।

नवी मुंबई एयरपोर्ट पर विदेशी उड़ानों को मिलेगा बड़ा फायदा

नई दिल्ली (एजेंसी)। मुंबई में एयर ट्रैफिक का दबाव कम करने और नवी मुंबई को इंटरनेशनल एयर कनेक्टिविटी का बड़ा हब बनाने की दिशा में एक अहम कदम उठाया गया है। नवी मुंबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट से विदेशी उड़ानें शुरू करने वाली एयरलाइंस को अब शुरुआती वर्षों में लैंडिंग चार्ज पर बड़ी राहत मिलेगी। एयरपोर्ट टैरिफ रेगुलेटर AERA ने इंटरनेशनल फ्लाइट्स के लिए लैंडिंग चार्ज में छूट को मंजूरी दी है।

AERA के फैसले के मुताबिक, नवी मुंबई एयरपोर्ट से शुरू होने वाली नई शॉर्ट-हॉल और लॉन्ग-हॉल इंटरनेशनल उड़ानों के लिए पहले साल लैंडिंग चार्ज पूरी तरह माफ रहेगा। यानी इन रूट्स पर एयरलाइंस को विमान उतारने के लिए लैंडिंग फीस नहीं देनी होगी। शॉर्ट-हॉल में 5,000 किलोमीटर तक की दूरी वाले रूट शामिल हैं, जबकि 5,000 किलोमीटर से ज्यादा दूरी वाले रूट लॉन्ग-हॉल माने जाएंगे। दूसरे साल लैंडिंग चार्ज में 50 फीसदी की छूट मिलेगी। वहीं, लॉन्ग-हॉल इंटरनेशनल सेवाओं को तीसरे साल 25 फीसदी की छूट दी जाएगी।

सिर्फ नई इंटरनेशनल सेवाओं को ही फायदा नहीं मिलेगा, बल्कि मौजूदा इंटरनेशनल रूट पर एक्स्ट्रा फ्लाइट्स शुरू करने वाली एयरलाइंस को भी राहत दी जाएगी। पहले साल एक्स्ट्रा शॉर्ट-हॉल उड़ानों पर लैंडिंग चार्ज में 50 फीसदी और लॉन्ग-हॉल उड़ानों पर 75 फीसदी की छूट मिलेगी।

इंटरनेशनल कार्गो यानी फ्रेटर सेवाओं के लिए भी बड़ी राहत है। पहले साल विदेशी फ्रेटर विमानों के लैंडिंग चार्ज में 90 फीसदी की छूट और दूसरे साल 50 फीसदी की छूट मिलेगी।

नवी मुंबई एयरपोर्ट पर विदेशी उड़ानों को मिलेगा बड़ा फायदा, पूरे 1 साल तक लैंडिंग चार्ज फ्री

नई दिल्ली (एजेंसी)। मुंबई में एयर ट्रैफिक का दबाव कम करने और नवी मुंबई को इंटरनेशनल एयर कनेक्टिविटी का बड़ा हब बनाने की दिशा में एक अहम कदम उठाया गया है। नवी मुंबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट से विदेशी उड़ानें शुरू करने वाली एयरलाइंस को अब शुरुआती वर्षों में लैंडिंग चार्ज पर बड़ी राहत मिलेगी। एयरपोर्ट टैरिफ रेगुलेटर AERA ने इंटरनेशनल फ्लाइट्स के लिए लैंडिंग चार्ज में छूट को मंजूरी दी है।

AERA के फैसले के मुताबिक, नवी मुंबई एयरपोर्ट से शुरू होने वाली नई शॉर्ट-हॉल और लॉन्ग-हॉल इंटरनेशनल उड़ानों के लिए पहले साल लैंडिंग चार्ज पूरी तरह माफ रहेगा। यानी इन रूट्स पर एयरलाइंस को विमान उतारने के लिए लैंडिंग फीस नहीं देनी होगी। शॉर्ट-हॉल में 5,000 किलोमीटर तक की दूरी वाले रूट शामिल हैं, जबकि 5,000 किलोमीटर से ज्यादा दूरी वाले रूट लॉन्ग-हॉल माने जाएंगे। दूसरे साल लैंडिंग चार्ज में 50 फीसदी की छूट मिलेगी। वहीं, लॉन्ग-हॉल इंटरनेशनल सेवाओं को तीसरे साल 25 फीसदी की छूट दी जाएगी।

एक्स्ट्रा उड़ानों पर भी मिलेगी छूट

सिर्फ नई इंटरनेशनल सेवाओं को ही फायदा नहीं मिलेगा, बल्कि मौजूदा इंटरनेशनल रूट पर एक्स्ट्रा फ्लाइट्स शुरू करने वाली एयरलाइंस को भी राहत दी जाएगी। पहले साल एक्स्ट्रा शॉर्ट-हॉल उड़ानों पर लैंडिंग चार्ज में 50 फीसदी और लॉन्ग-हॉल उड़ानों पर 75 फीसदी की छूट मिलेगी।

इंटरनेशनल कार्गो यानी फ्रेटर सेवाओं के लिए भी बड़ी राहत है। पहले साल विदेशी फ्रेटर विमानों के लैंडिंग चार्ज में 90 फीसदी की छूट और दूसरे साल 50 फीसदी की छूट मिलेगी।

मुंबई एयरपोर्ट से अलग होगा नया नियम

इस फैसले का सबसे बड़ा बदलाव रूट की पात्रता को लेकर है। पहले छूट का नियम पूरे मुंबई मेट्रोपॉलिटन रीजन यानी MMR में नए रूट के आधार पर लागू होता था। इसका मतलब था कि जो इंटरनेशनल रूट पहले से मुंबई एयरपोर्ट से चल रहा है, उसे नवी मुंबई एयरपोर्ट पर छूट नहीं मिलती थी। अब नियम बदल गया है। नवी मुंबई एयरपोर्ट से शुरू होने वाला कोई भी इंटरनेशनल रूट लैंडिंग चार्ज में छूट के लिए पात्र होगा, भले ही वही रूट मुंबई एयरपोर्ट से पहले से संचालित हो रहा हो।

म्यूचुअल फंड में निवेश का बढ़ा क्रेज, अगस्त में इक्विटी फंड्स में आए 29329 करोड़; SIP ने भी बनाया नया रिकॉर्ड

नई दिल्ली (एजेंसी)। म्यूचुअल फंड में निवेश करने वालों के लिए अगस्त का महीना काफी मजबूत रहा। जुलाई में गिरावट के बाद अगस्त में इक्विटी म्यूचुअल फंड्स में निवेश एक बार फिर बढ़ गया। खास बात यह रही कि SIP के जरिए हर महीने होने वाला निवेश भी नए रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया। AMFI के ताजा आंकड़ों के मुताबिक, अगस्त में इक्विटी ओरिएंटेड स्कीम्स में कुल ₹29,328.62 करोड़ का नेट इनफ्लो हुआ।

अगस्त में इक्विटी फंड्स में आया ₹29,328.62 करोड़ का निवेश जुलाई के ₹24,697.39 करोड़ से करीब 19 फीसदी ज्यादा है। इससे पहले जुलाई में इक्विटी फंड्स में निवेश जून के मुकाबले करीब 15 फीसदी घट गया था।

जून में इन स्कीम्स में ₹28,973 करोड़ का नेट इनफ्लो हुआ था। अगस्त के आंकड़े बताते हैं कि निवेशकों की इक्विटी म्यूचुअल फंड्स में दिलचस्पी फिर बढ़ी है।

SIP निवेश के मामले में भी अगस्त ने नया रिकॉर्ड बनाया। महीने में SIP के जरिए ₹32,297 करोड़ का निवेश हुआ। जुलाई में यह आंकड़ा ₹31,961 करोड़ था। यानी एक महीने में SIP योगदान करीब ₹336 करोड़ या 1.1 फीसदी बढ़ा। जून में SIP योगदान ₹31,781 करोड़ था। लगातार बढ़ते आंकड़े बताते हैं कि निवेशक नियमित रूप से छोटी-छोटी रकम लगाकर लंबी अवधि के लिए म्यूचुअल फंड में निवेश करने पर जोर दे रहे हैं।

अगस्त में स्मॉल-कैप फंड्स निवेशकों की पहली पसंद बने। इनमें ₹7,973.33 करोड़ का निवेश आया। जुलाई में यह रकम ₹7,767.50 करोड़ थी। इसके बाद मिड-कैप फंड्स में ₹6,989.40 करोड़ का निवेश हुआ, जो जुलाई के ₹6,192.31 करोड़ से ज्यादा है।

स्मॉल-कैप और मिड-कैप फंड्स को मिलाकर अगस्त में ₹14,962.73 करोड़ मिले। यह कुल इक्विटी फंड इनफ्लो का करीब 51 फीसदी है। फ्लेक्सी-कैप फंड्स में ₹5,059.42 करोड़ और मल्टी-कैप फंड्स में ₹3,732.77 करोड़ का निवेश आया।

लार्ज-कैप फंड्स में लगातार दूसरे महीने निकासी

जहां स्मॉल और मिडकैप फंड्स में निवेश बढ़ा, वहीं लार्ज-कैप फंड्स से लगातार दूसरे महीने पैसा निकला। अगस्त में इस कैटेगरी से ₹1,147.36 करोड़ की नेट निकासी हुई। हालांकि, जुलाई की ₹1,321.69 करोड़ की निकासी के मुकाबले यह कम है। ELSS फंड्स से भी ₹1,078.32 करोड़ की निकासी हुई। वहीं सेक्टोरल फंड्स में ₹53.19 करोड़ का आउटफ्लो दर्ज किया गया।

डेट फंड्स में बदली तस्वीर

डेट फंड्स में जुलाई की तस्वीर अगस्त में पूरी तरह बदल गई। जुलाई में डेट फंड्स में करीब ₹1.88 लाख करोड़ का नेट इनफ्लो हुआ था, लेकिन अगस्त में ₹8,127.32 करोड़ की नेट निकासी देखने को मिली। ओवरनाइट फंड्स से ₹30,654.25 करोड़ निकले। हालांकि, लिक्विड फंड्स में ₹19,934.29 करोड़ और मनी मार्केट फंड्स में ₹11,734.71 करोड़ का निवेश आया।

अकासा एयर ने नोएडा एयरपोर्ट से बदला अपना प्लान

मुंबई (एजेंसी)। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट से सफर करने वाले यात्रियों के लिए अकासा एयर ने अपने फ्लाइट शेड्यूल में बदलाव किया है। अगर आप नोएडा से मुंबई जाने की प्लानिंग बना रहे हैं तो यह खबर आपके लिए बेहद जरूरी है। 30 सितंबर के बाद अकासा एयर नोएडा से मुंबई की अपनी रोजाना उड़ान को बंद करने जा रही है। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट से हवाई सफर करने वाले यात्रियों के लिए अकासा एयरलाइंस (Akasa Air) ने अपने फ्लाइट शेड्यूल में बड़ा बदलाव किया है। एयरलाइंस 30 सितंबर 2026 के बाद नोएडा से मुंबई के लिए चलाई जाने वाली अपनी दैनिक उड़ानों को स्थगित करने जा रही है। हालांकि, मुंबई जाने वाले यात्रियों के लिए राहत की खबर यह है कि कंपनी 1 अक्टूबर से नवी मुंबई के लिए अपनी नई डायरेक्ट फ्लाइट सेवा शुरू करने जा रही है। अकासा एयरलाइंस की नोएडा से मुंबई जाने वाली दोपहर 2:10 बजे की फ्लाइट 30 सितंबर से पूरी तरह बंद कर दी जाएगी।

ऊसर जमीन पर खिला हरियाली का संसार रामसागरपारा स्कूल बना मिसाल

शिक्षक कोमल दीवान के संकल्प से बदली विद्यालय परिसर की तस्वीर, फूल-फल और औषधीय पौधों से महक रही बाल वाटिका

महासमुंद (दैनंदिनी ब्यूरो)। बारनवापारा अभयारण्य से सटे महासमुंद विकासखंड के शासकीय प्राथमिक विद्यालय रामसागरपारा, संकुल पटेवा की कभी ऊसर पड़ी जमीन आज हरियाली से गुलजार है। शिक्षक कोमल दीवान के संकल्प और शाला प्रबंधन समिति, विद्यार्थियों एवं ग्रामीणों के सहयोग से विद्यालय परिसर ने ऐसा रूप ले लिया है कि यहां पढ़ाई के साथ बच्चों को प्रकृति और पर्यावरण संरक्षण का भी जीवंत पाठ मिल रहा है।

ज्ञान के इस मंदिर में फूलों और फलों की बगिया से वातावरण में हरियाली के साथ प्रेरणा की खुशबू भी फैल रही है। विद्यालय की चहारदीवारी के भीतर लता बाल वाटिका और किचन गार्डन विकसित किए गए हैं। परिसर में औषधीय, फलदार, छायादार, पुष्पीय एवं सजावटी पौधों की विभिन्न प्रजातियां लगाई गई हैं। इससे विद्यालय का वातावरण न केवल आकर्षक बना है, बल्कि बच्चों, शिक्षकों और अभिभावकों को पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करने का माध्यम भी बन गया है।

रंग-बिरंगे फूलों से सजी है बाल वाटिका

विद्यालय की बाल वाटिका में अनेक पुष्पीय एवं सजावटी पौधे लगाए गए हैं। इनमें क्रिसमस ट्री, बाटल पाम, सैबरस, मधुकामिनी, एक्जोरा, अशोक, विद्या पत्ता, टगर, चांदनी, गुलाब, डहेलिया, रजनीगंधा, शो पत्ती, लिली, गेंदा, मिनी गोल्ड मोहर, पेंडुला, पर्शियन सिल्क ट्री, बोगनविलिया, गुड़हल और कनेर सहित विभिन्न प्रजातियां शामिल हैं। इन पौधों के फूल विद्यालय परिसर की सुंदरता में चार चांद लगा रहे हैं।

संकल्प से मिली सफलता

विद्यालय के शिक्षक कोमल दीवान ने बताया कि जब उन्होंने विद्यालय की ऊसर जमीन को उपजाऊ बनाकर परिसर को हरा-भरा करने का संकल्प लिया, तब शुरुआत में उन्होंने स्वयं पौधे लगाना शुरू किए। धीरे-धीरे रंग-बिरंगे फूलों और पौधों ने लोगों का ध्यान आकर्षित किया और इस अभियान से अन्य लोग भी जुड़ते चले गए।

शाला प्रबंधन समिति के मोहन यादव, कमल ध्रुव, उमाशंकर, विनोद, सफाईकर्मी वीरनारायण ध्रुव सहित पूर्व अध्यक्ष शंकर ठाकुर ने भी इस अभियान में सहयोग दिया। विद्यालय की चहारदीवारी बनने के बाद परिसर सुरक्षित हुआ तो हर वर्ष शिक्षक और विद्यार्थियों द्वारा नियमित रूप से पौधारोपण किया जाने लगा।

विद्यालय के इस हरित अभियान में डीएफओ महासमुंद, विकासखंड अधिकारी, नोडल अधिकारी और संकुल समन्वयक सहित अन्य अधिकारियों ने भी विभिन्न प्रजातियों के पौधे लगाकर सहभागिता निभाई।

बाल वाटिका में दुर्लभ औषधीय पौधा हड़जोड़ भी

विद्यालय की बाल वाटिका की खासियत यह भी है कि यहां आयुर्वेद की दृष्टि से उपयोगी और दुर्लभ माने जाने वाला हड़जोड़ औषधीय पौधा भी मौजूद है। इसके अलावा आंवला, नीम, जामुन, तुलसी, चिरायता, बादाम, मीठा नीम, पुदीना, मेहंदी, अजूबा, छुईमुई और हल्दी सहित कई औषधीय एवं उपयोगी पौधे लगाए गए हैं।

वहीं परिसर में छायादार पौधों के रूप में करन, गुलमोहर, केला और मौलश्री सहित अन्य पौधे भी मौजूद हैं। इस तरह विद्यालय परिसर बच्चों के लिए एक तरह की जीवंत वनस्पति पाठशाला बन गया है, जहां वे किताबों के साथ प्रकृति के बीच रहकर पौधों की विविधता और उनके महत्व को भी समझ रहे हैं।

पढ़ाई के साथ पर्यावरण संरक्षण का संदेश

रामसागरपारा का यह विद्यालय बताता है कि सीमित संसाधनों में भी यदि संकल्प और सामूहिक सहभागिता हो तो ऊसर जमीन को भी हरित परिसर में बदला जा सकता है। विद्यालय की बाल वाटिका और किचन गार्डन बच्चों में प्रकृति के प्रति लगाव पैदा करने के साथ उन्हें पौधारोपण, पर्यावरण संरक्षण और जैव विविधता के महत्व का व्यावहारिक ज्ञान भी दे रहे हैं। शिक्षक, विद्यार्थी, शाला प्रबंधन समिति और ग्रामीणों की सहभागिता से विकसित यह परिसर क्षेत्र के अन्य विद्यालयों के लिए भी प्रेरणादायी उदाहरण बन रहा है।

हर घर नल से बदली धनौली की तस्वीर, जल जीवन मिशन बना खुशहाल जीवन की नई पहचान

रायपुर ■ दैनन्दिनी

जिले के विकासखण्ड भरतपुर अंतर्गत ग्राम पंचायत बरौता का आश्रित ग्राम धनौली आज जल जीवन मिशन की सफलता और जनभागीदारी की मिसाल बनकर उभरा है। जिला मुख्यालय मनेन्द्रगढ़ से लगभग 125 किलोमीटर दूर स्थित इस गांव में लंबे समय तक ग्रामीणों को पेयजल के लिए कुएं, हैंडपंप और अन्य दूरस्थ जलस्रोतों पर निर्भर रहना पड़ता था। गर्मियों के दिनों में जलस्रोत सूखने से ग्रामीणों की परेशानी और बढ़ जाती थी। ऐसे समय में जल जीवन मिशन के अंतर्गत 'हर घर जल' योजना ने धनौली की तस्वीर बदलने का काम किया है। आज गांव के हर घर तक नल के माध्यम से स्वच्छ पेयजल पहुंच रहा है और पानी के लिए होने वाली भागदौड़ काफी हद तक समाप्त हो गई है।

कभी पानी के लिए लंबी जद्दोजहद, अब घर-घर पहुंच रहा स्वच्छ जल

लगभग 350 की आबादी और 60 परिवारों वाले धनौली गांव में पहले पेयजल की सुविधा सहज उपलब्ध नहीं थी। ग्रामीणों को अपनी दैनिक जरूरतों के लिए कुएं, हैंडपंप या दूर स्थित अन्य जलस्रोतों पर निर्भर रहना पड़ता था। विशेषकर गर्मी के मौसम में जलस्रोतों के सूख जाने से स्थिति गंभीर हो जाती थी। पानी की कमी के साथ उसकी गुणवत्ता को लेकर भी चिंता बनी रहती थी, जिसका असर ग्रामीणों के स्वास्थ्य पर पड़ता था।

जल जीवन मिशन के तहत इस समस्या को दूर करने के लिए गांव में व्यवस्थित जलापूर्ति की दिशा में कार्य प्रारंभ किया गया। पाइपलाइन बिछाई गई, ओवरहेड टैंक का निर्माण किया गया और प्रत्येक घर में नल कनेक्शन उपलब्ध कराया गया। साथ ही जल गुणवत्ता की नियमित निगरानी भी शुरू की गई, जिससे ग्रामीणों को सुरक्षित एवं स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराने की व्यवस्था मजबूत हुई।

योजना के साथ जनभागीदारी ने लिखी बदलाव की नई कहानी

धनौली में बदलाव केवल निर्माण कार्यों तक सीमित नहीं रहा, बल्कि ग्रामीणों की सक्रिय भागीदारी ने इसे स्थायी सफलता में बदलने का काम किया। जल जीवन मिशन के अंतर्गत ग्राम पंचायत बरौता को चयनित कर पंचायत प्रतिनिधियों, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग और ग्रामीणों के सहयोग से घर-घर नल कनेक्शन पहुंचाने का कार्य शुरू किया गया। ग्रामीणों ने पाइप लाइन बिछाने और जल व्यवस्था को बेहतर बनाने में सहयोग दिया। इसके साथ ही उन्हें जल स्रोतों के संरक्षण, स्वच्छ जल के उपयोग और जल बचाने के प्रति जागरूक किया गया। गांव में यह समझ विकसित हुई कि नल से पानी मिलना जितना जरूरी है, उतना ही जरूरी उपलब्ध जल स्रोत और पूरी जलापूर्ति व्यवस्था का संरक्षण करना भी है। यही सामुदायिक सहभागिता धनौली की सफलता की महत्वपूर्ण वजह बनी।

नल से सिर्फ पानी नहीं, स्वास्थ्य और खुशियों की पहुंच

आज धनौली में हर घर तक स्वच्छ पेयजल पहुंचने से ग्रामीणों के दैनिक जीवन में कई सकारात्मक बदलाव आए हैं। जल जनित बीमारियों में कमी, पानी लाने में लगने वाले समय की बचत और घरों में स्वच्छता के प्रति बढ़ी जागरूकता इसका प्रमुख परिणाम है।

विशेष रूप से महिलाओं को बड़ी राहत मिली है। पहले उन्हें पानी की व्यवस्था के लिए काफी समय और श्रम लगाना पड़ता था, लेकिन अब घर पर नल से पानी मिलने के कारण यह समय बच रहा है। बच्चों को भी इसका सीधा लाभ मिला है। पानी लाने में लगने वाला समय कम होने से वे अपनी पढ़ाई और अन्य गतिविधियों के लिए अधिक समय दे पा रहे हैं।

8 अक्टूबर तक होंगे पोषण हेतु जागरूकता कार्यक्रम

अम्बिकापुर (दैनंदिनी ब्यूरो)। पोषण अभियान के अंतर्गत 'राष्ट्रीय पोषण माह 2026' का आयोजन 9 सितंबर से 8 अक्टूबर 2026 तक किया जा रहा है।

जनसमुदाय तक स्वास्थ्य, पोषण एवं स्वच्छता से संबंधित जानकारी पहुंचाने तथा प्रभावी व्यवहार परिवर्तन के उद्देश्य से पोषण माह को जनआंदोलन के रूप में आयोजित किया जा रहा है। भारत सरकार के निर्देशानुसार आयोजित इस पोषण माह में जनप्रतिनिधियों, पंचायतीराज संस्थाओं एवं स्थानीय निकायों के प्रतिनिधियों के साथ सहयोगी विभागों, स्वयंसेवी संस्थाओं, सार्वजनिक एवं निजी क्षेत्र, महिला स्व-सहायता समूहों, महिला मंडलियों, नेहरू युवा केंद्रों, एनसीसी एवं राष्ट्रीय सेवा योजना की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की जा रही है।

पोषण माह के दौरान जिला, विकासखंड एवं ग्राम पंचायत स्तर पर विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा। इसके लिए संबंधित विभागों के मैदानी अमले के बीच प्रभावी समन्वय स्थापित करने के निर्देश दिए गए हैं। पूर्व वर्षों में भी पोषण माह एवं पोषण पखवाड़े के दौरान विभिन्न विभागों एवं विकास संस्थाओं का सक्रिय सहयोग प्राप्त हुआ है।

राष्ट्रीय पोषण माह 2026 के दौरान मुख्य रूप से पांच विषयों पर जागरूकता एवं जनभागीदारी आधारित गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। इनमें आहार विविधता एवं पर्याप्त प्रोटीन सेवन, आंगनबाड़ी केंद्रों पर ताजा गरम पका हुआ भोजन, सामुदायिक स्वामित्व एवं जवाबदेही, बाल विकास के लिए पोषण एवं प्रारंभिक उत्प्रेरण तथा प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के माध्यम से मातृ स्वास्थ्य हेतु नकद अंतरण शामिल हैं। कलेक्टर द्वारा सभी संबंधित विभागों को पोषण माह के सफल एवं सुचारू क्रियान्वयन के लिए अंतरविभागीय समन्वय बेहतर करते हुए दैनिक गतिविधियों के कैलेंडर के अनुसार पोषण कार्यक्रम आयोजित करने के निर्देश दिए हैं।

बैंक ऑफ बड़ौदा के मेगा क्रेडिट कैंप में 32 करोड़ का ऋण स्वीकृत

धमतरी (वीएनएस)। धमतरी जिले के भखारा में बैंक ऑफ बड़ौदा द्वारा आयोजित मेगा क्रेडिट कैंप ने ग्रामीण अर्थव्यवस्था, महिला सशक्तिकरण और कृषि उद्यमिता को नई दिशा दी है। वित्तीय समावेशन को धरातल पर उतारने के उद्देश्य से आयोजित इस कार्यक्रम में 476 हितग्राहियों को कुल 32 करोड़ रुपए की ऋण सहायता स्वीकृत एवं वितरित की गई।

इस पहल के माध्यम से किसानों, स्वयं सहायता समूहों, महिलाओं तथा स्थानीय उद्यमियों को सीधे तौर पर संस्थागत बैंकिंग सुविधाओं से जोड़कर आर्थिक संबल प्रदान किया गया। कार्यक्रम में स्वीकृत ऋण राशि का मुख्य हिस्सा कृषि और खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र को मजबूत करने में गया, जिसके तहत फूड एवं एग्रो प्रोसेसिंग से संबंधित 7 प्रकरणों में सर्वाधिक 16 करोड़ रुपए की भारी-भरकम राशि स्वीकृत की गई। इसके अलावा ग्रामीण कृषि तंत्र को मजबूती देने के लिए 211 किसानों को किसान क्रेडिट कार्ड (KCC) के माध्यम से 6 करोड़ रुपए और ट्रैक्टर तथा हार्वेस्टर जैसे कृषि टर्म लोन के 69 मामलों में 5 करोड़ रुपए का ऋण दिया गया।

वहीं महिला सशक्तिकरण और स्व-रोजगार को बढ़ावा देने के उद्देश्य से 155 स्वयं सहायता समूहों को 5 करोड़ रुपए तथा बैंक ऑफ बड़ौदा नारी शक्ति योजना के 34 प्रकरणों में 84 लाख रुपए की वित्तीय सहायता प्रदान की गई।

कलेक्टर धमतरी ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में बैंकिंग संस्थानों द्वारा आयोजित ऐसे क्रेडिट कैंप न केवल वित्तीय समावेशन को मजबूत करते हैं, बल्कि स्थानीय उद्यमियों और किसानों के लिए आर्थिक समृद्धि के नए द्वार भी खोलते हैं। उन्होंने हितग्राहियों से ऋण राशि का उपयोग निर्धारित उत्पादक गतिविधियों में करते हुए अपनी आर्थिक स्थिति सुधारने का आह्वान किया। साथ ही, उन्होंने घोषणा की कि आगामी 15 सितंबर को जिंजर लीफ में लोन मेला आयोजित किया जाएगा, जिसके बाद धमतरी में एक वृहद जिला स्तरीय लोन मेले का आयोजन भी होगा।

इस अवसर पर जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी ने कहा कि स्वयं सहायता समूहों और ग्रामीण उद्यमियों को सहजता से पर्याप्त ऋण उपलब्ध होने से स्थानीय स्तर पर रोजगार और आय के नए साधन निर्मित होते हैं।

विज्ञापन भुगतान नहीं होने को लेकर पत्रकारों ने उठाई आवाज, BTOA कोर कमेटी को सौंपा ज्ञापन

एक साल से अधिक समय से भुगतान का इंतजार, पत्रकारों में नाराजगी

किरंदुल (दैनंदिनी ब्यूरो)। विज्ञापन का भुगतान लंबे समय से लंबित होने को लेकर किरंदुल-बचेली के पत्रकार संगठन ने BTOA की कोर कमेटी को ज्ञापन सौंपकर जल्द भुगतान की मांग की है। पत्रकारों का कहना है कि विज्ञापन प्रकाशित किए जाने के बाद भुगतान के लिए एक साल से अधिक समय बीत चुका है, लेकिन अब तक उन्हें उनके हक की राशि नहीं मिल पाई है। इससे पत्रकारों के बीच नाराजगी बढ़ती जा रही है।

पिछली कमेटी के खर्च पर उठे सवाल

पत्रकार संगठन ने ज्ञापन के माध्यम से पिछली कमेटी के कार्यकाल में हुए खर्च को लेकर भी सवाल उठाए हैं। संगठन के अनुसार, BTOA संस्था की पिछली कमेटी द्वारा करीब 1 करोड़ 54 लाख रुपये खर्च किए गए।

पत्रकारों का आरोप है कि विभिन्न मदों में लाखों रुपये खर्च करने में कोई कमी नहीं रही, लेकिन जब पत्रकारों के विज्ञापन भुगतान की बात आती है तो संस्था के पास राशि उपलब्ध नहीं होने की बात कही जा रही है।

पत्रकारों ने मांगा लंबित राशि का भुगतान

पत्रकारों का कहना है कि समाचारों और विज्ञापनों के माध्यम से संस्थाओं की गतिविधियों को जनता तक पहुंचाने में मीडिया की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। इसके बावजूद विज्ञापन प्रकाशित होने के बाद लंबे समय तक भुगतान नहीं मिलना पत्रकारों और छोटे मीडिया संस्थानों के लिए आर्थिक परेशानी का कारण बन रहा है। संगठन ने BTOA प्रबंधन से लंबित भुगतान की प्रक्रिया को जल्द पूरा करने की मांग की है।

कोर कमेटी ने दिया समाधान का आश्वासन

ज्ञापन सौंपे जाने के बाद BTOA कोर कमेटी ने पत्रकार संगठन को आश्वासन दिया कि लंबित विज्ञापन भुगतान के मामले का जल्द समाधान निकालने का प्रयास किया जाएगा। कोर कमेटी ने कहा कि आजकल में इस समस्या का हल निकाल लिया जाएगा।

अब पत्रकार संगठन की नजर BTOA कोर कमेटी के इस आश्वासन पर है। पत्रकारों को उम्मीद है कि लंबे समय से लंबित विज्ञापन भुगतान का जल्द निराकरण होगा और उन्हें उनकी बकाया राशि मिल सकेगी। इस दौरान किरंदुल बचेली से बड़ी संख्या में पत्रकार गण मौजूद थे।

ड्रोन, रोबोटिक्स, AI जैसी आधुनिक तकनीकों से रूबरू हुए पीएमश्री जवाहर नवोदय विद्यालय उड़ियाकला के विद्यार्थी

कवर्धा (दैनंदिनी ब्यूरो)। पंडरिया विधानसभा अंतर्गत शासकीय एवं शिशु मंदिर विद्यालयों में अध्ययनरत छात्र-छात्राओं में वैज्ञानिक सोच, नवाचार और आधुनिक तकनीकी शिक्षा को बढ़ावा देने के उद्देश्य से विधायक भावना बोहरा द्वारा शुरू की गई विशेष पहल भावना दीदी की साइंस पाठशाला की प्रथम कार्यशाला का आयोजन पीएमश्री जवाहर नावोदय विद्यालय, ग्राम उड़ियाकला में किया गया। कार्यशाला में छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की और ड्रोन टेक्नोलॉजी, रोबोटिक्स, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI), 3D प्रिंटिंग सहित आधुनिक तकनीकों की बुनियादी जानकारी एवं व्यावहारिक प्रशिक्षण प्राप्त किया। इस पहल के अंतर्गत शिक्षक दिवस के अवसर पर 5 सितंबर से 9 सितंबर तक प्रथम कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें कक्षा दसवीं एवं बारहवीं के लगभग 150 से अधिक छात्र-छात्राओं ने हिस्सा लिया, जिन्हें प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया एवं माध्यमिक विद्यालय के छात्र-छात्राओं के विशेष आग्रह पर उन्हें भी प्रशिक्षण में शामिल किया गया इस प्रकार लगभग 200 से अधिक विद्यार्थियों ने भावना दीदी की साइंस पाठशाला के प्रथम कार्यशाला में सहभागिता की।

इस अवसर पर सभी विद्यार्थियों को मोबाइल लैब के माध्यम से बस टूर का आयोजन किया गया, जिसमें विद्यार्थियों एवं उपस्थित लोगों ने आधुनिक तकनीकी शिक्षा से संबंधित प्रदर्शनों को करीब से

भावना दीदी की साइंस पाठशाला

देखा और समझा तथा उपलब्ध विभिन्न तकनीकी मॉडलों एवं प्रयोगों की जानकारी प्राप्त की। इस दौरान टेबलटॉप प्रदर्शनी से विद्यार्थियों को परिचित कराया गया वहीं STEM एवं फिजिक्स किट प्रदर्शन आयोजित किया गया। विद्यार्थियों को STEM इलेक्ट्रॉनिक किट एवं फिजिक्स किट के माध्यम से विज्ञान के सिद्धांतों को प्रयोगात्मक तरीके से समझाया गया। इस दौरान बच्चों ने स्वयं प्रयोग कर विज्ञान को व्यवहारिक रूप में सीखने का अनुभव प्राप्त किया।

इस अवसर पर पंडरिया विधायक भावना बोहरा ने कहा कि, हमारे गांवों और शासकीय विद्यालयों में पढ़ने वाले बच्चों में प्रतिभा की कोई कमी नहीं है। आवश्यकता केवल उन्हें अवसर, संसाधन और सही मार्गदर्शन देने की है। भावना दीदी की साइंस पाठशाला इसी सोच के साथ शुरू की गई है, ताकि पंडरिया विधानसभा के शासकीय विद्यालायोंन में पढ़ने वाले बच्चे भी ड्रोन, रोबोटिक्स, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, STEM, 3D प्रिंटिंग और अन्य आधुनिक तकनीकों को सीख सकें। आज की शिक्षा केवल किताबों तक सीमित नहीं रह सकती। बच्चों को प्रयोग, तकनीक और नवाचार से जोड़ना समय की आवश्यकता है। हमारा प्रयास है कि गांव का बच्चा भी भविष्य की तकनीकों को समझे, उनमें रुचि विकसित करे और आगे चलकर उन क्षेत्रों में अपना करियर बनाने का सपना देखे।

भावना बोहरा ने बताया कि इस पहल के माध्यम से आने वाले समय में पंडरिया विधानसभा के शासकीय एवं शिशु मंदिर विद्यालयों के प्रतिवर्ष लगभग 5,000 छात्र-छात्राओं तक पहुंचने का लक्ष्य रखा गया है।

मोबाइल इमर्जिंग टेक्नोलॉजी लैब के माध्यम से विद्यालय-विद्यालय जाकर बच्चों को आधुनिक शिक्षा एवं तकनीकी प्रशिक्षण उपलब्ध कराया जाएगा। उन्होंने कहा कि पंडरिया की प्रतिभाओं को अवसर देना हमारी प्राथमिकता है। भावना दीदी की साइंस पाठशाला के माध्यम से हम बच्चों में जिज्ञासा, वैज्ञानिक दृष्टिकोण, प्रयोग करने की क्षमता और नवाचार का आत्मविश्वास विकसित करना चाहते हैं और हमें विश्वास है कि यही बच्चे आने वाले समय में पंडरिया की नई पहचान बनेंगे।

रायपुर में आईटीएमएस के सुचारू संचालन को लेकर बैठक में हुई चर्चा

रायपुर ■ दैनन्दिनी

मुख्य सचिव श्री विकासशील की अध्यक्षता में आज मंत्रालय महानदी भवन में राजधानी रायपुर में इंटेलिजेंट ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम (आईटीएमएस) के सुचारू और सतत संचालन को लेकर महत्वपूर्ण बैठक आयोजित हुई। बैठक में आईटीएमएस के संचालन, रखरखाव, वित्तीय दायित्वों और तकनीकी उन्नयन सहित इसके भविष्य में विस्तार को लेकर विस्तृत चर्चा की गई।

बैठक में आईटीएमएस से जुड़े लंबित वित्तीय दायित्वों की समीक्षा के साथ सिस्टम के नियमित संचालन एवं रखरखाव के लिए आवश्यक व्यवस्थाओं पर विचार-विमर्श किया गया। अधिकारियों ने आईटीएमएस के प्रभावी संचालन के लिए वित्तीय प्रबंधन को मजबूत करने और दीर्घकालिक योजना तैयार करने की आवश्यकता पर जोर दिया।

बैठक में आईटीएमएस के अंतर्गत लगाए गए उपकरणों, कैमरों, सर्वर और सॉफ्टवेयर को समयानुकूल अपग्रेड करने के मुद्दे पर भी चर्चा हुई। अधिकारियों ने बदलती तकनीकी जरूरतों के अनुरूप सिस्टम को आधुनिक बनाने की आवश्यकता बताई, ताकि यातायात प्रबंधन और निगरानी व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाया जा सके।

आईटीएमएस को रायपुर की नई सड़कों, प्रमुख कॉरिडोर और जंक्शनों तक विस्तारित करने से जुड़े प्रस्तावों पर भी चर्चा हुई। इसके लिए आवश्यक तकनीकी एवं वित्तीय संसाधनों का आकलन कर चरणबद्ध तरीके से विस्तार की दिशा में आगे बढ़ने पर विचार किया गया।बैठक में आईटीएमएस के संचालन, रखरखाव, तकनीकी उन्नयन और भविष्य के विस्तार के लिए दीर्घकालिक वित्तीय रोडमैप तैयार करने की आवश्यकता पर भी सहमति बनी।बैठक में डीजीपी श्री अरुण देव गौतम, गृह एवं जेल विभाग की प्रमुख सचिव श्रीमती निहारिका बारिक, एडीजीपी श्री दीपांशु काबरा, नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के प्रमुख सचिव श्री सोनमणि बोरा, वित्त एवं जनसम्पर्क विभाग के सचिव डॉ. रोहित यादव, एनआरडीए के सीईओ श्री चंदन कुमार, रायपुर कलेक्टर श्री गौरव कुमार सहित वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

भाजपा के सोशल मीडिया पर कांग्रेस को 'नाराज फूफा' बताए जाने पर बिफरे बैज

रायपुर ■ दैनन्दिनी

भाजपा के सोशल मीडिया पर कांग्रेस को 'नाराज फूफा' बताए जाने पर छत्तीसगढ़ कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने पलटवार किया है. उन्होंने कहा कि नाराज फूफा तो पूरे देश की जनता है. प्रदेश और देश की जनता इस सरकार से त्रस्त हो चुकी है. जनता को जेन्युइन मुद्दों से भटकाने के लिए भाजपा इस तरह की बातें कर रही है. दरअसल, बीजेपी ने सोशल मीडिया पर रैप सॉन्ग वीडियो जारी किया है. इसमें सरकार की आलोचना करने वालों को नाराज फूफा बताया गया है. इस पर मीडिया के सवाल पर दीपक बैज ने कहा कि फूफा किसे कह रहे हैं, असली फूफा तो आप लोग (भाजपा) हैं. नकली पेट्रोल बेचा जा रहा है, पेट्रोल-डीजल के दाम बढ़े हुए हैं. डबल इंजन की सरकार से जनता परेशान है. वहीं साय कैबिनेट के फैसलों पर दीपक बैज ने कहा कि सरकार कई कैबिनेट बैठक कर ले, लेकिन देश के साथ प्रदेश की जेन जी को नहीं साध सकती. जेन जी के लिए सरकार ने कुछ नहीं किया. शिक्षा और स्वास्थ्य विभाग चौपट हो चुके हैं. अव्यवस्थाओं को लेकर सरकार के खिलाफ प्रदर्शन हो रहे हैं. युवाओं के लिए सरकार के पास कुछ भी नहीं है.

पीएम मोदी के जन्मदिन पर भाजपा की यात्रा को लेकर बैज ने कहा कि भाजपा का दोहरा चरित्र सामने आ रहा है. पीएम मोदी पेट्रोल-डीजल बचाने की बात करते हैं, और इधर 25 वर्ष का कार्यकाल पूरा होने पर यात्रा निकाल रहे हैं. इथेनॉल मिलाकर डुप्लीकेट पेट्रोल दिया जा रहा है.

उन्होंने कहा कि गोधरा कांड से लेकर जेन जी आंदोलन तक यही चल रहा है. महंगाई चरम पर है, और आम जनता त्रस्त है. नौकरियां नहीं है. भाजपा लोकतंत्र को कुचलने का काम कर रही है, पहले भाजपा को आम जनता से माफी मांगनी चाहिए. धोखा देने और जुमलेबाजी के अलावा सरकार कुछ नहीं कर रही है. उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने अधिकारियों को क्षेत्र पर जाकर निरीक्षण करने के निर्देश दिए जाने पर पीसीसी चीफ ने कहा कि शहरी क्षेत्रों में पानी निकासी का कोई साधन नहीं है. इस वर्ष कम बारिश हुई, फिर भी कई शहरों में पानी भर गया. कई शहरों में तो नाव चलने की स्थिति बन गई. व्यवस्थाएं पूरी तरह चौपट हो चुकी है. यही हाल ग्रामीण क्षेत्रों का भी है, आम जनता को सुविधा देने में सरकार पूरी तरह विफल रही है.वहीं कांग्रेस के प्रशिक्षण को लेकर पीसीसी चीफ दीपक बैज ने कहा कि आज ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्षों और मास्टर ट्रेनर्स का प्रशिक्षण चल रहा है. आज से तीन दिन तक ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्षों की ट्रेनिंग शुरू होने जा रही है.

नशे से दूर रहकर युवा अपनी ऊर्जा राष्ट्र निर्माण में लगाएं : राज्यपाल डेका

रायपुर ■ दैनन्दिनी

पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर में 'नशा मुक्त युवा-विकसित भारत' संकल्प अभियान के अंतर्गत विगत एक माह से आयोजित विभिन्न जागरूकता कार्यक्रमों का आज समापन हुआ। कार्यक्रम में कुलाधिपति एवं राज्यपाल श्री रमेन डेका मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

राज्यपाल श्री डेका ने कहा कि भारत युवाओं का देश है। किसी भी राष्ट्र की सबसे बड़ी शक्ति उसकी युवा पीढ़ी होती है। युवा देश का भविष्य ही नहीं, बल्कि वर्तमान की भी महत्वपूर्ण शक्ति हैं। उनके विचार, संकल्प और सपने राष्ट्र की दिशा तय करते हैं। इसलिए युवा शक्ति को नशे जैसी बुराइयों से बचाना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने 2 अगस्त 2026 को युवाओं को नशामुक्त बनाने और समाज में सकारात्मक परिवर्तन

लाने के उद्देश्य से इस महाअभियान की शुरुआत की है। नशे के विरुद्ध लड़ाई केवल सरकार की नहीं, बल्कि पूरे समाज की साझा जिम्मेदारी है। आज पारंपरिक नशे के साथ सूखे नशे का चलन भी बढ़ रहा है, जो युवाओं के स्वास्थ्य और भविष्य के लिए गंभीर चुनौती है। राज्यपाल ने कहा कि नशा व्यक्ति की सही और गलत में अंतर करने की क्षमता को प्रभावित करता है। नशे की गिरफ्त में आए व्यक्ति को दोषी मानने के बजाय उसके प्रति संवेदनशील दृष्टिकोण अपनाते हुए काउंसलिंग और आवश्यकता पड़ने पर उपचार उपलब्ध कराना चाहिए। अधिक नशे से मनोवैज्ञानिक समस्याएं भी उत्पन्न हो सकती हैं। उन्होंने कहा कि 21वीं सदी में मानसिक स्वास्थ्य एक बड़ी चुनौती बनकर सामने आया है। श्री डेका ने कहा कि नशे से किसी समस्या का समाधान नहीं होता। जीवन में परीक्षा का दबाव, करियर की चिंता, असफलता का भय और अपेक्षाओं का बोझ जैसी परिस्थितियां आती रहती हैं। इनसे बचने के लिए नशे का सहारा लेना समाधान नहीं है। समस्या से भागना समाधान नहीं, बल्कि उसका सामना करना ही वास्तविक साहस है। उन्होंने युवाओं से अनुशासन, समय की पाबंदी और नियमित अध्ययन को जीवन का हिस्सा बनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि पढ़ने की आदत से ज्ञान के साथ-साथ विभिन्न विषयों के प्रति जागरूकता भी बढ़ती है। राज्यपाल ने डिजिटल एडिक्शन को भी गंभीर चुनौती बताते हुए युवाओं से डिजिटल माध्यमों का संतुलित एवं विवेकपूर्ण उपयोग करने की अपील की।

कार्यक्रम के मुख्य वक्ता हार्टफुलनेस आश्रम, हैदराबाद के संचालक श्री त्रिलोचन चावला ने नशा मुक्ति के मनोवैज्ञानिक पहलुओं पर विद्यार्थियों को संबोधित किया। उन्होंने विद्यार्थियों को नशा मुक्त भारत अभियान में सक्रिय भूमिका निभाने की शपथ भी दिलाई। विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. सच्चिदानंद शुक्ला ने स्वागत भाषण दिया। उन्होंने बताया कि अभियान को सफल बनाने में राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) और माय भारत वॉलिंटियर्स की महत्वपूर्ण भूमिका रही। अभियान के दौरान आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेता विद्यार्थियों को राज्यपाल ने सम्मानित किया। राष्ट्रीय शिक्षा पुरस्कार से सम्मानित वरिष्ठ प्रोफेसर श्री राजीव चौधरी को भी राज्यपाल ने सम्मानित किया। रेडक्रॉस एवं रोटरी संस्था द्वारा आयोजित रक्तदान शिविर के लिए संस्था के प्रतिनिधियों को प्रशस्ति-पत्र प्रदान किए गए। इस अवसर पर विभिन्न महाविद्यालयों के प्राचार्य, विश्वविद्यालय के फैकल्टी सदस्य, प्राध्यापकगण एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित थे।

हांगकांग में छत्तीसगढ़ के इभानन का कमाल

रायपुर ■ दैनन्दिनी

छत्तीसगढ़ के लिए गौरव का एक और अवसर सामने आया है। आकांक्षा लायंस इंस्टीट्यूट ऑफ लर्निंग एंड एम्पावरमेंट, अवंति विहार, रायपुर के 22 वर्षीय ऑटिस्टिक छात्र इभानन ने हांगकांग में आयोजित स्पेशल ओलंपिक ईस्ट एशिया रीजनल बॉलिंग चैंपियनशिप 2026 में दो स्वर्ण पदक जीतकर देश और प्रदेश का नाम रोशन किया है। बता दें कि प्रतियोगिता का आयोजन 4 से 9 सितंबर 2026 तक हांगकांग में हुआ। इभानन ने प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करते हुए दो स्वर्ण पदक अपने नाम किए। संस्था ने बताया कि उन्होंने चीन, जापान और कोरिया जैसे देशों के खिलाड़ियों के बीच मुकाबला करते हुए यह उपलब्धि हासिल की।

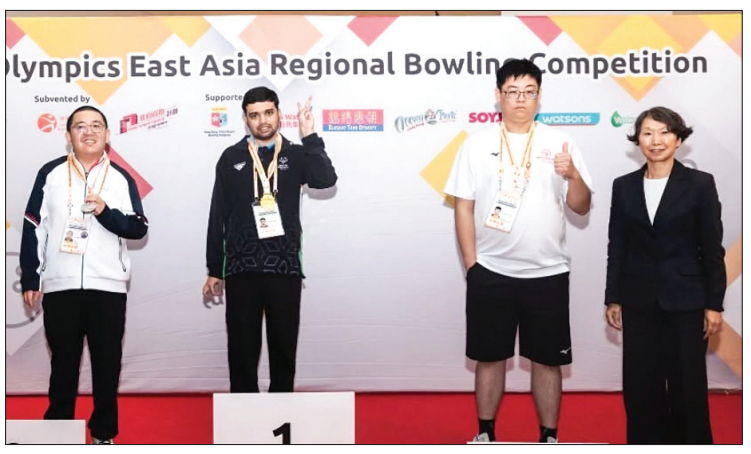

2024 में भी जीता था स्वर्ण और कांस्य-इभानन की यह पहली बड़ी उपलब्धि नहीं है। इससे पहले 2024 में नई दिल्ली में आयोजित इसी चैंपियनशिप में उन्होंने एक स्वर्ण और एक कांस्य पदक जीता था। लगातार दूसरी बार अंतरराष्ट्रीय स्तर पर शानदार प्रदर्शन के बाद उनकी इस उपलब्धि को छत्तीसगढ़ के लिए गौरव का विषय बताया जा रहा है। आकांक्षा लायंस इंस्टीट्यूट के अनुसार, इभानन की इस सफलता में संस्थान के व्यावसायिक प्रशिक्षण और शिक्षकों की मेहनत की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। संस्था विशेष जरूरत वाले बच्चों के लिए शिक्षा, प्रशिक्षण और पुनर्वास से जुड़ी विभिन्न सेवाएं उपलब्ध कराती है।

दो स्वर्ण पदक जीतने के बाद इभानन 10 सितंबर 2026 की रात करीब 8 बजे हांगकांग से दिल्ली होते हुए रायपुर पहुंचेंगे। इभानन के स्वागत के लिए आकांक्षा लायंस इंस्टीट्यूट ऑफ लर्निंग एंड एम्पावरमेंट के शिक्षक, स्टाफ और छात्र-छात्राओं के साथ लायंस क्लब इंटरनेशनल के पदाधिकारी और अन्य गणमान्य नागरिक एयरपोर्ट पहुंचेंगे। इस दौरान इभानन का सेरेमोनियल बैंड की धुन के साथ भव्य स्वागत किया जाएगा।

पदोन्नति के पदों पर संविदा नियुक्तियों का विरोध, नर्सिंग ऑफिसर्स एसोसिएशन ने किया प्रदर्शन

रायपुर ■ दैनन्दिनी

पदोन्नति के पदों पर की गई संविदा नियुक्तियों को निरस्त करने और नर्सिंग संवर्ग की विभिन्न लंबित मांगों को लेकर नर्सिंग ऑफिसर्स एसोसिएशन छत्तीसगढ़ ने तीन दिवसीय सांकेतिक विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया है। प्रदर्शन के पहले दिन गुरुवार को डॉ. भीमराव अंबेडकर स्मृति चिकित्सालय रायपुर परिसर में संघ के पदाधिकारियों और नर्सिंग कर्मचारियों ने प्रदर्शन किया। संघ का कहना है कि लंबे समय से नर्सिंग संवर्ग की कई मांगें लंबित हैं, लेकिन शासन-प्रशासन की ओर से इनके निराकरण की दिशा में अपेक्षित कार्रवाई नहीं की गई है। इन्हीं मांगों को लेकर तीन दिवसीय सांकेतिक प्रदर्शन के जरिए शासन का ध्यान आकर्षित किया जा रहा है।

पदोन्नति के पदों पर संविदा नियुक्ति का विरोध-एसोसिएशन की प्रमुख मांग नर्सिंग डेमोंस्ट्रेटर और सहायक प्राध्यापक के पदों पर की गई संविदा नियुक्तियों को निरस्त करना है। संघ ने मांग की है कि पोस्ट बेसिक बीएससी नर्सिंग, बीएससी नर्सिंग और एमएससी नर्सिंग की योग्यता रखने वाले नर्सिंग संवर्ग के कर्मचारियों को वरिष्ठता सूची के आधार पर पदोन्नति दी जाए। संघ ने बताया कि नर्सिंग डेमोंस्ट्रेटर के 22 और सहायक प्राध्यापक के 18 पदों पर सीधी भर्ती के आदेश स्वीकृत होने के बावजूद अब तक विज्ञापन जारी नहीं किया गया है। एसोसिएशन ने इन पदों पर चिकित्सा शिक्षा विभाग के पात्र नर्सिंग कर्मचारियों को पदोन्नति का अवसर देने की मांग की है।

अलाउंस और वेतन बढ़ाने की मांग-नर्सिंग ऑफिसर्स एसोसिएशन ने चिकित्सा शिक्षा विभाग के नर्सिंग संवर्ग के ग्रेड-पे और वेतनमान में वृद्धि से संबंधित प्रस्ताव को शासन स्तर पर भेजकर जल्द स्वीकृति देने की मांग की है। इसके अलावा नर्सिंग ऑफिसर और सीनियर नर्सिंग ऑफिसर पदनाम से संबंधित घोषणा के अनुरूप आदेश जारी करने की मांग भी रखी गई है। संघ ने नर्सिंग अलाउंस 7,200 रुपये और वॉशिंग अलाउंस 1,800 रुपये प्रतिमाह किए जाने की मांग की है। वहीं संविदा और कलेक्टर दर पर कार्यरत स्टाफ नर्सों के लिए न्यूनतम 40 हजार रुपये प्रतिमाह वेतन निर्धारित करने की मांग भी शामिल है।

लंबित पदोन्नति प्रक्रिया पूरी करने की मांग-एसोसिएशन ने नर्सिंग सिस्टर, सहायक नर्सिंग अधीक्षक, उप नर्सिंग अधीक्षक, डेमोंस्ट्रेटर और सहायक प्राध्यापक के पदों पर लंबित पदोन्नति प्रक्रिया जल्द पूरी करने की मांग की है। साथ ही स्टाफ नर्सों के रिक्त पदों पर नियमित भर्ती करने और पहले से कार्यरत संविदा एवं कलेक्टर दर के स्टाफ नर्सों को नियमित पदों पर प्राथमिकता देने की मांग की गई है। इसके अलावा समयमान वेतनमान से संबंधित आदेश जारी करने की मांग भी संघ ने रखी है।

1500 से बढ़ाकर 15 हजार रुपये दें स्टाइपेंड-नर्सिंग छात्र-छात्राओं के स्टाइपेंड को लेकर भी एसोसिएशन ने सरकार से बड़ा बदलाव करने की मांग की है। संघ के मुताबिक वर्ष 1998-99 से नर्सिंग विद्यार्थियों को 1,500 रुपये प्रतिमाह स्टाइपेंड दिया जा रहा है, जिसमें पिछले 27 वर्षों में कोई वृद्धि नहीं हुई है। एसोसिएशन ने इसे बढ़ाकर 15 हजार रुपये प्रतिमाह करने की मांग की है। प्रदर्शन के पहले दिन चिकित्सा शिक्षा विभाग के नियमित नर्सिंग संवर्ग के कर्मचारियों के साथ संविदा और डेली वेजेस पर कार्यरत स्टाफ नर्सों ने भी हिस्सा लिया। संघ ने कहा कि तीन दिवसीय सांकेतिक प्रदर्शन के माध्यम से शासन तक अपनी मांगें पहुंचाई जा रही हैं और लंबित मुद्दों के शीघ्र निराकरण की उम्मीद है।

मानसून द्रोणिका सक्रिय तीन दिन तक बारिश का अलर्ट

रायपुर ■ दैनन्दिनी

सितंबर की शुरुआत में बारिश के बाद मंगलवार को बढ़ी गर्मी और उमस ने दुर्ग-भिलाई के लोगों को परेशान किया। दिनभर धूप और उमस के बीच दोपहर करीब 3 बजे कुछ हिस्सों में हल्की फुहारें पड़ीं। इससे थोड़ी देर के लिए राहत मिली, लेकिन बारिश थमते ही उमस फिर बढ़ गई। कम बारिश के कारण तापमान पर खास असर नहीं पड़ा। दुर्ग में अधिकतम तापमान 34.4 डिग्री और न्यूनतम तापमान 21.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मौसम विभाग के अनुसार, प्रदेश में पिछले 24 घंटे के दौरान एक-दो स्थानों पर बहुत हल्की से हल्की बारिश हुई। हालांकि, 10 सितंबर से बारिश की गतिविधियां बढ़ने की संभावना है। दुर्ग में बुधवार को एक-दो दौर की बारिश या गरज-चमक के साथ बौछारें पड़ सकती हैं। इसके बाद 10 से 12 सितंबर तक भी बारिश के आसार हैं।

बंगाल की खाड़ी में बन सकता है निम्न दबाव-मौसम में बदलाव के पीछे कई मौसमी तंत्र सक्रिय हैं। पूर्वी उत्तर प्रदेश और उससे लगे बिहार के ऊपर चक्रवाती परिसंचरण बना हुआ है। मानसून द्रोणिका भी सक्रिय है। वहीं, 11 सितंबर के आसपास पश्चिम-मध्य और उत्तर-पश्चिम बंगाल की खाड़ी तथा उससे लगे तटीय क्षेत्रों में निम्न दबाव का क्षेत्र बनने की संभावना है। इसके प्रभाव से प्रदेश में कई स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश की गतिविधियां बढ़ सकती हैं।

आज कई जगह बारिश, कुछ इलाकों में भारी बारिश का अलर्ट-मौसम विभाग के अनुसार, आज (10 सितंबर) प्रदेश में कई जगहों पर हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है। वहीं, कुछ स्थानों पर भारी बारिश के साथ गरज-चमक और आकाशीय बिजली गिरने की संभावना है। अगले दो दिनों में बारिश की गतिविधियां और बढ़ सकती हैं। इस दौरान ज्यादातर जगहों पर हल्की से मध्यम बारिश और कुछ स्थानों पर भारी से बहुत भारी बारिश होने की संभावना है। साथ ही, गरज-चमक और आकाशीय बिजली गिरने की भी आशंका है।

दो दिन से नहीं हो रही थी बारिश, तापमान में बढ़ोतरी-दो दिनों से बारिश थमने के कारण रायपुर में उमस बढ़ गई है। बुधवार को अधिकतम तापमान 34.2 डिग्री पर पहुंच गया। यह सामान्य से 3 डिग्री अधिक रहा। प्रदेश में रायपुर सबसे ज्यादा गर्म रहा। सबसे कम तापमान पेंड्रारोड का 22.4 डिग्री रहा। राजधानी में न्यूनतम तापमान 26.1 डिग्री रहा, जो सामान्य से डेढ़ डिग्री ज्यादा है।पिछले 24 घंटे में पाली में 4, बेलगहना में 3, हरदीबाजार, नरहरपुर में 2-2, सकरी, कोटा, घुमका, जशपुरनगर व छिंदगढ़ में एक-एक सेमी पानी गिरा। प्रदेश में मानसूनी सीजन में 953.3 मिमी पानी गिर चुका है, जो सामान्य से 6 फीसदी कम है।

छत्तीसगढ़ में स्वाइन फ्लू से हाहाकार

रायपुर,। छत्तीसगढ़ में स्वाइन फ्लू का संक्रमण लगातार बढ़ता जा रहा है। 8 सितंबर को प्रदेश में एक दिन में 46 नए पॉजिटिव मरीज मिले हैं और अब कुल संक्रमित मरीजों की संख्या बढ़कर 344 पहुंच चुकी है।

अब प्रदेश के 24 जिलों में इस बीमारी का संक्रमण फैल चुका है। सबसे ज्यादा 146 मरीज रायपुर से मिले हैं। अस्पतालों में स्वाइन फ्लू से पीड़ित मरीजों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है।

रायपुर के अलावा दुर्ग में 4, बिलासपुर और कोरबा में 3-3, जबकि बालोदाबाजार, बस्तर और महासमुंद में 2-2 नए मरीज मिले हैं।

राजधानी में क्रेडाई प्रॉपर्टी एक्सपो 18 से 20 सितंबर तक: रजिस्ट्री और स्टाम्प ड्यूटी में 50% छूट

रायपुर ■ दैनन्दिनी

क्रेडाई मतलब प्रॉपर्टी और भरोसेमंद खरीदी मतलब क्रेडाई प्रॉपर्टी एक्सपो। ये कोई अबूझ पहेली नहीं है बल्कि हकीकत है जिसे छत्तीसगढ़ के प्रॉपर्टी बायर्स समझते हैं इसलिए वे बेसब्री से इस एक्सपो का इंतजार करते हैं और एक बार फिर वो अवसर आ गया है जब 18 से 20 सितंबर को राजधानी के इंडोर स्टेडियम, बूढ़ापारा में क्रेडाई प्रॉपर्टी एक्सपो का आयोजन किया जा रहा है। क्रेडाई से संबद्ध 50 बिल्डर्स 250 से भी अधिक प्रोजेक्ट लेकर इसमें शामिल हो रहे हैं। कई नए प्रोजेक्ट से भी रूबरू होने का अवसर मिलेगा। जिस बजट पर जिस लोकेशन में आप प्रॉपर्टी चाहेंगे मिलेगी, वहीं आपकी खरीदी को और खुशनुमा बनाने के लिए पहली बार एक्सपो अवधि के दौरान तीन दिन की बुकिंग पर रजिस्ट्री व स्टाम्प ड्यूटी में 50 फीसदी छूट की ऐतिहासिक सौगात दी जा रही है। बैंकिंग फाइनेंस की सुविधा के लिए बैंक स्टॉल व लीगल जानकारी के लिए रेरा के स्टॉल भी रहेंगे। इस एक्सपो की खास बात ये भी है कि गणेशोत्सव के बीच प्रॉपर्टी खरीदना बहुत ही शुभ माना जाता है। मतलब अपने आशियाने का सपना हर हाल में इस एक्सपो में पूरा करना है। क्रेडाई प्रॉपर्टी एक्सपो आयोजन को लेकर पत्रकार वार्ता में जानकारी देते हुए क्रेडाई छत्तीसगढ़ के अध्यक्ष पंकज लाहोटी, चेयरमैन मृणाल गोलछा, सचिव अभिषेक बच्छावत, आईपीपी संजय रहेजा, कोषाध्यक्ष आयुष मोदी, प्रोग्राम चेयरमैन अशोक मूंदड़ा और प्रतीक केवलानी ने बताया कि क्रेडाई प्रॉपर्टी एक्सपो का यह 7वां एडिशन है। हर बार हमने कुछ न कुछ नया दिया है। अब तक का सबसे बड़ा ऑफर इस एक्सपो में दिया जा रहा है जिसमें रजिस्ट्री व स्टांप ड्यूटी में 50 फीसदी की छूट प्रदान की जाएगी। यह ऑफर केवल तीन दिन एक्सपो में बुकिंग कराने वालों के लिए होगा। यह प्रॉपर्टी बायर्स को एक अच्छी आर्थिक बचत देगा जो कि इससे पहले के एक्सपो में कभी नहीं मिली। इसके पीछे का प्रमुख कारण बायर्स को अधिकाधिक लाभ पहुंचाना है। इसके अलावा बिल्डर्स अपने स्तर पर कई आकर्षक ऑफर की पेशकश भी करने जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि छत्तीसगढ़ भर से लगभग 50 से भी अधिक बिल्डर्स 250 से भी अधिक प्रोजेक्ट लेकर प्रॉपर्टी एक्सपो में शामिल हो रहे हैं। हर साल के आयोजन से जो फीडबैक मिलता है और कस्टमर की जो डिमांड होती है उस पर विचार साझा कर एक्सपो के नए एडिशन में जोड़ने का प्रयास होता है। इसी तर्ज पर इस बार एक्सपो के दौरान तीन दिन की बुकिंग को आकर्षक बनाने के लिए रजिस्ट्री व स्टाम्प ड्यूटी में 50 फीसदी की छूट का प्रस्ताव दिया जा रहा है। चूंकि राज्य सरकार की नीतियां भी रियल एस्टेट सेक्टर के लिए अनुकूल व सहयोगात्मक हैं, उनकी मंशा भी है कि एक्सपो का लाभ अधिकाधिक लोग उठाएं।

उन्होंने बताया कि साल में एक बार हम यह आयोजन करते हैं और हमारा मकसद कोई पैसा कमाना नहीं होता है और कस्टमर चाहें तो सीधे जाकर इन्हीं बिल्डर्स से खरीदी कर सकते हैं। लेकिन एक्सपो में आकर उन्हें बजट, लोकेशन, सुविधा, फाइनेंस से लेकर हर जानकारी एक प्लेटफॉर्म पर मिलने से वे विकल्प तय कर सकते हैं। क्रेडाई प्रॉपर्टी एक्सपो में आकर फ्लैट, बंगला, मकान, विला, प्लॉट व कमर्शियल स्पेस की खरीदी करना इससे बहुत ही आसान हो जाता है। इस बार भी नए-पुराने प्रोजेक्ट का समागम उनके लिए उपलब्ध होगा। 18 से 20 सितंबर तीन दिन का यह आयोजन उनके लिए सुनहरा अवसर है। ये तो तयशुदा है कि सब कुछ होते हुए भी लोग एक अच्छी प्रॉपर्टी खरीद नहीं पाते हैं, जो यह एक्सपो उनके लिए आसान बना देगा। क्रेडाई मेंबर्स ने ये भी बताया कि अब तो लोगों को उत्सुकता रहने लगी है कि क्रेडाई का प्रॉपर्टी एक्सपो कब से होगा। अगस्त-सितंबर का महीना आते ही उनकी इंक्वायरी शुरू हो जाती है। नए बायर्स के लिए तो यह सबसे बेस्ट मौका है, इसलिए कि सेक्टर में सब कुछ अनुकूल होने से बजट तय करना उनके लिए आसान होगा। वहीं पुराने प्रॉपर्टी होल्डर्स और भी नए निवेश कर सकते हैं। इसलिए कि यहां जो 50 बिल्डर्स अपने 250 प्रोजेक्ट के साथ मौजूद रहेंगे उन्होंने सामान्य, मध्यम व बड़ी लागत के बजट का प्रोजेक्ट शामिल कर रखा है। एक्सपो में सभी बिल्डर्स क्रेडाई मेंबर हैं और एक ही जगह पर हर बजट के अनुसार प्रॉपर्टी ऑप्शंस हैं। बायर्स पूरे भरोसे के साथ बुकिंग करा सकते हैं इसलिए कि क्रेडाई भी समझता है कि आखिर अब तक आप अपना घर क्यों नहीं ले सके हैं? जिस भी स्टॉल पर पहुंचेंगे तो वहां सभी प्रकार की वास्तविक जानकारी उपलब्ध कराई जाएगी। किराए के मकान में रहने वाले लोग भी ईएमआई का समायोजन कर खरीदी कर सकते हैं।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **ब्रजेश शुक्ला** द्वारा नगर निगम कार्यालय के पीछे, मुकुटनगर रायपुर (छ.ग.) से प्रकाशित एवं आसमां पब्लिशर्स जयस्तंभ चौक रायपुर से मुद्रित। **संपादक- ब्रजेश शुक्ला,** RNI-CHHHIN/2010/34274, फोन-0771-4059450, ई-मेल-mail2dainandini@gmail.com